सचिन तेंदुलकर बीसीसीआई अध्यक्ष पद की दौड़ में नहीं
- 14

आईपीओ और एमपीएस की समय सीमा बढ़ाने पर सेबी करेगा विचार
- 12

ट्रंप के करीबी सहयोगी कार्यकर्ता चार्ली किर्क की गोली मारकर हत्या
- 13

महत्वपूर्ण ऑलराउंडर बनने के लिए प्रतिबद्ध हैं शिवम
- 14

आज का मौसम

34.0° अधिकतम तापमान

27.5° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.53

सूर्यास्त 06.16

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

आश्विन कृष्ण पक्ष पंचमी 09:58 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 12 सितंबर 2025, वर्ष 35, अंक 225, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

उपराष्ट्रपति पद की शपथ आज लेंगे राधाकृष्णन

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन को शुक्रवार को पद की शपथ दिलाएंगी। अधिकारियों ने बताया कि महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल राधाकृष्णन सुबह 10 बजे राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में शपथ लेंगे। राधाकृष्णन (67) ने मंगलवार को उपराष्ट्रपति पद के लिए हुए चुनाव में संयुक्त विपक्ष के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी को 152 मतों से हराया। जगदीप धनखड़ द्वारा 21 जुलाई को इस्तीफा दिए जाने के कारण चुनाव कराया गया।

पुलिस की पिटाई से मौत, इंस्पेक्टर समेत छह निलंबित

लखनऊ। गाजीपुर के नोनहरा थानाक्षेत्र में पुलिस की पिटाई से भाजपा कार्यकर्ता सियाराम उपाध्याय की मौत हो गई। इस मामले में डीजीपी राजीव कृष्ण के निर्देश पर हुई जांच की प्राथमिक रिपोर्ट आने के बाद इंस्पेक्टर नोनहरा वेंकटेश तिवारी समेत छह पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया। पांच को लाइन हाजिर किया गया। एसपी ईरज राजा ने मामले की मजिस्ट्रियल जांच के लिए डीएम अविनाश कुमार को पत्र लिखा है। डीएम ने पत्र के आधार पर जांच कमेटी गठित कर दी है। वीडियोग्राफी के साथ तीन डॉक्टरों के पैनल ने शव का पोस्टमार्टम किया।

सोनिया गांधी से जुड़ी याचिका की खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के खिलाफ कार्रवाई की मांग वाली उस याचिका को गुरुवार को खारिज कर दिया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उनका नाम भारतीय नागरिक बनने से तीन साल पहले ही मतदाता सूची में शामिल कर लिया गया था। शिकायतकर्ता विकास त्रिपाठी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता पवन नारंग ने कहा कि जनवरी 1980 में सोनिया गांधी का नाम नई दिल्ली क्षेत्र में मतदाता के रूप में जोड़ा गया था, जबकि वह भारतीय नागरिक नहीं थीं।

टैंकर से टकराकर पलटी रोडवेज बस, पांच लोगों की मौत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: हरदोई से लखनऊ कैसरबाग डिपो की बस काकोरी के गोला कुआं के पास टैंकर से टकराकर 25 फीट नीचे खंदक में गिर गई। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। जबकि 20 से अधिक घायल हो गए। काकोरी सीएचसी में घायलों का प्राथमिक इलाज के बाद 17 घायलों को केजीएमयू के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया, इनमें से चार लोगों को मृत अवस्था में लाया गया है। बताया गया कि घायलों में तीन की हालत नाजुक है।हादसे की जानकारी होते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को मौके पर पहुंच तत्काल राहत कार्य के निर्देश दिए।

निर्देश मिलते ही मंडलायुक्त रोशन जैकब, पुलिस कमिश्नर अरमेंद्र कुमार सेंगर, डीएम विशाख जी, संयुक्त पुलिस आयुक्त लॉ एंड आर्डर बबलू कुमार और डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव मौके पर पहुंचे। देर रात तक राहत कार्य जारी रहा। पुलिस के मुताबिक हरदोई से लखनऊ आ रही कैसरबाग डिपो की बस में 44 सवारियां थी। गोला कुआं के पास से सड़क मरम्मतीकरण के साथ पेड़ भी लगाए जा रहे थे। पेड़ में टैंकर से पानी डाला जा रहा था। इसी बीच हरदोई से आ रही रोडवेज बस टैंकर को बचाने के चक्कर में टकरा गई। इसके बाद पांच बाइक सवारों को ठोकर मारते हुए पास 45 फीट खंदक में जा गिरी। हादसे में सभी सवारियां, चालक व कंडक्टर घायल हो गए। सूचना मिलते ही मलिहाबाद, दुबग्गा, काकोरी, ठाकुरगंज समेत आसपास के थानों की पुलिस बुला ली गई। बस में फंसी सवारियों को निकालने का काम शुरू कर दिया गया। डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव भी अपनी टीम के साथ पहुंचे। डीसीपी के मुताबिक अग्निशमन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंच गई थी। लोगों को बस से बाहर निकाला जा रहा था। हादसे में पांच की मौत हो गई, जबकि तीन की हालत गंभीर है।

काकोरी में हादसा

- गोला कुआं के पास हुई घटना, 20 घायलों में से 3 की हालत नाजुक
- केजीएमयू के ट्रामा सेंटर में घायलों का किया जा रहा इलाज

काकोरी में घटनास्थल पर बचाव कार्य में लगे लोग। मौके पर पहुंचे पुलिस कमिश्नर, मंडलायुक्त व डीएम आपस में वार्ता करते हुए।

इनकी हुई मौत

1- दिलशाद, निवासी बुधडिया काकोरी, लखनऊ।
2- बाबूराम निवासी सुनगढ़ी स्थित पिपरा, पीलीभीत।
3- नरदेव, निवासी मथुरा।
4- संजीव कुमार, निवासी रायपुर जगवन इसौली बदायूं।
5- जगदीश, पीलीभीत।

> काकोरी के गोला कुआं में बस हादसे के बाद बचाव कार्य किया जा रहा है। अभी तक पांच लोगों के मौत की सूचना है। दर्जन भर से अधिक लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों को सीएचसी और ट्रामा सेंटर भेजा गया है। **-अमरेंद्र कुमार सेंगर, पुलिस कमिश्नर लखनऊ।**

भारत-मॉरीशस पार्टनर नहीं, परिवार

दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय बातचीत में कई अहम मुद्दों पर बनी सहमति

- मोदी और मॉरीशस के प्रधानमंत्री रामगुलाम का काशी में भव्य स्वागत
- नवीन चंद्र रामगुलाम ने काशी को बताया-मानवता के लिए प्रेरणा स्रोत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/वाराणसी

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को वाराणसी में मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीन चंद्र रामगुलाम का आत्मीय स्वागत करते हुए भारत-मॉरीशस संबंधों को पार्टनरशिप नहीं, पारिवारिक संबंध बताया। दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच हुई द्विपक्षीय वार्ता में विकास, तकनीकी सहयोग, संस्कृति, शिक्षा, स्वास्थ्य और समुद्री सुरक्षा सहित कई अहम मुद्दों पर सहमति बनी।

काशी के ऐतिहासिक और आध्यात्मिक वातावरण में आयोजित इस मुलाकात को भारत-मॉरीशस रिश्तों में एक नए अध्याय की शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है। द्विपक्षीय चर्चा के बाद दोनों नेताओं ने साझा बयान में कहा कि भारत और मॉरीशस के संबंध केवल कूटनीतिक नहीं, भावनात्मक और सांस्कृतिक आधार पर बने हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मॉरीशस हिंद महासागर में भारत का स्वाभाविक साझेदार नहीं, विश्वासपात्र परिवार का हिस्सा है। वार्ता के दौरान भारत और मॉरीशस ने शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य तकनीक, डिजिटल गवर्नेंस और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ाने के लिए कई अहम प्रस्तावों पर सहमति जताई। साझा समुद्री निगरानी तंत्र, डिजिटल यूनिवर्सिटी की स्थापना और योग प्रशिक्षण केंद्र को लेकर कार्ययोजना पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत की 'एक्ट ईस्ट' और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की नीति में मॉरीशस की भूमिका अहम है। हम हिंद महासागर क्षेत्र को शांति और समृद्धि का क्षेत्र बनाना चाहते हैं और मॉरीशस इसमें अग्रणी भूमिका निभा रहा है। मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीन चंद्र रामगुलाम ने प्रधानमंत्री मोदी का धन्यवाद करते हुए कहा कि भारत हर संकट में हमारे साथ खड़ा रहा चाहे कोविड वैक्सीन हो या डिजिटल ट्रांजिशन। द्विपक्षीय वार्ता के बाद मॉरीशस के प्रधानमंत्री ने काशी विश्वनाथ धाम जाकर पूजा-अर्चना की और गंगा आरती में भाग लिया। कहा कि काशी सिर्फ भारत की सांस्कृतिक राजधानी नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

वाराणसी में गुरुवार को द्विपक्षीय बैठक के दौरान अपने मॉरीशस समकक्ष नवीनचंद्र रामगुलाम से हाथ मिलाते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी।

नई काशी में मोदी का अभिनंदन : योगी

लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी, दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक समेत भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने किया। मुख्यमंत्री योगी ने अपने एक्स अकाउंट पर किए पोस्ट में लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अध्यात्म व आधुनिकता के संगम उनकी नई काशी में हार्दिक स्वागत व अभिनंदन।

रोड शो में उमड़ा जनसैलाब

वाराणसी में दोनों प्रधानमंत्रियों का रोड शो भी आकर्षण का केंद्र रहा। सड़कों पर खड़े हज़ारों लोगों ने दोनों नेताओं का शंखनाद, पुष्पवर्षा और भारत–मॉरीशस के झंडों के साथ स्वागत किया। रोड शो में पारंपरिक लोकनृत्य, शहनाई और भव्य झांकियां थीं। मोदी के स्वागत में भाजपा कार्यकर्ता जीएसटी सुधार, विकसित भारत और विश्वगुरु भारत जैसे नारों की तख्तियां लिए हुए थे।

भारत-मॉरीशस सहयोग के प्रमुख बिंदु

- शिक्षा और स्किलिंग में साझा संस्थान
- समुद्री सुरक्षा पर संयुक्त निगरानी
- योग और संस्कृति के प्रचार हेतु केंद्र
- डिजिटल गवर्नेंस और हैल्थटेक में सहयोग

आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़, 5 संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

हमले की साजिश नाकाम

- दिल्ली पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों का कई राज्यों में छापा

दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ और केंद्रीय एजेंसियों द्वारा कई राज्यों में समन्वित छापेमारी के बाद पाकिस्तान स्थित एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया गया और पांच संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया। एक अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि यह मॉड्यूल देश में बड़ा हमला करने की योजना बना रहा था।

अधिकारी ने बताया कि इस मॉड्यूल के मास्टरमाइंड की पहचान अशर दानिश के रूप में हुई है और उसे झारखंड के रांची से गिरफ्तार किया गया, जबकि दो संदिग्धों - मुंबई निवासी आफताब और सूफियान को मंगलवार को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि मुजपा को तेलंगाना से गिरफ्तार किया गया, जबकि एक और आतंकवादी कामरान को भी गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने बताया कि मॉड्यूल का सरगना दानिश, सीईओ, गजबा और प्रोफेसर जैसे विभिन्न नामों से जाना जाता था। अधिकारी ने बताया कि यह छापेमारी खुफिया जानकारी मिलने के बाद की गई, जिसमें संकेत मिला था कि एक मॉड्यूल देश में बड़े आतंकवादी हमले की योजना बना रहा है। हम पिछले छह महीने से उन पर नजर रख रहे थे।

उन्होने बताया कि कई स्थानों पर तलाशी के दौरान बड़ी मात्रा में रसायन, बॉल बेयरिंग और इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बनाने में प्रयुक्त अन्य सामग्री बरामद की गई। पुलिस दलों ने आईईडी बनाने में इस्तेमाल होने वाले पुर्जे और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए हैं। सोडियम बाइकार्बोनेट समेत कई रसायन, गैस मास्क, बिजली के केबल, फ्यूज प्वाइंट, तार और अन्य बिजली के उपकरण जब्त किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि रांची में दानिश के ठिकाने पर छापेमारी में रसायन और अन्य सामग्री बरामद हुई, जिनका इस्तेमाल विस्फोटक बनाने में होने का संदेह है।

कोर्ट ने पूछा : राज्यपाल कर्तव्य में विफल हों तो क्या चुप रहा जाए

नई दिल्ली, एजेंसी

- राष्ट्रपति के रिफरेंश मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सुरक्षित रखा अपना फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को विधेयकों को मंजूरी देने के संबंध में राष्ट्रपति के संदर्भ पर फैसला सुरक्षित रखते हुए पूछा कि यदि राज्यपाल जैसे संवैधानिक पदाधिकारी अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने में विफल रहते हैं तो क्या वह निष्क्रिय बैठ सकता है।

प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ ने 10 दिन तक चली मैराथन सुनवाई में राष्ट्रपति के संदर्भ पर अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, अभिषेक सिंघवी, गोपाल सुब्रमण्यम, अरविंद दातार और अन्य सहित कानूनी दिग्गजों की दलीलें सुनीं। यह अनुच्छेद 200 और 201 के आसपास केंद्रित था और मुख्य मुद्दा यह था कि क्या संवैधानिक न्यायालय राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए विधेयकों को मंजूरी देने के लिए समयसीमा निर्धारित कर सकता है। पीठ में न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रमनाथ, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर भी शामिल थे। पीठ ने दलीलों के अंतिम दिन मेहता को उस समय टोका जब उन्होंने शक्तियों के पृथक्करण को संविधान की मूल संरचनाओं में से एक बताया और कहा कि न्यायालय को समय सीमा तय नहीं करनी चाहिए और राज्यपालों की विवेकाधीन शक्तियों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। प्रधान न्यायालयधीश ने कहा कि कोई भी व्यक्ति चाहे कितने भी ऊंचे पद पर क्यों न हो, संविधान के संरक्षक (सुप्रीम कोर्ट का संदर्भ) के रूप में... मैं सार्वजनिक रूप से कहता हूं कि मैं शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत में दृढ़ विश्वास रखता हूं और यद्यपि न्यायिक सक्रियता होनी चाहिए, लेकिन न्यायिक अतिवाद या दुस्साहस नहीं होना चाहिए। लेकिन साथ ही, यदि लोकतंत्र का एक पक्ष अपने कर्तव्य का निर्वहन करने में विफल रहता है, तो क्या संविधान का संरक्षक शक्तिहीन होकर निष्क्रिय बैठा रहेगा?

आजमगढ़ के जिला समाज कल्याण अधिकारी ने फंदा लगाकर दी जान

प्रतापगढ़/आजमगढ़। आजमगढ़ में तैनात जिला समाज कल्याण अधिकारी ने खुदकुशी कर ली है। उनका शव कमरे में फंदे से लटकता मिला। पत्नी मायके में हैं। दोनों के बीच आपसी विवाद की बात सामने आ रही है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। नगर कोतवाली क्षेत्र के पूरे केशवराय गांव निवासी आशीष सिंह(40) पुत्र राम बहादुर सिंह आजमगढ़ में जिला समाज कल्याण अधिकारी थे। उन्होंने गुरुवार को अपने घर के कमरे में फंदा लगाकर जान दे दी। पत्नी क्षमता सिंह सुल्तानपुर जिले में अपने मायके में हैं। प्रथम दृष्टया पत्नी से फोन पर विवाद की बात सामने आ रही है। उनका तीन वर्ष का एक बेटा भी है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसपी डा.अनिल कुमार ने बताया कि घटना की वजह घरेलू कलह बताई जा रही है।

रेड टेप ग्रुप पर आयकर विभाग की छापेमारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- नोएडा, ग्रेटर नोएडा और कानपुर में विभाग की बड़ी कार्रवाई

अमृत विचार : जूता और परिधान निर्माता कंपनी रेड टेप के खिलाफ आय कर विभाग ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई की। विभाग की टीमों ने नोएडा, ग्रेटर नोएडा और कानपुर में एक साथ छापेमारी शुरू की। यह कदम टैक्स चोरी, अनअकाउंटेड लेन-देन, और बेनामी संपत्तियों की पुख्ता जानकारी के आधार पर उठाया गया है। छापेमारी का मुख्य केंद्र नोएडा का सेक्टर-44 स्थित स्टेलर अपार्टमेंट्स रहा। जहां सुबह से शाम तक इनकम टैक्स की टीमें डेरा डाले हुए हैं। यहीं पर कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी का आवास भी है। आयकर विभाग के अधिकारी यहां से महत्वपूर्ण दस्तावेजों, डिजिटल डेटा और वित्तीय रिकॉर्ड की बारीकी से जांच कर रहे हैं। लखनऊ आयकर मुख्यालय के सूत्रों के अनुसार, आय कर विभाग को रेड टेप समूह द्वारा आय छिपाने, बड़े स्तर पर नकद लेन-देन, और अघोषित विदेशी निवेश से जुड़ी जानकारियां मिली थीं। इसके बाद ही विभाग ने व्यापक स्तर पर सिंक्रोनाइज्ड सर्च ऑपरेशन की योजना बनाई और तीनों शहरों में एक साथ कार्रवाई की गई। नोएडा, ग्रेटर नोएडा में कंपनी के एक वियरहाउस और ऑफिस परिसर में छापेमारी चल रही है। कानपुर स्थित कंपनी का मुख्यालय व मालिकों के आवासीय और व्यावसायिक परिसर भी आय कर जांच के घेरे में हैं। कानपुर में कंपनी के वित्तीय लेन-देन से जुड़े कई पुराने रिकॉर्ड भी खंगाले जा रहे हैं। रेड टेप कंपनी के खिलाफ आय कर विभाग की यह कार्रवाई केवल टैक्स चोरी तक सीमित नहीं मानी जा रही, बल्कि इसमें बेनामी संपत्तियों की खरीद, फर्जी कंपनियों के ज़रिए पैसा इधर-उधर करने, और विदेशी निवेश की गड़बड़ियों को लेकर भी जांच चल रही है।

नेपाल संकट

जेन जी समूह ने की संसद भंग करने और संविधान में संशोधन की मांग, वहीं प्रदर्शनों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 34 हो गई है

जेन जी में पड़ी फूट, नेपाल में अंतरिम प्रधानमंत्री पर फंसा पेच

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल में सरकार विरोधी प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रहे 'जेन जी' समूह में अंतरिम सरकार के गठन और प्रधानमंत्री पद को लेकर फूट पड़ गई है। केपी शर्मा ओली के मंगलवार को इस्तीफा देने के बाद से प्रधानमंत्री पद खाली पड़ा है। काठमांडू के मेयर और रैपर बलेंद्र शाह बालेन, पूर्व चीफ जस्टिस सुशीला कार्की और बिजली बोर्ड के पूर्व प्रमुख कुलमान घिसिंग के नाम प्रधानमंत्री पद के लिए प्रमुखता से सामने आए हैं लेकिन अभी अंतिम फैसला नहीं हो सका है।

बालेन और सुशीला कार्की के समर्थकों के बीच झड़पों की बात सामने आई है। उधर, जेन जी समूह ने गुरुवार को कहा कि संसद को भंग किया जाना चाहिए और लोगों की इच्छा को प्रतिबिंबित करने के लिए संविधान में संशोधन किया जाना चाहिए। वहीं, प्रदर्शनों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 34 हो गई है। प्रदर्शनकारियों ने अपने विचार व्यक्त करने के लिए यहां एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया, जबकि उनके कुछ प्रतिनिधि वर्तमान संकट का समाधान खोजने के लिए सेना मुख्यालय में राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और सेना प्रमुख अशोक राज के साथ व्यस्त थे। इस अवसर पर 'जेन जी' कार्यकर्ताओं ने बातचीत और सहयोग के माध्यम से समाधान खोजने की आवश्यकता पर बल दिया। 'जेन जी' समूह के प्रतिनिधि दिवाकर दंगल ने कहा कि हमारे सामने राष्ट्रीय संप्रभुता, एकता की रक्षा और आत्म-सम्मान बनाए रखने की चुनौती है।

काठमांडू हवाई अड्डे को फिर से खोल दिया गया, लोग अपने सामान के साथ वहां इंतजार कर रहे हैं।

पीएम पद की रेस में कार्की और घीसिंग का नाम आगे

कुछ कार्यकर्ताओं ने नए प्रधानमंत्री पद के लिए पूर्व प्रधान न्यायाधीश सुशीला कार्की का समर्थन किया, जबकि अन्य ने नेपाल विद्युत प्राधिकरण के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) कुलमन घीसिंग का समर्थन किया। एक अन्य कार्यकर्ता ने कहा कि उनका देश का नेतृत्व संभालने का कोई इरादा नहीं है, बल्कि वे सिर्फ़ एक प्रहरी बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हम सरकार में भाग नहीं लेंगे, बल्कि एक प्रहरी बने रहना चाहते हैं।

मौजूदा संकट का समाधान खोजने के प्रयास जारी : पौडेल

काठमांडू। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने गुरुवार को सभी पक्षों से शांति बनाए रखने में सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि वह संवैधानिक ढांचे के भीतर मौजूदा राजनीतिक हालात का समाधान खोजने का प्रयास कर रहे हैं। यह पहली बार है जब राष्ट्रपति ने देश में मौजूदा उथल-पुथल के बारे में बात की है। मंगलवार को 'जेन ज़ी' के प्रदर्शनकारी समूहों द्वारा राष्ट्रपति कार्यालय और उनके निजी आवास पर आगजनी के बाद से उन्हें सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया। पौडेल वर्तमान में सैन्य सुरक्षा में हैं। उन्होंने लोगों और सभी हितधारकों से इस गंभीर हालात में धैर्य रखने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में मदद करने का आग्रह किया। राष्ट्रपति पौडेल ने कहा कि मैं कानून-व्यवस्था बनाए रखने, लोकतंत्र की रक्षा करने और संवैधानिक ढांचे के भीतर मौजूदा राजनीतिक गतिरोध से बाहर निकलने का हरसंभव प्रयास कर रहा हूं। उन्होंने सभी पक्षों से समस्या का जल्द से जल्द समाधान निकालने के उनके प्रयासों में विश्वास दिखाने का आह्वान किया।

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 12 सितंबर 2025

निर्यात को रफ्तार देगी प्रदेश सरकार की नई प्रोत्साहन नीति

निर्यातकों के लिए बढ़ीं सुविधाएं और अनुदान, खर्च पर 75 फीसद तक मिलेगी धनराशि

प्रशांत सक्सेना, लखनऊ

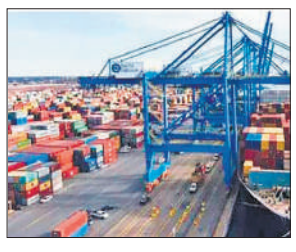

अमृत विचार : उप्र निर्यात प्रोत्साहन नीति 2025-30 निर्यात को और रफ्तार देगी। लागू नई नीति में विपणन विकास सहायता योजना (एमडीए) के तहत उत्पाद पर दिया जाने वाला वार्षिक खर्च 16.50 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये किया गया है।

निर्यातकों को देश-विदेश में उत्पाद के स्टॉल, फेयर या डेमो करने पर जो खर्च आएगा, उसका 75 फीसद अनुदान (उपादान) मिलेगा। यह धनराशि अधिकतम 7,500 रुपये तक होगी। निर्यातकों को फायदा पहुंचाने के लिए उत्पाद की सैंपलिंग, परिवहन लागत, बाजार विकास, जीआई प्रमाणन, प्रचार आदि पर जो खर्च आएगा, उस पर 75 फीसद तक वित्तीय सहायता मिलेगी। इससे पहले उप्र निर्यात प्रोत्साहन नीति 2020-25 में अनुदान 50-60 फीसद तक ही मिलता था। इसके अलावा नई नीति में ऑन बोर्डिंग कास्ट यानी निर्यात की शुरुआत करने में पंजीयन, कागजी प्रक्रिया समेत जो भी शुल्क लगेगा, उस पर अधिकतम तीन लाख रुपये (75 फीसद) धनराशि सिर्फ एक बार दी जाएगी। पिछले नीति और निर्यात में आने वाली समस्याओं को देखते हुए कई बदलाव किए गए हैं।

निर्यातकों को ये मिलेंगे फायदे

- इंफ्रास्ट्रक्चर यानी प्रोजेक्ट का अधिकतम 10 करोड़ (40 फीसद)
- बीमा के प्रीमियम पर अधिकतम पांच लाख रुपये (30 फीसद)
- बेहतर परफार्मेंस में गेटवे पर अधिकतम 20 लाख (एक फीसद)
- डाक से पोस्ट करने पर अधिकतम 1 लाख रुपये (75 फीसद)

छोटे निर्यातकों को भी मिलेगी राहत

नवीन निर्यात नीति में छोटे निर्यातकों का विशेष ध्यान रखा गया है। जो अब जितना उत्पाद कंटेनर से भेजेंगे, उन्हें भी बड़े निर्यातकों की तरह शिपिंग शुल्क में राहत मिलेगी। इसके अलावा ओडीओपी से जो उत्पाद आच्छादित नहीं होते हैं लेकिन उनके निर्यात की संभावना अधिक होने पर 15 करोड़ तक की सीएफसी की स्थापना के लिए सहायता दी जाएगी।

50 बिलियन अमेरिकी डॉलर का लक्ष्य

प्रदेश के निर्यात को वित्तीय वर्ष 2024 में 21 बिलियन अमेरिकी डॉलर के स्तर से बढ़ाकर वर्ष 2030 में 50 बिलियन डॉलर के स्तर को प्राप्त करना सरकार का मकसद है। इसे बढ़ाने के लिए ई-कॉमर्स, डिजिटल मार्केटिंग, डिजिटल कैटलॉगिंग, सोशल मीडिया मार्केटिंग पर होने वाले व्यय को नई प्रति में प्राथमिकता दी गई है।

त्योहारों से पहले हो जाएगी बदहाल सड़कों की मरम्मत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : फेस्टिवल सीजन से पहले उत्तर प्रदेश की बदहाल सड़कों को दुरुस्त करने का काम शुरू हो गया है और उम्मीद की जा रही है कि दीपावली से पहले सड़कों की सूरत बदल जाएगी।

दरअसल, पीडब्ल्यूडी ने सड़कों के गड्ढे भरने की कवायद तेज कर रखी है। दीपावली से पहले 50 हजार किलोमीटर लंबी सड़कों को गड्ढामुक्त कर दिया जाएगा। इसके लिए सरकार ने 400 करोड़ रुपये की धनराशि की व्यवस्था भी कर दी है। दरअसल, इस बार जोरदार बारिश से सड़कों की हालत बदहाल हो गई है। ऐसे में प्रदेश में दुर्गा पूजा मार्ग 22 सितंबर से पहले चाकचौबंद करने के निर्देश हैं। लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत करीब 1.22 लाख सड़कें हैं, जिनकी कुल लंबाई 2.70 लाख किमी है। तमाम मंडलों से सामने आई रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 50 हजार किमी सड़कों में गड्ढे हैं, जिन्हें दमकाया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

अब ऑटोमेटेड फैट एनालाइजर से जांच

अमृत विचार, लखनऊ : खाद्य पदार्थों में मिलावट की बढ़ती समस्याओं को लेकर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसटीए) ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। प्रशासन अब सात ऑटोमेटेड फैट एनालाइजर खरीदेगा, जिनकी मदद से खाद्य पदार्थों में वसा की सटीक और तेज जांच की जा सकेगी। इसके लिए राज्य सरकार ने 68 लाख 60 हजार का बजट स्वीकृत कर दिया है। एफएसडीए के प्रमुख सचिव रंजन कुमार ने बताया कि खरीदे जाने वाले ऑटोमेटेड फैट एनालाइजर राजकीय जन विशलेषक प्रयोगशालाओं में लगेंगे, जिसके बाद जांच प्रक्रिया को गति मिलेगी।

दो अधिकारी निलंबित

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश सरकार ने राजस्व हानि और रिश्वतखोरी में राज्य कर के दो वरिष्ठ अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की है। अपर आयुक्त ग्रेड-दो (अपील) पंचम कानपुर अरुण शंकर राय और सहायक आयुक्त राज्य कर खंड-एक रामपुर सतीश कुमार को गुरुवार को निलंबित कर दिया गया।

ओरिएंटेशन वर्कशॉप का समापन

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन का नौ दिवसीय ओरिएंटेशन वर्कशॉप गुरुवार को सम्पन्न हो गया। यह वर्कशॉप 25 अगस्त से शुरु हुआ था। कार्यशाला में 25 इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग पार्टनर और 162 निजी प्रशिक्षण प्रदाता शामिल हुए। मिशन निदेशक पुलकित खरे ने बताया कि प्रत्येक प्रशिक्षण बैच का उद्घाटन स्थानीय विधायक द्वारा किया जाना अनिवार्य होगा, तभी उसे मान्यता प्राप्त होगी। साथ ही, प्रशिक्षणार्थियों के अभिभावकों को भी कौशल प्रशिक्षण की प्रक्रिया और उससे होने वाले संभावित लाभों की जानकारी दी जाएगी। इसके लिए अभिभावक दिवस की अवधारणा शामिल की गई है।

पुलिस की पिटाई से भाजपा कार्यकर्ता की मौत, छह निलंबित

जांच रिपोर्ट आने के बाद डीजीपी के निर्देश पर हुई कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गाजीपुर के नोनहरा थाने का मामला, पांच पुलिसकर्मी किए गए लाइन हाजिर

अमृत विचार : गाजीपुर के नोनहरा थाना क्षेत्र में पुलिस की पिटाई से भाजपा कार्यकर्ता सियाराम उपाध्याय की मौत हो गई। इस मामले में डीजीपी राजीव कृष्ण के निर्देश पर हुई जांच की प्राथमिक रिपोर्ट आने के बाद इंस्पेक्टर नोनहरा वेंकटेश तिवारी समेत छह पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया। पांच पुलिसकर्मियों को भी लाइन हाजिर किया गया। एसपी ईरज राजा ने मामले की मजिस्ट्रियल जांच के लिए डीएम अविनाश कुमार को पत्र लिखा है। डीएम ने पत्र के आधार पर जांच कमेटी गठित कर दी है। वीडियोग्राफी के साथ तीन डॉक्टरों के पैनल ने शव का पोस्टमार्टम किया।

नोनहरा थाना परिसर में मंगलवार की रात भाजपा कार्यकर्ता धरना दे रहे थे। पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। जिसमें रुकुंदीपुर निवासी भाजपा कार्यकर्ता सियाराम उपाध्याय उर्फ जोखू गंभीर रूप से घायल हो गये। घायल सियाराम की गुरुवार तड़के तीन मौत हो गई। कार्यकर्ता की मौत की सूचना मिलते ही पूर्व जिलाध्यक्ष बिजेंद्र सिंह समेत कई लोग रुकुंदीपुर पहुंच गये। गांव में भीड़ जुटने लगी। जानकारी होने पर पुलिस टीम तैनात कर दी गई। जानकारी होने पर एसपी डॉ. ईरज राजा ने खुद मोर्चा संभाला। परिजन से बातचीत की। परिजन ने दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई व न्याय की गुहार लगाई। परिजन की तहरीर पर सभी मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

निलंबित पुलिसकर्मी

- इंस्पेक्टर नोनहरा वेंकटेश तिवारी
- एसआई अवधेश कुमार राय
- हेड कांस्टेबल नागेंद्र सिंह यादव
- कांस्टेबल धीरज सिंह
- कांस्टेबल अभिषेक पांडेय
- कांस्टेबल राकेश कुमार

ये हुए लाइन हाजिर

- एसआई कमलेश गुप्ता
- एसआई जुल्फिकार अली
- कांस्टेबल मुलायम सिंह
- कांस्टेबल राघवेंद्र मिश्र
- कांस्टेबल राजेश कुमार

कर्ता के प्रति कृतज्ञता धर्म का पहला संस्कार: योगी

महंत दिग्विजयनाथ व अवेद्यनाथ की पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि समारोह का समापन

गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में महंत दिग्विजयनाथ एवं अवेद्यनाथ महाराज के पुण्यतिथि समारोह के अवसर पर उपस्थित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कर्ता के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना सनातन धर्म का पहला संस्कार है। यह विचार उन्होंने युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की 56वीं और राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की 11वीं पुण्यतिथि पर आयोजित साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह के समापन पर गुरुवार को व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने रामायणकालीन हनुमानजी और मैनाक पर्वत के संवाद 'कृते च कर्तव्यम एषः धर्म सनातनः' का उदाहरण देते हुए कहा कि सनातन परंपरा में पूर्वजों और गुरुओं के प्रति कृतज्ञता का भाव सर्वोपरि है। गोरक्षपीठ में महंतद्वय की पुण्य स्मृति में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम इसी भाव का प्रतीक है। मुख्यमंत्री योगी ने महंतद्वय के शिक्षा, सेवा और राष्ट्रीयता के क्षेत्र में योगदान को याद किया। महंत दिग्विजयनाथ ने 1932 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना कर शिक्षा के नए आयाम खोले और महंत अवेद्यनाथ ने इसे आगे बढ़ाया। मुख्यमंत्री ने अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण में महंतद्वय के योगदान का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि महंत अवेद्यनाथ समाज में समानता और सामाजिक समरसता बनाए रखने में जीवनभर लगे रहे और अस्पृश्यता के खिलाफ आवाज उठाई।

नेपाल से सटे सात जिले संवेदनशील घोषित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- दो-दो कंपनी पीएसी के अलावा अतिरिक्त फोर्स भी तैनात

अमृत विचार : प्रदेश की योगी सरकार ने नेपाल से सटे सभी जिलों को संवेदनशील घोषित किया है। ऐसे सात जिले हैं, जहां दो-दो कंपनी पीएसी तैनात करने के अलावा अतिरिक्त फोर्स भी लगाई गई है। महराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी और पीलीभीत जिले में सशस्त्र सीमा बल यानी एसएसबी, पुलिस और खुफिया एजेंसियों को उच्च स्तर की सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने सुरक्षा तंत्र को 24 घंटे अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं। वहीं, तमाम ट्रांजिट प्वाइंट पर एसएसबी के अफसर भी तैनात हैं। इस बीच नेपाल के मौजूदा राजनीतिक हालात के बीच वहां की जेलों से फरार 12 कैदियों को एसएसबी और यूपी पुलिस ने विभिन्न बॉर्डर से गिरफ्तार किया है। इस संबंध में आईबी के माध्यम से एसएसबी ने गृह मंत्रालय से गाइडलाइन भी मांगी है। आईबी ने इसकी सूचना उप्र. पुलिस महानिदेशक कार्यालय और मुख्यमंत्री कार्यालय को भी भेजी है। यूपी के पर्यटक अब भी नेपाल में फंसे हुए हैं। इनमें कानपुर के गोविंद नगर के रहने वाले अमनदीप और सौरभ हैं। अयोध्या के भी वहां फंसे लोगों के बारे में गोसाईगंज विधायक अभय सिंह ने पीएम कार्यालय को पत्र लिखकर जानकारी दी है। झांसी से नेपाल गए चार युवकों को वहां सेना ने सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया है। नेपाल हिंसा का प्रभाव उत्तराखंड और यूपी की परिवहन सेवाओं पर भी पड़ा है।

सारिका बनीं वेतन आयोग समिति की अध्यक्ष

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने वेतन आयोग समिति में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। शासन ने शाहिद मंजर अब्बास रिजवी की सेवानिवृत्ति के बाद सारिका मोहन, सचिव, वित्त को समिति का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। समिति के अन्य सदस्यों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार की ओर से जारी संशोधित आदेश के अनुसार, समिति के अन्य सदस्य यथावत रखे गए हैं। इनमें दो सदस्य पंकज कुमार, विशेष सचिव, वित्त और संबंधित व्यय नियंत्रण अनुभाग के विशेष सचिव कार्य करते रहेंगे। यह संशोधन मूल रूप से 20 जुलाई, 2022 को जारी शासनादेश में किया गया है।

घोटाले का आरोपी बैंक मैनेजर पटना से गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- 2007-08 में सोनभद्र के किसानों के लिए भेजी गई थी राहत राशि

अमृत विचार : आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) की टीम ने सूखा राहत अनुदान में घोटाला करने वाले बैंक मैनेजर को पटना स्थित इंडियन बैंक से गुरुवार की दोपहर गिरफ्तार किया है। यह धनराशि प्रदेश सरकार ने 2007-08 में सूखा अनुदान योजना के तहत सोनभद्र के घोरावल तहसील के किसानों के लिए भेजी थी। इस मामले में 2010 में घोरावल थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी।

ईओडब्ल्यू के अधिकारी के मुताबिक, आरोपियों ने यह भुगतान 16 चेक के माध्यम से किया गया था। जिस पर तहसीलदार के फर्जी दस्तखत किये गये थे। विभागीय जांच में तत्कालीन कानूनगो, इलाहाबाद बैंक के मैनेजर समेत चार लोगों की संलिप्तता पाई गई थी। ईओडब्ल्यू ने इस मामले में तीन लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी थी, जबकि बैंक मैनेजर की तलाश की जा रही थी। आरोपी को भ्रष्टाचार निवारण कोर्ट वाराणसी में पेश किया गया। जहां से जेल भेज दिया गया है। गिरफ्तार बैंक मैनेजर विजेंद्र चौधरी बिहार के पटना स्थित दीघा घाट का रहने वाला है।

वक्फ बोर्ड के सीईओ को कानूनी नोटिस

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश शिया सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड लखनऊ के मुख्य कार्यपालक अधिकारी जीशान रिजवी और वक्फ कब्रिस्तान ऊंचाहार रायबरेली की सचिव तबस्सुम नकवी, वक्फ के किरायेदार मोहम्मद शहाब नकवी व पुत्री सैय्यद मुस्तुफा हुसैन को सिविल प्रक्रिया संहिता तथा भारतीय न्याय संहिता- 2023 की धारा-356 (1) के तहत मानहानि के सम्बन्ध में उच्च न्यायालय इलाहाबाद की वरिष्ठ अधिवक्ता फातिमा अंजुम ने कानूनी नोटिस दिया है। इस नोटिस में चेतावनी दी गई है कि यदि संबन्धित दोषियों ने अल्लामा ज़मीर नकवी से 15 दिन के अंदर सार्वजनिक रूप से माफी मांग कर खेद प्रकट नहीं किया तो मानहानि और सिविल प्रक्रिया के तहत हर्जाने के लिये दीवानी मुकदमा होगा।

पुरानी पेंशन पर राहुल का आश्वासन

कांग्रेस नेता से रायबरेली मिलने पहुंचा इप्सेफ का प्रतिनिधिमंडल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

राहुल गांधी से मुलाकात कर समस्या बताता इप्सेफ का प्रतिनिधिमंडल।

अमृत विचार : नेता विरोधी दल एवं सांसद राहुल गांधी ने देशभर के कर्मचारियों की कठिनाइयों एवं समस्याओं को दूर कराने का वादा किया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के संघर्ष में पूरा सहयोग किया है और करते भी रहेंगे। राहुल गांधी ने यह अश्वासन गुरुवार को रायबरेली में मुलाकात करने आए इंडियन पब्लिक सर्विस इंप्लाइज फेडरेशन (इप्सेफ) के 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को दिया।

यह जानकारी इप्सेफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीपी मिश्र ने दी। उन्होंने बताया कि एनटीपी गेस्ट हाउस में प्रतिनिधिमंडल ने राहुल गांधी को अवगत कराया कि इप्सेफ की मांगों पर केंद्र सरकार ने आठवें वेतन आयोग की घोषणा तो कर दी, परंतु इसका गठन न होने से इसका लाभ 1 जनवरी, 2026 से मिल पाना संदिग्ध लगता है। 50 प्रतिशत से ज्यादा डीए हो जाने पर 50 प्रतिशत डीए मर्जर भी केंद्र सरकार ने नहीं किया है। पुरानी पेंशन को बहाल करने का वादा तो किया था, परंतु अभी तक बहाली नहीं की गई। उप महासचिव अतुल मिश्र ने बताया कि राहुल गांधी ने आश्वासन देते हुए कहा कि जहां उनके दल की सरकार है, वहां के मुख्यमंत्री से कहेंगे कि कर्मचारी संगठनों से मिलकर बातचीत करके कर्मचारियों की समस्याओं का निवारण करें।

केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत से मिलता आईआईए का प्रतिनिधिमंडल।

वाराणसी में होगा अंतरराष्ट्रीय टूरिज्म एक्सपो

अमृत विचार, लखनऊ : देश की सांस्कृतिक राजधानी वाराणसी में आगामी दिसंबर माह में इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) की ओर से आयोजित किए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय टूरिज्म व हॉस्पिटैलिटी एक्सपो की शुरुआत केंद्रीय पर्यटन व संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत करेंगे। आईआईए के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश गोयल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को मंत्री से उनके दिल्ली स्थित आवास पर भेंट कर उन्हें इस एक्सपो की शुरुआत के लिए आमंत्रित किया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। प्रतिनिधिमंडल में टूरिज्म एवं हॉस्पिटैलिटी कमेटी के चेयरमैन राहुल मेहता, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य विशारद गौतम व गजेंद्र सिंह शामिल थे।

चुनाव में धांधली की योजना बना रही भाजपा

आगरा, मथुरा व हाथरस के पदाधिकारियों की बैठक में बोले सपा प्रमुख

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

पार्टी मुख्यालय में सपा प्रमुख अखिलेश यादव को सम्मानित करते पदाधिकारी।

अमृत विचार : 2027 चुनाव की तैयारी में अभी से जुट जाने का आह्वान करते हुए सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अपने कार्यकर्ताओं को भाजपा की साजिशों के प्रति सावधान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतंत्र के विरुद्ध चुनावों में धांधली की योजना बनाने की रणनीति पर काम कर रही है। इसलिए प्रत्येक कार्यकर्ता को सक्रिय, सतर्क और सावधान रहना होगा।

पार्टी मुख्यालय में सपा प्रमुख ने गुरुवार को आगरा, मथुरा और हाथरस के पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में आगरा, हाथरस एवं मथुरा के विकास के लिए तमाम योजनाएं शुरू की गई थीं, जो भाजपा सरकार में अब बर्बाद हो गई हैं। सपा का 2027 के चुनावों में इन तीनों जिलों का अलग घोषणा पत्र होगा, जिसमें नई विकास योजनाओं की घोषणा होगी।

जल्द ही दोगुना हो जाएगा सौर बिजली उत्पादन : शर्मा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

संबोधित करते ऊर्जा मंत्री एके शर्मा।

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश की सौर ऊर्जा विद्युत उत्पादन क्षमता में बढ़ोत्तरी करते हुए 2025 में 5157 मेगावाट की क्षमता बढ़ाकर शीघ्र ही क्षमता 10000 मेगावाट हो जायेगी। 2017 तक यह क्षमता मात्र 389 मेगावाट थी। प्रदेश ने अपनी सौर ऊर्जा नीति व जैव ऊर्जा नीति समय से प्रख्यापित करके हरित ऊर्जा के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बन गया।

यह जानकारी साझा करते हुए ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने बताया कि हम सोलर और हाइड्रो पावर के साथ-साथ थर्मल पावर व बायोपावर का उत्पादन बढ़ाने के लिए कार्य कर रहे हैं। ऊर्जा मंत्री गुरुवार को राजधानी लखनऊ के सेंट्रम होटल में पर्यावरण पर आधारित नेट जीरो समिट को सम्बोधित कर रहे थे। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि हम अपने घरों की छतों, कम उपयोगी जमीनों तथा राजमार्गों के किनारे सोलर प्लांट लगवा सकते हैं। इसके लिए राज्य सरकार व केंद्र सरकार द्वारा सब्सिडी भी दी जा रही है।

पेंटिंग प्रतियोगिता 17 से मिलेगा नकद पुरस्कार

अमृत विचार, लखनऊ : पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा-2025 मनाया जाएगा। यह पखवाड़ा, प्रदेश में विकसित भारत की परिकल्पना के साथ मनाया जाएगा। गोमती नगर स्थित पर्यटन भवन में जयवीर सिंह ने बताया कि इस विशेष पखवाड़ा के अंतर्गत सभी जिलों में जनसहभागिता के साथ चित्रकला, प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इस प्रतियोगिता में किसी भी आयु का चित्रकला-कला प्रेमी प्रतिभाग कर सकता है। तीन वर्गों में होने वाली प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार स्वरूप 51 हजार, 21 हजार और 11 हजार रुपये एवं प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जाएगे।

तैयारी | स्टार्टअप, आईटी, हेल्थ और इंश्योरेंस विषय पर विशेषज्ञों की होगी भागीदारी

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो बनेगा ज्ञान और निवेश का महामंच

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- युवाओं और उद्यमियों को मिलेगा लाभ, लुभाएगा खादी फैशन शो

अमृत विचार : प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) 2025 इस बार केवल उत्पाद और निवेश तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि नॉलेज सेशन के जरिए प्रदेश के विकास के नए मार्ग भी प्रदर्शित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए स्टार्टअप, आईटी, मेडिकल हेल्थ, इंश्योरेंस, ई-कॉमर्स और स्किल डेवलपमेंट जैसे विषयों पर विशेषज्ञ अपने अनुभव साझा करेंगे।

इस वर्ष यूपीआईटीएस को ज्ञान और तकनीक का हब बनाने की तैयारी की गई है। 25 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शो का उद्घाटन करेंगे। उसी दिन शाम 3 बजे से रात 8 बजे तक बी2सी विजिटर्स के लिए शो खुला रहेगा। 26 से 29 सितंबर तक प्रतिदिन दोपहर 11 बजे से 3 बजे तक बी2बी और शाम 3 से 8 बजे तक बी2सी मीटिंग्स आयोजित की जाएंगी।

नॉलेज सेशन 26 सितंबर से शुरू होकर 28 सितंबर तक चलेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बार-बार कहा है कि उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी बनाने में ज्ञान, नवाचार और तकनीक की अहम भूमिका होगी। इसी दिशा में आयोजित इन सत्रों और वर्कशॉप्स से स्टार्टअप्स, उद्यमियों और निवेशकों को नए अवसर मिलेंगे।

स्टार्टअप और आईटी सेक्टर पर चर्चा

26 सितंबर को सुबह 11.30 से 12.30 बजे तक एकेटीयू का सत्र होगा, जिसका विषय होगा – "वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी में स्टार्टअप इकोसिस्टम का योगदान।" दोपहर 1 बजे से 2 बजे तक आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स पर केंद्रित यूपी-यूपीएलसी सत्र आयोजित होगा।

स्वास्थ्य और वित्त पर गहन विमर्श

26 सितंबर को मेडिकल हेल्थ वेलफेयर विभाग वायरल हेपेटाइटिस और प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना पर वर्कशॉप करेगा। वहीं आईआरडीएआई और एक्सिस मैक्स लाइफ इंश्योरेंस नॉन-लाइफ एवं हेल्थ इंश्योरेंस पर अवेयरनेस सेशन आयोजित करेंगे। वित्त विभाग और लाइफ इंश्योरेंस पर भी अलग-अलग सत्र होंगे।

शहरी विकास, ई-कॉमर्स और स्किल डेवलपमेंट

27 सितंबर को अर्बन डेवलपमेंट, मेडिकल हेल्थ और ई-कॉमर्स जैसे विषयों पर विशेषज्ञ अनुभव साझा करेंगे। यूनिवर्सिटी एमओयू कार्यक्रम और खादी फैशन शो भी होगा। 28 सितंबर को इंडस्ट्री-एकेडमिया टाईअप फॉर स्किल डेवलपमेंट पर सत्र होगा। 29 सितंबर को समापन अवार्ड्स समारोह के साथ होगा।

नवरात्र की तैयारी

कोलकाता में गुरुवार को दुर्गा पूजा उत्सव से पहले एक कारीगर देवी दुर्गा की मूर्ति को रंगता हुआ। कच्चे माल की बढ़ती कीमतों और मौसम की अनिश्चितता के बावजूद कारीगर अपनी कला और परंपरा के प्रति समर्पित हैं। एजेंसी

खतरनाक जल क्षेत्रों से गुजरेंगी तीनों सेनाओं की महिलाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

पहली महिला जलयात्रा नौकायन अभियान को रक्षामंत्री राजनाथ ने दिखाई हरी झंडी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अगले नौ महीनों में दुनिया के कुछ सबसे खतरनाक जल क्षेत्रों समेत लगभग 26,000 समुद्री मील की दूरी तय करने के लिए तीनों सेनाओं के महिला जलयात्रा अभियान को बृहस्पतिवार को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। नौकायन पोत त्रिवेणी पर सवार दस महिला अधिकारी 'समुद्र प्रदक्षिणा' नामक अभियान का हिस्सा हैं, जिसे दुनिया में इस तरह की पहली त्रि-सेवा यात्रा बताया जा रहा है।

अभियान की शुरुआत मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया से हुई और रक्षा मंत्री ने इसे दिल्ली से ऑनलाइन तरीके से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर अपने संबोधन में सिंह ने इस यात्रा को नारी शक्ति, तीनों सेनाओं की सामूहिक शक्ति, एकता, आत्मनिर्भर भारत और इसकी सैन्य तथा कूटनीतिक दूरदर्शिता का एक उज्ज्वल प्रतीक बताया। रक्षा मंत्रालय ने कहा, 10 महिला अधिकारी अगले नौ महीनों में स्वदेश निर्मित भारतीय सेना के नौकायन पोत (आईएएसवी) त्रिवेणी पर सवार होकर पूर्वी मार्ग पर लगभग 26,000 समुद्री मील की यात्रा करेंगी। इसने कहा, वे भूमध्य रेखा को दो बार पार करेंगी, तीन अंतरीपों - लीउविन, हॉर्न और गुड होप - का चक्कर लगाएंगी और सभी प्रमुख महासागरों और दक्षिणी महासागर तथा 'ड्रेक पैसेज' समेत कुछ सबसे खतरनाक जलक्षेत्रों को पार करेंगी। मई 2026 में मुंबई लौटने से पहले यह दल चार अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों का भी दौरा करेगा। 'ड्रेक पैसेज' को दुनिया के सबसे जोखिमयुक्त जलमार्गों में से एक माना जाता है।

सशस्त्र बलों की महिला अधिकारी विश्व भ्रमण अभियान के लिए भारतीय सेना के नौकायन पोत (आईएएसवी) त्रिवेणी पर सवार होकर मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया से निकलीं।

अनेक चुनौतियों का करना पड़ेगा सामना

रक्षा मंत्री ने 'समुद्र प्रदक्षिणा' को केवल एक जहाज पर की गई यात्रा ही नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक साधना और अनुशासन एवं दृढ़ संकल्प की यात्रा भी बताया। उन्होंने कहा, अभियान के दौरान, हमारे अधिकारियों को अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन उनके दृढ़ संकल्प की लौ अंधकार को चीरती हुई आगे बढ़ेगी। वे सुरक्षित घर लौटकर विश्व को दिखाएंगी कि भारतीय महिलाओं का पराक्रम किसी भी सीमा से परे है।

पुलिस अधिकारी जब वर्दी पहन लेते हैं, तो उन्हें निजी और धार्मिक पूर्वाग्रहों को त्यागना चाहिए

सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र पुलिस पर कर्तव्यहीनता और मामले में प्राथमिकी दर्ज न करने पर एसआईटी की गठित

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को कहा कि जब पुलिस अधिकारी वर्दी पहन लेते हैं, तो उन्हें अपने व्यक्तिगत तथा धार्मिक झुकाव और पूर्वाग्रहों को त्याग देना चाहिए। इसके साथ ही न्यायालय ने महाराष्ट्र के अकोला में 2023 में हुए सांप्रदायिक दंगों के दौरान हत्या के कथित मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया।

महाराष्ट्र पुलिस पर कर्तव्यहीनता और मामले में प्राथमिकी दर्ज न करने की घोर लापरवाही का आरोप लगाते हुए न्यायमूर्ति संजय कुमार व न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने राज्य के गृह विभाग के सचिव को हिंदू और मुस्लिम समुदायों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की एक एसआईटी गठित करने का निर्देश दिया, जो प्राथमिकी दर्ज कर जांच करेगी। पीठ ने कहा, यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि जब पुलिस बल के सदस्य अपनी वर्दी पहन लेते हैं, तो उन्हें अपने व्यक्तिगत झुकाव और पूर्वाग्रहों को त्यागना पड़ता है, चाहे वे धार्मिक, नस्लीय, जातिवादी या अन्य किसी भी तरह के हों। उन्हें अपने पद और अपनी वर्दी से जुड़े कर्तव्य के प्रति पूरी निष्ठा और ईमानदारी से काम करना चाहिए। दुर्भाग्य से, इस मामले में ऐसा नहीं हुआ। मई 2023 में अकोला के पुराने शहरी क्षेत्र में पैगंबर मोहम्मद के बारे में एक धार्मिक पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद झड़पें शुरू हो गई थीं। इस घटना में विलास महादेवराव गायकवाड़ नामक व्यक्ति की मौत हो गई थी तथा मामले के याचिकाकर्ता समेत आठ लोग घायल हो गये थे। याचिकाकर्ता मोहम्मद अफजल मोहम्मद शरीफ के अनुसार, चार लोगों ने गायकवाड़ पर तलवार, लोहे के पाइप और अन्य वस्तुओं से हमले किए। याचिकाकर्ता ने कहा कि चारों हमलावरों ने उनके वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया तथा उसके सिर और गर्दन पर अपने हथियारों से हमला किया। याचिकाकर्ता के अनुसार, उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया और पुलिस ने उनका बयान दर्ज किया।

सुप्रीम कोर्ट ने मृत्युदंड पाए दोषी को किया बरी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक लड़की के साथ दुष्कर्म और हत्या के लिए दोषी और मौत की सजा पाए कैदी को बरी कर दिया। कहा कि जल्दबाजी में सुनाई गई मौत की सजा कानून के शासन को कमजोर करती है। मामले में दुष्कर्म पीड़िता का शव वर्ष 2014 में मिला था। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने अभियोजन पक्ष द्वारा अभियुक्त को दोषी ठहराने के लिए परिस्थितियों की पूर्ण और अटूट श्रृंखला साबित करने में विफलता को रेखांकित किया। पीठ ने नवंबर 2014 में उत्तराखंड के हल्द्वानी क्षेत्र के काठगोदाम पुलिस थाने में दर्ज मामले में सात साल की जेल की सजा पाए सह-अभियुक्त को भी बरी कर दिया। पीठ ने 10 सितंबर के अपने फैसले में कहा कि निचली अदालतों के साथ-साथ हाईकोर्ट को भी मौत की सजा देने से पहले अत्यधिक सावधानी बरतनी चाहिए। पीठ ने कहा कि मृत्युदंड की अपरिवर्तनीय प्रकृति के कारण मौत की सजा केवल दुर्लभतम मामलों में ही सुनाई जानी चाहिए। पीठ ने कहा कि अभियोजन पक्ष के मामले में जरा सा भी संदेह या पुख्ता साक्ष्य नहीं होने पर ऐसी सजा सुनाने से बचा जाना चाहिए। यह फैसला उत्तराखंड उच्च न्यायालय के अक्टूबर 2019 के आदेश को चुनौती देने वाली दो दोषियों की अपील पर आया। उच्च न्यायालय ने एक आरोपी की मौत की सजा की पुष्टि की, जबकि दूसरे आरोपी को दी गई सात साल की जेल की सजा बरकरार रखी थी।

हमारे पूज्य पायनियर मॉण्टेसरी स्कूलों के संस्थापक

प्रोफेसर पूरन सिंह

(12 सितम्बर 1935 – 31 अगस्त 2015)

कर्मयोगी, शिक्षाविद् के

90वें जन्म दिवस

के अवसर पर

पायनियर मॉण्टेसरी स्कूल परिवार का

शत्-शत् नमन

मणिपुर के चुराचांदपुर में उपद्रवियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़प

चुराचांदपुर/इम्फाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मणिपुर यात्रा से पहले बृहस्पतिवार शाम राज्य के कुकी बहुल चुराचांदपुर जिले में दो स्थानों पर उपद्रवियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़प हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि पियर्सनमुन गांव और फिलियन बाजार में उपद्रवियों ने प्रधानमंत्री के दौरे के सिलसिले में सड़कों पर लगाये गये बैनर और 'कटआउट' फाड़ दिए तथा बैरिकेड् हटा दिए। उन्होंने बताया कि बदमाशों ने भागने से पहले सुरक्षाकर्मियों पर पत्थर फेंके। एक जिला अधिकारी ने बताया कि चुराचांदपुर में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए अर्धसैनिक बल 'फ्लैग मार्च' और गश्त कर रहे हैं।

राहुल गांधी सुरक्षा प्रोटोकॉल नहीं मानते : सीआरपीएफ

नई दिल्ली, एजेंसी

- अर्धसैनिक बल की वीआईपी सुरक्षा शाखा ने कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को पत्र भेजकर लगाया आरोप

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने दावा किया है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी आवाजाही के दौरान कुछ सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया है। सीआरपीएफ की वीआईपी सुरक्षा शाखा 55 वर्षीय गांधी को 'जेड प्लस (एएसएल)' सशस्त्र सुरक्षा प्रदान करती है। जब भी राहुल गांधी कहीं जाते हैं, 10-12 सशस्त्र सीआरपीएफ कमांडो उनके साथ होते हैं।

उन्नत सुरक्षा संपर्क (एएसएल) के एक भाग के रूप में, सीआरपीएफ गांधी द्वारा दौरा किए जाने वाले स्थानों का निरीक्षण करती है। अर्धसैनिक बल की वीआईपी सुरक्षा शाखा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को पत्र भेजा है, जिसमें कहा गया है कि गांधी ने अपने घरेलू दौरे के दौरान और विदेश जाने से पहले, बिना किसी सूचना के कुछ अनिर्धारित गतिविधियां कीं। नियमित ऐसा होता है और सीआरपीएफ सुरक्षा शाखा ने सुरक्षा के संदर्भ की जानकारी पहले भी दी थी। बल ने रेखांकित किया कि अघोषित गतिविधियां उच्च जोखिम वाले वीआईपी की सुरक्षा के लिए ''जोखिम'' पैदा करती हैं।

चूहों के हमले में दो बच्चियों की मौत घोर लापरवाही : हाईकोर्ट

इंदौर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने इंदौर के शासकीय महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय (एमवायएच) में चूहों के हमले के बाद दो नवजात बच्चियों की मौत के मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए इस घटना को पहली नजर में एमवायएच प्रशासन की घोर लापरवाही करार दिया है। हाईकोर्ट की इंदौर पीठ के न्यायमूर्ति विवेक रुसिया और जय कुमार पिल्लई ने इस मामले का स्वतः संज्ञान लिया। पीठ ने कहा कि उसे अखबारों के समाचारों के आधार पर इस चौंकाने वाली घटना का पता चला जिसका जनहित याचिका के तौर पर स्वतः संज्ञान लिए जाने की जरुरत है। हाईकोर्ट ने एमवायएच के आईसीयू में चूहों के हमले के बाद दो नवजात बच्चियों की मौत का हवाला देते हुए आदेश में कहा कि पहली नजर में यह घटना घोर लापरवाही प्रतीत होती है।

टेन्ट, कैटर्स एण्ड डेकोरेटर्स वेलफेयर एसोसिएशन ऑफ उ0प्र0 (रजि.)

तृतीय महाधिवेशन

एवं

टेन्ट डेकोर एक्सपो यूपी-2025 लखनऊ

कैटर्स, साउण्ड एण्ड एसएफएक्स प्रोडक्ट्स

12 सितम्बर | 13 सितम्बर | 14 सितम्बर

स्थान-इन्दिरा गाँधी प्रतिष्ठान
निकट हाईकोर्ट, गोमतीनगर, लखनऊ

विजय कुमार

प्रदेश अध्यक्ष

मो. 7905881922

प्रदेश के समस्त वेडिंग इंडस्ट्रीज, बैंक्वेट हाल, लॉन, इवेंट प्लानर, कैटर्स, डेकोरेटर, साउंड, फ्लावर थीम आदि के सभी व्यापारी साथियों आप सब आमंत्रित है...

ब्रीफ

121 करोड़ की बैंक धोखाधड़ी में छापेमारी

नई दिल्ली। सीबीआई ने अहमदाबाद स्थित एक निजी कंपनी के खिलाफ 121 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में गुजरात में कई जगहों पर छापेमारी की है। सीबीआई ने एक बयान में कहा कि बुधवार को अहमदाबाद और गांधीनगर में तीन स्थानों पर छापेमारी की गई तथा आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए गए। उसने कहा कि 'बैंक ऑफ इंडिया' की शिकायत के आधार पर सीबीआई ने 'अनिल बायोप्लस' और उसके निदेशकों अमोल श्रीपाल शेठ, दर्शन मेहता और नलिन ठाकुर के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

एएसआई यमुना नदी में डूबा, मौत

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस का एक सहायक उप-निरीक्षक (एएसआई) अपने पिता का 'श्राद्ध' कर्म करते समय यमुना नदी में कथित तौर पर डूब गया। अधिकारी ने बताया कि एएसआई की पहचान संजय (46) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि वह पिछले तीन दिनों से यमुना घाट पर अपने पिता का श्राद्ध कर्म कर रहे थे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, पुजारी ने बुधवार सुबह संजय को यमुना नदी में स्नान के लिए जाते देखा था। पुलिस ने मौके से उनके कपड़े जूते बरामद कर लिए हैं।

फिजियोथेरेपिस्ट के साथ 'डॉ' नहीं लगाने वाला निर्देश वापस

नई दिल्ली, एजेंसी

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (डीजीएचएस) ने फिजियोथेरेपिस्टों को अपने नाम के आगे डॉक्टर शब्द लगाने पर रोक वाला निर्देश वापस ले लिया है। उसने कहा है कि इस मामले में अभी और जांच की आवश्यकता है।

डीजीएचएस डॉ. सुनीता शर्मा ने नौ सितंबर को आईएमए के अध्यक्ष डॉ. दिलीप भानुशाली को पत्र लिखकर कहा था कि फिजियोथेरेपिस्ट अपने नाम के आगे डॉ लगाने के पात्र नहीं हैं और यह शब्द केवल पंजीकृत चिकित्सकों के लिए ही है।

शर्मा ने बुधवार को लिखे पत्र में कहा कि इसके बाद इस विषय पर कुछ अभ्यावेदन मिले हैं, जिन पर और गहन विचार-विमर्श की आवश्यकता है, इसलिए उक्त पत्र को वापस लिया जाता है, क्योंकि इस मामले पर अभी और परीक्षण और विचार किया जाना है। शर्मा ने नौ सितंबर को कहा था कि निदेशालय को फिजियोथेरेपिस्टों द्वारा अपने नाम के आगे डॉ और बाद में पीटी लगाने के संबंध में आईएपीएमआर समेत विभिन्न संगठनों से कई ज्ञापन और कड़ी आपत्तियां प्राप्त हुई हैं।

डूसू चुनावों के लिए छात्र संगठनों ने उम्मीदवार किए घोषित

नई दिल्ली। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) व स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) गठबंधन समेत प्रमुख छात्र संगठनों ने 18 सितंबर को होने वाले दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की गुरुवार को घोषणा की।

परिसर में महिला नेतृत्व के लिए नए सिरे से प्रयास करते हुए, दो संगठनों ने डूसू चुनावों में अध्यक्ष पद के लिए महिलाओं को मैदान में उतारा है। आरएसएस समर्थित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने अध्यक्ष पद के लिए आर्यन मान, उपाध्यक्ष पद के लिए गोविंद तंवर को मैदान में उतारा है। आइसा और एसएफआई ने इंद्रप्रस्थ महिला कॉलेज की छात्रा अंजलि को अध्यक्ष पद का उम्मीदवार बनाया है।

छत्तीसगढ़ : मुठभेड़ में 10 नक्सली ढेर

गरियाबंद, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में कम से कम 10 नक्सलियों को मार गिराया है। पुलिस अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि मारे नक्सलियों में प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय समिति सदस्य मोड़ेम बालकृष्ण उर्फ भास्कर भी शामिल है। रायपुर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा ने बताया कि गरियाबंद जिले के मैनपुर क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 10 नक्सलियों को मार गिराया है। मैनपुर क्षेत्र के जंगलों में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर सीआरपीएफ के कोबरा बटालियन, विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और ई-30 (जिला पुलिस की एक इकाई) को नक्सल विरोधी अभियान में रवाना किया गया था।

अमृत विचार
लखनऊ, शुक्रवार, 12 सितंबर 2025

हादसे में क्षतिग्रस्त बाइक।

आठ बार पलटकर 25 फीट गहरे खंदक में गिरी बस

गुरुवार देर शाम 7 बजे हुआ हादसा, बस के अंदर फंसे लोगों ने मचाई चीख-पुकार, ग्रामीणों ने दी पुलिस को सूचना

संवाददाता, मलिहाबाद/काकोरी

अमृत विचार : काकोरी के गोला कुआं के पास हरदोई से लखनऊ आ रही तेज रफ्तार रोडवेज बस टैंकर को टक्कर मारने के बाद पलट गई। रफ्तार इतनी तेज थी कि टक्कर लगने के पास चार बाइकों को रौंदते हुए पलट गई। चालक अनिल कुमार वर्मा व परिचालक मो. रेहान ने बताया कि बस आठ बार पलटकर 25 फीट गहरे खंदक में जा गिरी। बस का पहिया ऊपर हो गया था। चीखपुकार सुनकर ग्रामीण दौड़े और लोगों को बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से बस को सीधा कराया। जेसीबी और क्रेन मंगाया गया। बस के अगले हिस्से को काटा गया। फिर घायलों को बाहर निकाला जा सका।

हादसा होने के बाद ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने लोगों को बाहर निकाला। कुछ लोगों ने एंबुलेंस का इंतजार नहीं किया। वह खुद अस्पताल की तलाश में भागने लगे। ग्रामीणों की मदद से घायलों को सीएचसी पहुंचाया गया। ग्रामीणों ने एक घायल को स्कूटी से ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया। बाद में एंबुलेंस की मदद से घायलों को सीएची और फिर वहां से ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। कई घायल इलाज के बाद घर चले गए। पुलिस और प्रशासन की टीम घटना स्थल के अलावा सीएचसी और ट्रॉमा सेंटर मौजूद है।

हादसे में घायल

- अनिल कुमार, सिंगारनगर लखनऊ (चालक)
- मो. रेहान (परिचालक)
- इरशाद हुसैन, दुबग्गा
- अनुराग कुमार, हुलालाखेड़ा, मोहनलालगंज
- अरविंद कुमार अवस्थी, एल्डिको, आलमबाग
- संजय पाल, निवासी दुगौली
- राजेश मौर्या, सीतापुर
- बसंत देवी, बालाजी हरदोई
- संजीव प्रकाश, कैंपल बालागंज
- अरुण कुमार, रश्मिखंड
- भरत कुमार, त्रिवेणीनगर
- दिनेश, कठवारा बीकेटी
- शुभाजीत मुखर्जी रुचिखंड
- सुहैल अहमद, आलमबाग
- दुर्गेश, गुरुखक्शगंज रायबरेली
- राकेश, इंदिरानगर
- अविरल वर्मा, हरदोई
- अनूप कुमार, लेदर मार्केट चिकमंडी, अमीनाबाद
- अनुज राज, लेदर मार्केट चिकमंडी, अमीनाबाद
- लवेश कुमार(25), निवासी गुलाबखेड़ा चौराहा
- सोहेल अहमद

ट्रामा सेंटर में घायल का हालचाल लेते जिलाधिकारी विशाख जी। अमृत विचार

घायलों के परिजनों को उचित इलाज का आश्वासन देतीं मंडलायुक्त रोशन जैकब। अमृत विचार

दो बाइक सवारों में एक के उड़े चिथड़े

हादसे के दौरान दो बाइक सवार बस की चपेट में आ गये। बस के नीचे आने से बाइक पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं, एक बस के बायें हिस्से में फंस गया। घटना के 50 मिनट बाद जेसीबी से उसे बाहर निकाला गया। शव के चिथेड़ उड़ गये थे। शरीर एक हिस्सा पूरी तरह से कुचल गया था। ग्रामीणों के मुताबिक बस तेज रफ्तार में थी। बस ने आगे जा रही टैंकर को पहले टक्कर मारी थी। इसके बाद बाइकसवार को चपेट में लेते हुए गहरे गड्ढे में जा गिरी।

दो फायर स्टेशन की टीम पहुंची

हादसे की सूचना मिलते ही सीएफओ अंकुश मित्तल की नेतृत्व में मलिहाबाद और हजरतगंज के एफएसओ रामकुमार की टीम मौके पर पहुंची। मल्टी डिजास्टर रेस्क्यू व्हीकरल के साथ कर्मचारी घटना स्थल पहुंचे। सीएफओ अंकुश मित्तल ने बताया कि रोडवेत बस संख्या यूपी78आईएन1340 हादसा स्थल पर 45 फीट गहरे खंदक में गिर गई थी।

सुरक्षा के मानकों की हो रही थी अनदेखी

- हादसा स्थल पर सड़क निर्माण का काम चल रहा था। जहां सुरक्षा मानक का प्रयोग नहीं हो रहा था। रास्ते में स्ट्रीट लाइट, पुल पर रेलिंग व अन्य सुरक्षा के इंतजाम नहीं थे। हादसा होते ही आसपास के चार गांव के लोगों ने रेस्क्यू में हाथ बटाया और घायलों को जल्द अस्पताल पहुंचाने में मदद की। स्थानीय लोगों की तत्परता से घायलों को समय पर इलाज मिल सका। हादसे के वक्त टैंकर से डिवाइडर पर लगे पौधों में पानी डालने का काम किया जा रहा था। टैंकर पर रिफ्लेक्टर नहीं लगा था। टैंकर से टकराने के बाद बस कई बार पलट गई। घटना की जानकारी होते ही टिकैतगंज, बुधडिया और गोला कुआं गांव के ग्रामीण बचाव और राहत कार्य के लिए दौड़ पड़े। ग्रामीण सुभाष यादव, रमेश मौर्य, राघवेंद्र मौर्य, राम कुमार समेत तमाम ग्रामीणों ने गांव में आवाज देकर सभी को लेकर बचाव के लिए दौड़ पड़े। मौके पर पहुंची काकोरी पुलिस के साथ ग्रामीण जुट गए। बस के खिड़की और गेट को तोड़कर बचाव कार्य शुरू हुआ। समय के साथ मददगारों की संख्या बढ़ती रही। पुलिस ने लोगों को सतर्क किया कि हरदोई रोड पर ट्रैफिक बाधित न हो और सभी को रोड से किनारे खड़े रहने की हिदायत माइक से दी। जिन मानकों की अनदेखी की गई थी उसमें सड़क निर्माण में सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया, जिससे और भी मजदूर चपेट में आ सकते थे, अंधेरे और ब्रेकर की अनुपस्थिति हादसों को बढ़ावा दे रही है, रोड साइड सुरक्षा मानकों की कमी और लोहे के खंभों की अनुपस्थिति खतरा बढ़ा रही है। ग्रामीण संतोष कुमार के मुताबिक वह काम से वापस घर जा रहे थे। इसी समय हादसा हुआ। बताया कि बस काफी तेज रफ्तार में थी। सड़क पर खड़े टैंकर से टकरा गई।

घायल को एंबुलेंस में चढ़ाते ग्रामीण।

नहीं जल रही थी स्ट्रीट लाइट

- ग्रामीणों के मुताबिक हरदोई-लखनऊ मार्ग पर गोला कुआं में जहां हादसा हुआ वहां स्ट्रीट लाइट नहीं लगी है। जिसके कारण काफी अंधेरा रहता था। अंधेरा होने के कारण ही बस चालक को टैंकर नहीं दिखा। जिसके कारण हादसा हुआ। अगर लाइट लगी हुई होती तो हादसा न होता।

मुख्यमंत्री ने समुचित इलाज के दिए निर्देश

- काकोरी बस हादसे की सूचना मिलने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया है। वहीं, सभी घायलों के बेहतर इलाज कराने को निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री के निर्देश होते ही डीएम विशाख जी, पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र कुमार सेंगर, डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव, रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक समेत कई अधिकारी मौके पर पहुंच गये।

25 फीट नीचे गहरी खाई में गिरी उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की क्षतिग्रस्त बस व मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी व ग्रामीण। अमृत विचार

तेज धमाके की आवाज सुनकर दौड़े ग्रामीण

अफजल अहमद

मोहमद शोएब

संतोष कुमार

संवाददाता, काकोरी

अमृत विचार : रोडवेज बस टैंकर से टकराने के बाद खंदक में गिरी। बस के गिरते ही तेज धमाका हुआ। धमाके की आवाज सुनकर ग्रामीण दहल गये।

इसके बाद आनन-फानन हादसा स्थल की तरफ भागे। वहां पहुंचकर लोगों को निकालने का काम शुरू किया। ग्रामीणों ने बताया कि अंधेरा होने के कारण हादसे के समय चालक टैंकर नहीं देख सका। जिसके कारण हादसा हुआ। वहीं बस की चपेट में आने से पांच बाइक सवार भी गंभीर रूप से घायल हो गये। उनकी बाइक पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

बस से टकराने के बाद क्षतिग्रस्त ट्रैक्टर। अमृत विचार

ट्रामा सेंटर में 12 घायलों का चल रहा इलाज, तीन की हालत गंभीर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के काकोरी इलाके में गुरुवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें करीब 17 लोग घायल हो गए। हादसे की गंभीरता को देखते हुए किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के ट्रामा सेंटर में अलर्ट जारी कर दिया गया था।

केजीएमयू के ट्रामा प्रभारी डॉ. प्रेम राज ने बताया कि प्रशासन की तरफ से 20 घायलों के ट्रामा सेंटर भेजे जाने की सूचना थी। उन्होंने बताया कि घायलों के इलाज के लिए 16 डॉक्टर इमरजेंसी में लगाए गए है। इसके अलावा न्यूरो सर्जरी, ऑर्थोपेडिक और जनरल सर्जरी के करीब 10 डॉक्टर भी इलाज के लिए बुला लिए गए है। केजीएमयू के प्रवक्ता डॉ केके सिंह ने बताया कि कुल 17 घायल ट्रामा सेंटर इलाज के लिए पहुंचे हैं। इनमें से चार लोगों को मृत अवस्था में लाया गया है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि घायलों में से तीन की हालत गम्भीर है। वहीं लखनऊ सीएमओ ने बताया कि एक महिला यात्री संगीता तिवारी (40) बलरामपुर अस्पताल पहुंची थी। उनका प्राथमिक इलाज कर घर भेज दिया गया है।

ट्रामा में बनाया कंट्रोल रूम

- हादसे की सूचना पर मंडलायुकत डॉ. रोशन जैकब और जिलाधिकारी विशाख जी पुलिस व अन्य अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे। घायलों को तत्काल अस्पताल भिजवाया और परिजनों की मदद के लिए ट्रामा सेंटर में कंट्रोल रूम बनाकर परिजनों से संपर्क किया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि कैसरबाग डिपो की बस हरदोई से लखनऊ आ रही थी। जो काकोरी में एक गाड़ी बचाने के चक्कर में टकराकर खाई में गिर गई। इस हादसे में पांच लोगों की मृत्यु हो गई। जबकि 10 घायल हो गए। इनमें नौ लोगों को प्राथमिकता से ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया, जबकि एक को बलरामपुर अस्पताल भेजा गया। इनके परिजनों की मदद के लिए ट्रामा सेंटर में कंट्रोल बनाकर सीएमओ और एडीएम की तैनाती की है। इनके द्वारा हादसे में घायल व मृतकों के सभी परिजनों से संपर्क कर लिया गया है। मृतकों के परिजनों को परिवहन निगम की बीमा योजना के तहत 7.50 लाख रुपये सहायता दी जाएगी। रात तक सभी परिजन पहुंच गए। इनकी मदद व केजीएमयू की टीम से समन्वय बनाने के लिए अफसरों को तैनात किया है।

एक जोर का झटका लगा, होश आया तो एंबुलेंस में थे

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : काकोरी इलाके में गुरुवार को हुये भीषण सड़क हादसे के घायल इलाज के लिए केजीएमयू के ट्रामा सेंटर पहुंचे। इस दौरान ट्रामा में मौजूद चिकित्सकों ने घायलों के इलाज का जिम्मा संभाला।

हालांकि इस दौरान कई घायलों के परिजनों ने इलाज में देरी का आरोप भी लगाया है। साथ ही कुछ लोगों ने कागजी कार्रवाई के नाम पर काफी देर तक परेशान करने की भी बात कही है। तो अपने पिता के साथ जा रहे घायल ने कहा कि जब खंदक में बस गिरी तो जोर का झटका लगा। होश आया तो एंबुलेंस में थे। कुछ यही बातें अन्य मरीजों के तीमारदारों ने बताईं।

घायल अनुज ने बताया कि वह अपने पिता अनूप कुमार के साथ संडीला से बस में पिछली सीट पर बैठे, करीब साढ़े सात बजे के आसपास अचानक जोरदार झटका लगा।

उसके बाद कुछ याद नहीं आ रहा है। जब होश आया तो वह एंबुलेंस पर थे। उन्होंने बताया कि इस हादसे में उनके पिता को गंभीर चोट आई है।

वहीं ट्रामा प्रशासन की तरफ से दावा किया गया है। सभी को समय पर इलाज मुहैया कराया जा रहा है। वहीं घायल के भाई सूचना पाकर ट्रामा पहुंचे अरुण ने बताया कि रात के करीब 10:30 होने को आया, लेकिन अभी तक उनके भाई का समुचित इलाज नहीं शुरू हो सका है। वह स्ट्रेचर पर पड़े हैं। इलाज में इस तरह की लापरवाही तो मरीजों की जिंदगी पर भारी पड़ सकती है।

अनिल (चालक)

बसंत देवी, हरदोई

अनुराग मोहनलालगंज

अरविन्द, आलमनगर

इरशाद, दुबग्गा

दिनेश, कठवारा

- **डॉक्टरों पर घायलों के इलाज में देरी का आरोप**
- **इलाज से संतुष्ट नहीं परिजन**

भारत, त्रिवेदी नगर

संजय, दुगोली

संजीव, कैंपेल रोड

सुभजीत,रुचिखंड

सुहैल, गढ़ीकनौरा

ट्रामा में अफरा-तफरी का रहा माहौल

- अमृत विचार : केजीएमयू के ट्रामा सेंटर में 9 बजे के करीब घायलों का पहुंचना शुरू हो गया था। घायलों के पहुंचने की जानकारी पहले से ट्रामा प्रशासन को थी, यही वजह है कि इमरजेंसी में मरीजों के पहुंचते ही उनका इलाज शुरू हो गया, लेकिन इस दौरान हादसे की जानकारी होने पर वहां लोगों की भारी भीड़ भी जमा हो गई। जिसको नियंत्रित करने के लिए गार्डों को खासी मशक्कत करनी पड़ रही थी। इस दौरान अन्य बीमारी से मरीजों का आना जारी था। जिसकी वजह से स्ट्रेच पर लेटे मरीजों को इलाज के लिए इंतजार भी करना पड़ रहा था।

कार का गेट खोला, टकराकर बाइक सवार व्यापारी की मौत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- **गोमतीनगर एलडीए कार्यालय के पास हुआ हादसा**

अमृत विचार: गोमतीनगर स्थित एलडीए कार्यालय के पास गुरुवार सुबह कार सवार ने पान मसाला थूकने के लिए अचानक गेट खोल दिया। इस बीच बीच पीछे से आ रहा बाइक सवार कपड़ा व्यापारी मुजम्मिल टकराकर सड़क पर गिर पड़ा। घायल को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बाजारखाला स्थित टिकैतगंज निवासी मुजम्मिल (20) पिता अकील के साथ कपड़े की दुकान चलाता था। भाई मोहम्मद नेवाज ने बताया कि गुरुवार सुबह मुजम्मिल बाइक से घूमने गोमतीनगर गया था। वह गोमतीनगर स्थित एलडीए कार्यालय के पास पहुंचा ही था, तभी आगे चल रहे कार सवार ने पान मसाला थूकने के लिए गेट खोल दिया। इसी दौरान पीछे से आ रहा मुजम्मिल कार के गेट से टकराकर सड़क पर घिसटता चला गया। मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने घायल को इलाज के लिए लोहिया अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इंस्पेक्टर गोमतीनगर बृजेश चंद्र तिवारी ने बताया कि कार से टकराने की पुष्टि नहीं हुई है। घटनास्थल के आसपास के सीसी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

पहले रेकी, फिर कार से करते थे चोरी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- **सरगना समेत तीन आरोपी गिरफ्तार, लाखों के जेवर व चोरी में प्रयुक्त कार बरामद**

अमृत विचार : टोपी-मॉस्क पहनकर रेकी और फिर रात में कार से चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले तीन आरोपियों को चिनहट पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरोह के सरगना पर पहले से ही चोरी समेत करीब 21 मामले दर्ज हैं। वह गोमतीनगर विस्तार थाने का गैंगस्टर है। पुलिस ने आरोपियों के पास से लाखों के जेवर, तीन मोबाइल, करीब 4300 रुपये व चोरी में प्रयुक्त कार बरामद की है।

इंस्पेक्टर चिनहट दिनेश चंद्र मिश्र ने बताया कि 11 अगस्त को मल्हौर स्थित पूर्वांचल विहार निवासी अभिषेक राय ने घर से 1.50 लाख रुपये और 25 लाख के जेवर चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज करायी थी। वहीं, 4 सितंबर को लौलाई के सूर्यपाल कश्यप ने घर में चोरी होने की रिपोर्ट गोमतीनगर थाने में दर्ज करायी थी।

पुलिस ने दोनों ही वारदातों के बाद जांच की तो सीसी कैमरे में कार सवार संदिग्ध कैद मिले। इसके साथ ही संदिग्ध टोपी-मॉस्क पहने दिखे। जांच के दौरान पुलिस ने मल्हौर क्रासिंग के पास से तीन चोरों को दबोच लिया।

आरोपियों में गोमतीनगर विस्तार के छोटा भरवारा निवासी अमित रस्तोगी, बहराइच के रूपहडिया निवासी अभिनंदन यादव व बाराबंकी रामनगर के नरसिंह गौतम हैं। गिरोह का सरगना अमित रस्तोगी है। साथी अभिनंदन पर करीब 16 मामले दर्ज हैं। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी अमित व उसके साथी अभिनंदन और नर सिंह टोपी-मॉस्क पहन कर बंद घरों की रेकी करते थे। इसके बाद देर रात कार से तीनों पहुंचे। अमित कार में ही रुक गया और साथी अभिनंदन व नरसिंह चोरी को अंजाम देने चले गए।

रिधिमा, आराध्या, ओशिन व दृष्टि ने दोहरे स्वर्ण के साथ दिखाया दम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- **लखनऊ एथलेटिक्स ट्रायल में जमाया दबदबा**

अमृत विचार: केडी सिंह बाबू स्टेडियम में आयोजित लखनऊ एथलेटिक्स टीम के चयन ट्रायल में रिधिमा यादव, आराध्या, ओशिन और दृष्टि शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दोहरे स्वर्ण पदक अपने नाम किए। लखनऊ जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के देखरेख में आयोजित इस ट्रायल में अंडर-14, 16, 18, 20 और 23 आयु वर्ग के खिलाड़ियों ने भाग लिया।

अंडर-16 बालिका वर्ग में रिधिमा यादव ने 600 मीटर और 60 मीटर दौड़ में पहला स्थान हासिल किया। वहीं इसी वर्ग में आराध्या ने पेंटाथलॉन और लंबी कूद में स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। वहीं अंडर-18 बालिका वर्ग में दृष्टि शर्मा ने शॉटपुट और डिस्कस थ्रो में पहला स्थान हासिल किया। अंडर-14 बालिका ट्रायथलॉन और लंबी कूद में ओशिन ने बाजी मारी। गुरुवार को हुए मुकाबलों में अंडर-18 बालक 100 मीटर में अंकित कुमार सिंह पहले और प्रदीप कुमार दूसरे, वहीं 400 मीटर में गर्व तिवारी पहले और वैभव सिंह दूसरे स्थान पर रहे। अंडर-14 बालक 60 मीटर दौड़ में सुजपाल ने पहला, अणर्व सचान ने दूसरा और वेदांश ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसके साथ ही अंडर-16 बालक 600 मीटर में अक्षत पहले, प्रियांशु सिंह दूसरे और अनुखत तीसरे स्थान पर रहे। अंडर-20 बालक शॉटपुट में अरुण कुमार यादव पहले और अभिषेक दूसरे स्थान पर रहे, जबकि हैमर थ्रो में अभिषेक कुमार पाठक ने पहला, अरविंद कुमार यादव ने दूसरा और मृणाल ने तीसरे स्थान पर रहे। इसके अलावा बालिकाओं की विभिन्न स्पर्धाओं में अंडर-14 ट्रायथलॉन में ओशिन पहले, देविका दूसरे और दिया तीसरे स्थान पर रही।

सुविचार

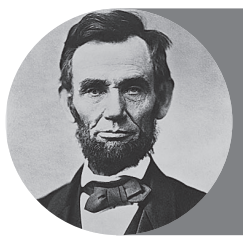

अगर हम एक बार अपने साथी का भरोसा तोड़ देते हैं तो हम कभी भी उनका सम्मान और आदर वापस नहीं प्राप्त कर सकते हैं।
– अब्राहम लिंकन

अमृत विचार

लखनऊ महानगर

www.amritvichar.com

लखनऊ के प्रमुख समाचार

- लव मैरिज से चिढ़े भाइयों ने की थी बहनोई की हत्या II
- पुस्तक मेले में नई किताबें तलाशते नजर आए युवा III
- शिक्षिका ने स्कूल संचालक पर किया हमला IV

लखनऊ, शुक्रवार, 12 सितंबर 2025

शहर में आज

- लखनऊ बायोस्कोप की और से फिल्म कफस और इमाम का प्रदर्शन कैसरबाग स्थित सनतकदा में सायं 6:00 बजे।
- भारतीय जन नाट्य संघ (इप्टा) की और से विजय तेंदुलकर द्वारा लिखित नाटक हत्त तेरी किस्मत का मंचन बलराज साहनी प्रेक्षागृह, कैसरबाग में सायं 6:30 बजे।
- भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद की मासिक सांस्कृतिक श्रृंखला क्षितिज के तहत सोनेलाल शशांक सागर का संगीत कार्यक्रम राय उमानाथ बलि प्रेक्षागृह में सायं 6:30 बजे।
- एमरन फाउंडेशन की और से कार्यक्रम लफ्जों की गठरी– कुछ पन्ने–भाग–2 का नाट्य प्रदर्शन उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के संत गाडगे प्रेक्षागृह में सायं 5:45 बजे।

सिटी ब्रीफ

अधिकारियों का प्रशिक्षण आज

अमृत विचार, लखनऊ : उपजिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. शुभी सिंह ने बताया कि शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सभी सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। अध्यक्षता जिला निर्वाचन अधिकारी करेंगे। प्रशिक्षण में निर्वाचक नामावलियों से सम्बंधित विधिक प्रावधान, बीएलओ एप, ईआरओ नेट, आईटी की गतिविधियों व दायित्व बताए जाएंगे।

पेंशन अदालत का आयोजन 13 को

अमृत विचार, लखनऊ : मध्यांचल विद्युत वितरण निगम मुख्यालय की ओर से शनिवार को पेंशनरों और पारिवारिक पेंशनरों की समस्याओं के समाधान के लिए एक पेंशन अदालत का आयोजन किया जा रहा है। अदालत सुबह 11 बजे से निगम के प्रधान कार्यालय में आयोजित होगी। पेंशन अदालत में मध्यांचल डिस्कॉम से सेवानिवृत्त पेंशनर्स और पारिवारिक पेंशनर्स को आमंत्रित किया गया है, जहां वे अपनी पेंशन संबंधी समस्याओं को संबंधित अधिकारियों के सामने रख सकते है। इस अदालत की पहल के पीछे पेंशनरों की शिकायतों और लंबित प्रक्रियाओं का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया जायेगा।

सैरपुर व दुबग्गा में सात प्लाटिंग कीं ध्वस्त

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विकास प्राधिकरण की टीम ने गुरुवार को सैरपुर व दुबग्गा में अभियान चलाकर सात अवैध प्लाटिंग ध्वस्त की। प्रवर्तन जोन–4 की जोनल अधिकारी संगीता राघव ने बताया कि प्रभव कुमार, अमूल यादव व अन्य द्वारा सैरपुर के पलहरी गांव में मुबाकरपुर चौराहे के पास लगभग 30 बीघा में अनाधिकृत प्लाटिंग करके कालोनी विकसित की जा रही थी। इसी तरह इमरान, जुबेर व अन्य द्वारा सैरपुर की प्रसाद कालोनी में 10–10 बीघा में अवैध रूप से प्लाटिंग का कार्य कराया जा रहा था। टीम ने तीनों प्लाटिंग ध्वस्त कर दी। प्रवर्तन जोन–7 के जोनल अधिकारी रवि नंदन सिंह ने बताया कि दुबग्गा थानाक्षेत्र के ग्राम कुसमोरा हलवापुर में कल्लू प्रधान द्वारा लगभग 2500 वर्गमीटर, अनीफ द्वारा दो स्थानों पर लगभग 3 हजार वर्गमीटर और अब्दुल सिटी द्वारा विकसित 12,500 वर्गमीटर अवैध प्लाटिंग ध्वस्त की।

खूबसूरत व हाईटेक किया जा रहा बादशाह नगर रेलवे स्टेशन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : राजधानी का बादशाह नगर रेलवे स्टेशन साल 2026 के मार्च तक बनकर तैयार हो जायेगा।

- **मार्च 2026 के बाद यात्रियों को मिलेंगी अत्याधुनिक सुविधाएं**

अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस किए जाने के लिए इस स्टेशन पर करीब 31 करोड़ से अधिक की धनराशि खर्च की जा रही है। पूर्वोत्तर रेल प्रशासन के मुताबिक यात्री सुविधाओं के साथ-साथ इसे हाईटेक किया जा रहा है।

बादशाह नगर रेलवे स्टेशन का मुख्य भवन। अमृत विचार

यह होंगी सुविधाएं

- बादशाहनगर स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार के सर्कुलेटिंग एरिया के निर्माण का कार्य तेजी से हो रहा है। स्थानीय कला एवं संस्कृति को शामिल करते हुए स्टेशन का सुंदरीकरण किया जा रहा है। इतना ही नहीं स्टेशन परिसर में उन्नत लाइटिंग, कोच गाइडेंस सिस्टम, डिजिटल घड़ियां, सोलर प्लांट, वाटर कूलर, एसी, 12 मीटर चौड़ा फुट ओवरब्रिज, यात्री प्रतीक्षालय व शौचालयों का आधुनिकीकरण समेत 3 लिफ्ट व 2 सेट एस्केलेटर लगाने का कार्य जारी है।

रोज होता है 6 हजार यात्रियों का आवागमन

- लखनऊ–गोरखपुर रेलखण्ड पर स्थित बादशाह नगर रेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन लगभग 6 हजार से अधिक यात्रियों का आवागमन होना बताया जा रहा है। वहीं इस रेलवे स्टेशन से 22 जोड़ी मेल एक्सप्रेस ट्रेने आती और जाती हैं।

रंगरोगन के बाद प्लेटफार्म की स्थिति। अमृत विचार

निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा और स्वच्छता का अभाव

- मौजूदा समय में बादशाह नगर रेलवे स्टेशन को अपग्रेड करने का कार्य तेजी के साथ हो रहा है, लेकिन इस दौरान रेलवे स्टेशन पर प्रवेश के दौरान सुरक्षा का अभाव दिखाई पड़ता है। स्टेशन पर मेटल डिटेक्टर प्रवेश द्वार पर नहीं लगे हुये हैं। हालांकि स्टेशन पर मौजूद पुलिसकर्मियों की सतर्कता इस कमी को दूर कर देती है। वहीं नवनिर्मित शौचालयों में भारी गंदगी के चलते शायद ही कोई यात्री इसका प्रयोग करता हो।

सेफ्टी ऑडिट करते पूर्वोत्तर रेलवे के पीसीएसओ मुकेश मेहरोत्रा

रेल अफसरों ने किया स्टेशन का निरीक्षण

- पूर्वोत्तर रेलवे के पीसीएसओ मुकेश मेहरोत्रा ने गुरुवार को बादशाह नगर रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा का आकलन किया। इस दौरान संरक्षा विभाग के कई अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। वहीं अन्य कार्य भी उन्होंने देखे।

यह कार्य हो चुके हैं पूरे

- रेलवे स्टेशन पर पेपर मिल कालोनी की तरफ सेकेंड एंट्री गेट बनाया गया है। यहां पर साइड सर्कुलेटिंग एरिया, पार्किंग, एप्रोच रोड, स्टेशन भवन पाथवे, लैंड स्केपिंग, फसाड, पोर्च का कार्य, वेटिंग हाल व प्रसाधन ब्लाक, पीआरएस काउन्टर का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है।

बादशाहनगर रेलवे स्टेशन पर बचा हुआ निर्माण कार्य पूरा करते मजदूर। अमृत विचार

नगर निगम में अधिकारी व कर्मचारी मिले गायब

महापौर ने गेट में ताला डाल सभी कार्यालयों का किया निरीक्षण, कई कर्मचारी हाजिरी लगाने के बाद दफ्तर से नदारद

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लालबाग स्थित नगर निगम मुख्यालय में गुरुवार सुबह 10:45 बजे महापौर सुषमा खर्कवाल के अचानक पहुंचने से कार्यालय में अफरा-तफरी मच गई। निरीक्षण किया तो अपर नगर आयुक्त व कई अधिकारी और कर्मचारी नदारद मिले। कुछ अधिकारी और कर्मचारियों ने कार्यालय पहुंचने का प्रयास किया तो महापौर ने खुद मुख्य गेट बंद करके ताला लगा दिया। इससे अधिकारी व कर्मचारी बाहर ही खड़े रहे। इसके बाद एक-एक करके सभी कार्यालयों की स्थिति देखी।

निरीक्षण में नगर आयुक्त गौरव कुमार अपने कार्यालय में मौजूद मिले। जबकि अपर नगर आयुक्त ललित कुमार, नम्रता सिंह, अरुण कुमार गुप्त व डॉ. अरविंद कुमार राव अपने कार्यालय में उपस्थित नहीं मिले। उप नगर आयुक्त रश्मि भारती का कार्यालय भी खाली मिला। इसी तरह सहायक नगर आयुक्त विकास सिंह, विनीत सिंह, रामेश्वर प्रसाद भी अनुपस्थित मिले। इसके साथ ही मुख्य अभियंता महेश वर्मा भी गैरहाजिर मिले। कई कार्यालय पूरे खाली मिले।

311 एप के जरिए कर्मचारियों की हाजिरी की सूची मांगी तो पता चला कई कर्मचारी सुबह हाजिरी लगाने के बाद चले गए। इस पर नाराजगी जताते हुए सभी कार्यालय के हाजिरी रजिस्टर जब्त कर लिए।

लालबाग स्थित नगर निगम कार्यालय के मुख्य गेट पर महापौर ने लगाया ताला।

अपर नगर आयुक्त ललित कुमार की खाली पड़ी कुर्सी।

सीसीटीवी से होगी जांच, सीएम से शिकायत

- महापौर ने नगर आयुक्त को निर्देश दिए कि ऐसे सभी अधिकारी और कर्मचारियों की सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच कराएं। दोषी मिलने पर इनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री से शिकायत करेंगे। दो दिन में अनुपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों से स्पष्टीकरण मांगा जाए।

उपस्थित मिले अधिकारियों की प्रशंसा

- निरीक्षण में मुख्य वित्त एवं लेखा अधिकारी महामिलिंद लाल, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह और नगर स्वास्थ्य अधिकारी पीके श्रीवास्तव कार्यालय पर उपस्थित मिले। महापौर ने इनके कार्यों पर संतोष जताया। कहा कि सभी को इन्हीं की तरह समय पर और जिम्मेदारी से कार्य करना चाहिए।

10 बजे न मिलें अधिकारी तो करें शिकायत

- महापौर ने लोगों से अपील की है कि यदि सुबह 10 बजे नगर निगम कार्यालय में अधिकारी व कर्मचारी सीट पर नहीं मिलें तो तुरंत 6389200005 पर बताएं। साथ ही फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स पर टैग कर सकते हैं।

निरीक्षण के दौरान खाली पड़ा नगर निगम का कार्यालय।

एयरपोर्ट के पास ऊंची बिल्डिंगों से हटेंगे टॉवर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- हटेंगी मीट दुकानें व लेजर लाइट पंतग उड़ाने पर लगेगी रोक
- मंडलायुक्त ने एलडीए, नगर निगम व पुलिस को दिए निर्देश

अमृत विचार : हवाई पट्टी के संपर्क मार्ग में आने वाली ऊंची इमारतों पर लगे टॉवर/सीढ़ियां अवरोध की सम्भावना पर हटाए जाएंगे। साथ ही हवाई अड्डे के चारों तरफ बाधा बनी इमारतें, अवैध निर्माण, पेड़ व मांस की दुकानों पर भी कार्रवाई की जाएगी।

यह निर्देश गुरुवार को मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने अमौसी स्थित चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के सुचारू विमान संचालन को लेकर बैठक में दिए हैं। मंडलायुक्त ने टर्मिनल 2 चौधरी चरण सिंह सभागार में एयरपोर्ट, नगर निगम, एलडीए, पुलिस, वन, विद्युत समेत अन्य विभागों के साथ बैठक की। एयरपोर्ट अधिकारियों ने अवगत कराया कि हवाई अड्डे के चारों ओर अवैध निर्माण, हवाई यातायात में बाधा डालने वाले पेड़, इमारतें हैं। वहीं, पानी का ठहराव व कचरे का निपटान में पक्षियों और वन्यजीवों को हवाई अड्डे के करीब तरफ आकर्षित करते हैं।

इसके अलावा हवाई अड्डे के पास दो से तीन मीट की दुकानें चिह्नित की है जिन्हें सुरक्षा के दृष्टि से हटाया जाना अनिवार्य है।

मंडलायुक्त ने नगर निगम के अधिकारियों को मीट की दुकानें हटाने के निर्देश दिए। इसके अलावा परिसर में स्ट्रीट डॉग के स्टेरलाइजेशन कराने को कहा। कहा कि हवाई अड्डे के आसपास भवन निर्माण के लिए एलडीए मानचित्र की मंजूरी से पहले से एयरपोर्ट अथॉरिटी से एनओसी लेगा। परिसर के 5 किमी के रेडियस में लेजर लाइट एवं पंतग उड़ाने पर पुलिस अधिकारियों को प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए।

एक लाख लोगों पर आज बिजली संकट

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : इंजीनियरिंग कॉलेज, जानकीपुरम, रेजीडेंसी सहित शहर के कई इलाकों में आरडीएसएस योजना के तहत ट्रांसफार्मरों के परिवर्तकों सहित कई मेंटीनेंस के काम किए जायेंगे। इसके चलते करीब एक लाख बिजली उपभोक्ताओं को आज बिजली संकट का सामना करना पड़ेगा।

इंजीनियरिंग कॉलेज के ब्राइट-वे स्कूल के पास 400 केवीए के परिवर्तकों पर ऑन साईट मेंटीनेंस के काम किया जायेगा। इसके चलते एच-1, एच-2, एच-4, एच-3 सहित सेक्टर-एच और आसपास के इलाके की बिजली आपूर्ति सुबह 11 से शाम 5 बजे तक बाधित रहेगी। वहीं रेजीडेंसी के हनुमान सेतु उपकेंद्र से पोषित निषाद हॉस्पिटल के पास लगे 400 केवीए और एलडीए ट्रांसफार्मर पर अनुरक्षण का कार्य किया जायेगा। इसके कारण मस्जिद के पास से लेकर क्विंटन रोड यूको बैंक और आसपास के क्षेत्र की बिजली आपूर्ति सुबह 10 से शाम 4 बजे तक ठप रहेगी।

युवा उद्यमी योजना बनी युवाओं की ताकत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- बेरोजगारी से निकल कर आत्मनिर्भरता की राह पर बढ़े युवा

अमृत विचार : मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना युवाओं के लिए आशा की एक नई किरण बनकर उभरी है। इस योजना के माध्यम से सरकार ने न केवल युवाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए हैं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने की राह भी दिखाई है। इस योजना से लाभान्वित होकर युवा अपना व्यवसाय खड़ा कर रहे हैं और दूसरों को भी रोजगार दे रहे हैं।

आशियाना निवासी अवधेश पाल पहले एक निजी कंपनी में 10 हजार रुपये प्रतिमाह की नौकरी करते थे। परिवार की जिम्मेदारियों के चलते उनका गुजारा मुश्किल से हो पाता था। उन्होंने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत आवेदन किया और जल्द ही उन्हें अनुदान राशि प्राप्त हो गई। आज वह खुद का स्टॉल संचालित कर रहे हैं और प्रतिमाह 40 से 50 हजार रुपये तक की आय कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह योजना उनके जीवन में नई दिशा लेकर आई है। इसी तरह, अमीनाबाद निवासी विनय भी बेरोजगारी से जूझ रहे थे। उनके पास व्यवसाय शुरू करने के लिए पूंजी नहीं थी, लेकिन युवा उद्यमी योजना के तहत उन्हें सहायता मिली। अब वह सोलर उत्पादों के डिस्ट्रीब्यूटर बनकर सफलतापूर्वक व्यवसाय चला रहे हैं। ऐसे ही सैकड़ों युवाओं ने इस योजना के माध्यम से अपने सपनों को साकार किया है। युवाओं में इस योजना को लेकर जबरदस्त उत्साह है और यह योजना प्रदेश में रोजगार सृजन की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही है।

बुरा हाल

महीनेभर से ट्रैक पर खड़ी है बालट्रेन, मायूस होकर लौट रहे बच्चे

'छुकछुक' में सफर बिना बच्चों की अधूरी है चिड़ियाघर की सैर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- रोजाना पिकनिक के लिए पहुंचते है आठ से दस स्कूलों के बच्चे
- दस से 15 हजार दर्शक जुटते हैं ट्रेन पर सैर के लिए

अमृत विचार : पापा, ट्रेन में बैठना है। उस पर बैठकर ही चिड़ियाघर की सैर करेंगे। इस तरह की आवाजें नवाब वाजिद अली शाह प्राणि के मुख्यद्वार में शामिल होते ही सुनने को मिलती हैं। बच्चों की जिद पर अभिभावक चंद्रपुरी स्टेशन के नजदीक बने टिकट घर पर पहुंच गए, लेकिन महीनेभर से यह बालट्रेन बंद है। चिड़ियाघर के चंद्रपुरी स्टेशन पर सन्नाटा पसरा हुआ है।

ट्रेन खराब होने के कारण रोजाना कई अभिभावक अपने बच्चों के साथ यहां से मायूस होकर लौटने को मजबूर हैं। चिड़ियाघर कर्मचारियों के अनुसार नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान में दर्शकों की भीड़ रोज सुबह जुटनी शुरू हो जाती है। हर दिन आठ से दस स्कूलों के बच्चे यहां पर पिकनिक के साथ वन्यजीवों के बारे में जानकारी के लिए यहां पहुंचते हैं। करीब दस से 15 हजार दर्शक यहां पर जुटते हैं। चिड़ियाघर की बाल ट्रेन का यहां आने वाले दर्शकों में खासा क्रेज है। बाल ट्रेन में सफर किए बिना चिड़ियाघर की सैर अधूरी है।

सूना पड़ा चंद्र पुरी स्टेशन, खड़ी बाल ट्रेन। अमृत विचार

इन बाड़ों से होकर गुजरती है बाल ट्रेन

- बाल ट्रेन का सफर चंद्र पुरी स्टेशन से शुरू होकर झूला पार्क, मगरमच्छ का बाड़ा, सफेद बाघ, जिराफ बाड़ा, टाइगर हाउस, डीयर लाइन होते हुए वापस पहुंचती हैं। ट्रेन में बैठने के दौरान दर्शक सेल्फी लेते हुए दिखते हैं। सबसे खास बात यह है कि ट्रेन की बनावट ही लोगों को ध्यान अपनी ओर खींच लेती है। स्टेशन पर खड़ी रहने पर तमाम दर्शक इस ट्रेन के सामने खड़े होकर सेल्फी लेते हुए देखे जा सकते हैं।

2014 में शुरू हुई थी बाल ट्रेन

- 28 फरवरी 2014 को बाल ट्रेन का संचालन शुरू किया गया। इसे लेकर लखनऊ प्राणि उद्यान में एक भव्य समारोह में किया गया। इसमें एक इंजन सहित चार बोगियां है। इस बालट्रेन में 84 लोगों के बैठने की क्षमता है।

ट्रेन का कपलर टूटने के कारण उसका संचालन नहीं किया जा रहा है। कपलर को बदलने के लिए गुजरात स्थित कंपनी को आर्डर दिया जा चुका है। अगले हफ्ते तक ट्रेन का संचालन शुरु हो जायेगा। इससे एक बार फिर दर्शक इस बाल ट्रेन में सफर कर उसका लुत्फ उठा सकेंगे।

–अदिति शर्मा, निदेशक, नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष हाउस अरेस्ट

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- इंस्पेक्टर ने नोटिस थमा घर से न निकलने की कही बात
- वाराणसी में पीएम के कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शन की घोषणा की थी

अमृत विचार : वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शन की घोषणा के बाद गुरुवार को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को पीजीआई पुलिस ने उनके वृंदावन कालोनी स्थित अजा बोटानिका अपार्टमेंट के फ्लैट में हाउस अरेस्ट कर लिया गया। बुधवार देर रात ही अपार्टमेंट के बाहर पुलिस बल तैनात कर दिया गया।

इंस्पेक्टर पीजीआई धीरेंद्र कुमार सिंह गुरुवार सुबह फोर्स के साथ अजा बोटानिका अपार्टमेंट स्थित अजय राय के फ्लैट में पहुंचे। शांति व्यवस्था बनाए रखने की बात कहते हुए उन्हें नोटिस धमकाकर हाउस अरेस्ट कर लिया। गुरुवार को अपार्टमेंट के चारों तरफ और कालिंद्री पार्क के आस पास बड़ी संख्या में पीएसी और पुलिस बल तैनात रहा।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय व उनके घर पर तैनात पुलिसकर्मी।

दोपहर में प्रदेश अध्यक्ष ने कांग्रेस कार्यालय जाने के लिए कहा तो पुलिस ने उन्हें घर से निकलने से मना कर दिया। अजय राज ने बुधवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का रास्ता रोकने वाले प्रदेश सरकार के मंत्री के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। इसके बाद अजय राय द्वारा गुरुवार को वाराणसी में पीएम कार्यक्रम के दौरान विरोध प्रदर्शन करने की तैयारी में थे। वाराणसी कमिश्नरेट पुलिस के इनपुट के बाद लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट की ओर से यह कार्रवाई की गई।

लव मैरिज से चिढ़े भाइयों ने की थी बहनोई की हत्या

पुलिस ने हत्याकांड का खुलासा करते हुए साले समेत दो को किया गिरफ्तार, तीन फरार, रॉड व स्कार्पियो बरामद

संवाददाता, निगोहां

अमृत विचार : मोहनलालगंज के शंकरबक्श खेड़ा के रहने वाले शनि रावत (24) की हत्या उसके सगे सालों ने की थी। निगोहां पुलिस ने गुरुवार को हत्याकांड का खुलासा करते हुए एक साले समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

जांच में सामने आया कि आरोपी भाई बहन के प्रेम विवाह से नाराज थे और हाल ही में शनि द्वारा फोन पर मामा बनने की बधाई दी थी। इसी के बाद से आरोपियों ने बहन को विधवा करने की ठान ली थी।

पुलिस की गिरफ्त में हत्यारोपी भाई। अमृत विचार

पुलिस दूसरे साले समेत तीन आरोपियों की तलाश कर रही है। एडीसीपी साउथ रल्लापल्ली वसंथ कुमार ने बताया कि गिरफ्तार

- **आरोपी साले ने अपने साले की मदद से ठेके पर शनि को बुलाकर किया था अगवा**
- **गमछे से गला कसने के बाद रॉड से किए थे 25 से अधिक वार**

आरोपियों में निगोहां के मस्तीपुर निवासी देवेश यादव उर्फ बोग्गा और मोहनलालगंज के कुशलीखेड़ा डेहवा निवासी संतोष यादव हैं। आरोपी देवेश का भाई जीतू यादव, साथी भद्दीखेड़ा निवासी राजकपूर और मोहनलालगंज के कीर्तिखेड़ा निवासी जय सिंह उर्फ कल्लू फरार हैं। आरोपियों के पास से हत्या में प्रयुक्त रॉड, गमछा और स्कार्पियो बरामद की गई है।

पूछताछ में आरोपी देवेश ने कबूला कि उनकी बहन ने घरवालों के खिलाफ जाकर शनि से करीब डेढ़ साल पहले प्रेम विवाह किया था। इसपर उन लोगों की बहुत बदनामी हुई थी। शादी खत्म कराने के लिए आरोपी भाई एक साल से साजिश रच रहे थे। इसी दौरान करीब सवा माह पहले बहन ने बच्चे को जन्म दिया। जिसपर शनि ने सालों को फोन कर कहा कि आप मामा बन गए हैं। इसके बाद से आरोपियों का गुस्सा बढ़ गया था।

आरोपी ने अपने साले संतोष को शनि की जानकारी जुटाने के लिए लगाया। साजिश के तहत 8 सितंबर को संतोष ने शनि को कॉल कर देसी शराब ठेके के पास बुलाया। शनि के आने पर सभी आरोपियों ने मिलकर उसे स्कार्पियो में बैठा लिया। निगोहां की तरफ ले जाकर शनि की गला घोंटकर हत्या कर दी गई। आरोपी जीतू इतने गुस्से में था कि उसने शनि के शव पर रॉड से 25 से ज्यादा वार किए। इसके बाद शव को नाले में फेंक दिया गया था। एसीपी मोहनलालगंज रजनीश वर्मा ने बताया कि आरोपी संतोष यादव कपड़े की दुकान चलाता है, जबकि आरोपी देवेश चालक है।

पेशी के दौरान बंदी फरार, हेड कांस्टेबल व कांस्टेबल निलंबित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- **वजीरगंज कोतवाली में लॉकअप प्रभारी ने दर्ज कराई रिपोर्ट**

अमृत विचार : ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट प्रथम की कोर्ट में पेशी के लिए आया बंदी अभिरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों को चकमा देकर फरार हो गया। बंदी के भागने से कचहरी में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची वजीरगंज पुलिस ने खोजबीन की लेकिन बंदी का कुछ पता नहीं चला। प्रभारी लॉकअप निरीक्षक की तहरीर पर वजीरगंज पुलिस ने बंदी, हेड कांस्टेबल व कांस्टेबल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। दोनों पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है।

बिहार नालंदा के थाना एकगर सराय ग्राम दुरगांव निवासी राहुल राज उर्फ अयान उर्फ अंकित उर्फ रॉकी को वर्ष 2019 में चोरी के आरोप में हसनगंज कोतवाली से जेल भेजा गया था। बुधवार करीब 12:21 बजे रिजर्व पुलिस लाइन में तैनात हेड कांस्टेबल अजय कुमार व सिपाही सूरज यादव जिला जेल से बंदी राहुल राज को ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट प्रथम की कोर्ट में पेशी के लिए लेकर निकले थे। पेशी के दौरान बंदी राहुल राज अधिवक्ताओं की भीड़ का फायदा उठाकर भाग निकला।

सिटी ब्रीफ

युवक पर डंडे से हमला, रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार, सरोजनीनगर : बंथरा के नीवां गांव निवासी रोहित उर्फ लाला बुधवार रात करीब 10 :30 बजे तहसील बिजनौर से घर लौट रहा था। नीवां में दिवान ताल के पास कुरौनी गांव में रहने वाले सुदेश, उसके भाई उमेश, साथी विशाल उर्फ रौनी व किशुनपुर कौड़िया निवासी दीपक ने रोक लिया। विरोध पर आरोपियों ने डंडे से कई वार कर दिए। जिससे रोहित के सिर में चोट आ गई। जान से मारने की धमकी देते हुए आरोपी फरार हो गए। बंथरा पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

पूर्व कर्मचारी पर कंपनी की छवि खराब करने का आरोप

अमृत विचार, पीजीआई : कीर्तिका इंटरप्राइजेज की प्रोपराइटर रंजना सिंह करीब दस वर्षों से टेक्नोवेस वुड कोटिंग्स प्राइवेट लिमिटेड पुणे की लखनऊ स्थित सीएफ संभाल रही हैं। उन्होंने बताया कि भूपेंद्र कुमार को तीन माह पूर्व सेल्स कार्य के लिए नियुक्त किया गया था। कंपनी ने उसे पूरे तीन महीने का वेतन, यात्रा भत्ता और 22 हजार रुपये की अग्रिम राशि भी दी थी। नौकरी छोड़ने के बाद उसने सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर कंपनी के उत्पादों के खिलाफ अभियान छेड़ दिया। आरोप है कि भूपेंद्र ग्राहकों और डीलरों को भड़काकर कंपनी का सामान न खरीदने की अपील कर रहा है। नतीजतन कई डीलरों ने कारोबार बंद कर दिया, जिससे कंपनी को लाखों रुपये का नुकसान हुआ। आरोपी लगातार रुपयों की मांग करते हुए धमका रहा है।

जाली आईडी पर बेचे गए थे 27 सिमकार्ड

अमृत विचार, लखनऊ : एशियाई देशों में साइबर ठगी में इस्तेमाल हो रहे सिमकार्ड जाली आईडी पर विक्रेताओं ने दिए थे। आई4सी व टेलीकॉम विभाग ने 27 मोबाइल नंबर को चिन्हित किया। पता चला कि सभी सिमकार्ड लखनऊ के विक्रेता ने बेचे थे। डीआईजी साइबर क्राइम के निर्देश पर साइबर क्राइम सेल ने जांच की। जांच में पुष्टि होने के बाद विक्रेता के खिलाफ गोमतीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी गयी है। साइबर थाने के इंस्पेक्टर विनोद यादव ने मामले की जांच शुरु कर दी है। इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (आई4सी) की ओर से संदिग्ध सिमकार्ड नंबरों की लिस्ट डीआईजी साइबर क्राइम पवन कुमार को भेजी गई थी। इन संदिग्ध सिमों की जांच करने के लिए कहा गया था। इसके साथ ही आई4सी ने टेलीकॉम विभाग के साथ मिलकर एशियाई देशों में साइबर क्राइम में इस्तेमाल हो रहे मोबाइल नंबर को चिन्हित कर सिम विक्रेताओं की सूची साइबर पुलिस पोर्टल पर उपलब्ध करायी। डीआईजी के निर्देश पर साइबर क्राइम सेल ने जांच शुरु की।

जाली दस्तावेज बनाकर बेची कारोबारी की पैतृक संपत्ति

संवाददाता, सरोजनीनगर

अमृत विचार : सरोजनीनगर थाने में कपड़ा कारोबारी ने जालसाजों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोप है कि आरोपियों ने जाली दस्तावेज बनाकर पैतृक संपति की कई बार रजिस्ट्री की। यही नहीं आरोपियों ने साजिश के तहत उसपर शांतिनगर कॉलोनी बसाने का काम किया। डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल के आदेश पर सरोजनीनगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

- **डीसीपी साउथ के आदेश पर सरोजनीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज**

रायबरेली के लालगंज स्थित चंपतपुर निवासी त्रिभुवन कुमार की अमौसी गांव में जमीन है, जो पिता स्व. नन्देश्वर तिवारी के नाम दर्ज थी। उनका कहना है कि पिता कोलकाता में कपड़े का व्यापार करते थे और भूमि विवाद की पैरवी के लिए लखनऊ आते थे। इसी दौरान उनके संबंधी सुशील त्रिवेदी ने कथित रूप से नन्देश्वर तिवारी की फोटो व जाली साइन का इस्तेमाल कर वर्ष 1992 में फर्जी मुख्तारनामा आम अपने पक्ष में करा लिया। इसी आधार पर 1996 में उसने अपनी ही हाउसिंग सोसाइटी के नाम विक्रय अनुबंध पंजीकृत करा लिया।

आरोप है कि सुशील ने साजिश के तहत जाली मुख्तारनामा का उपयोग कर कई फर्जी विक्रय विलेख तैयार कराकर तीसरे पक्षों को बेच दी। 2008 में नन्देश्वर तिवारी की मौत के बाद भी सुशील त्रिवेदी ने जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल कर सौदा कर पेमेंट ले लिया। त्रिभुवन कुमार ने डीसीपी साउथ से मामले की शिकायत की। सरोजनीनगर पुलिस ने सुशील त्रिवेदी व अन्य आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

मकान व प्लॉट का सौदा कर ठगे एक करोड़

■ **अमृत विचार, आलमबाग :** मकान व प्लॉट बेचने का झांसा देकर जालसाज ने कारोबारी से 1 करोड़ रुपये ऐंठ लिए। रजिस्ट्री न होने पर पीड़ित ने रुपये वापस मांगे तो आरोपी ने टालमटोल की। डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल के आदेश पर कृष्णानगर पुलिस ने आरोपी समेत तीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर पीके सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। सरोजनीनगर के रहीमाबाद गांव निवासी अमित कुमार यादव ने बताया कि कुछ समय पहले कृष्णानगर नारायणपुरी निवासी आशीष कुमार पाण्डेय ने संपर्क किया था। आरोपी ने घर और प्लाट बेचने के लिए बात की थी। सौदा तय होने पर पीड़ित ने 10 लाख रुपये एडवांस में दिए थे। इसके साथ ही पत्नी दीपाली यादव के खाते से 87 लाख और निर्भय यादव के खाते से 15 लाख रुपये आशीष के पिता अश्वनी कुमार पाण्डेय और माता मंजू पांडेय के खाते में ट्रांसफर किए थे। समय बीतने के बाद भी आरोपियों ने मकान और प्लॉट की रजिस्ट्री नहीं की। संपर्क करने पर आरोपियों ने बेचने से इंकार कर दिया। पीड़ित ने अपने 1.12 करोड़ रुपये वापस मांगे। इसपर आरोपी ने 2.20 लाख ही दिए। पीड़ित ने 10 लाख के चेक पर स्टॉप पेमेंट करने के बाद डीसीपी साउथ से मामले की शिकायत की। शुरुआती जांच में आरोप सही मिलने पर कृष्णानगर पुलिस ने आशीष कुमार पांडेय, आशीष और उसकी मां मंजू के खिलाफ जाली दस्तावेज के आधार पर धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

मकान हड़पने के लिए कटवाया बिजली कनेक्शन

■ **अमृत विचार, लखनऊ :** संजयगांधी पुरम स्थित करोड़ों के मकान को हड़पने की साजिश रची गयी। जालसाज ने बुजुर्ग की गैर मौजूदगी में उनके नाम से बिजली विभाग में आवेदन कर कनेक्शन कटवाकर अपने नाम पर ले लिया। फर्जीवाड़े की जानकारी पीड़ित को तब हुई जब तीन माह पहले भतीजे को बिल जमा करने के लिए भेजा। डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह के आदेश पर गाजीपुर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर गाजीपुर विकास राय ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। मूल रूप से देवरिया निवासी बीआर यादव (83) का एक मकान इंदिरानगर के शेखपुर कसैला स्थित संजय गांधीपुरम में है। उक्त मकान का बिजली कनेक्शन अपने नाम से वर्ष 1995 में लिया था। बीआर यादव कभी-कभार वहां आते थे। उन्होंने बताया कि जून माह में भतीजे ओम प्रकाश को बिजली का बिल जमा करने के लिए दिया था। भतीजा बिल जमा करने पहुंचा तो पता चला कि कनेक्शन चाचा के नाम से न होकर संजय मल्होत्रा निवासी ब्रम्हानंद वाई, हैदरगढ़ बाराबंकी के नाम पर है। छानबीन में पता चला कि संजय ने जाली निवास प्रमाण पत्र लगाकर कनेक्शन अपने नाम पर लिया। इस जानकारी के बाद पीड़ित बीआर यादव ने बिजली विभाग में संपर्क किया। जानकारी हुई कि बीआर यादव के द्वारा ही विभाग में कनेक्शन काटने के लिए आवेदन किया था। आवेदन फार्म पर पीड़ित के जाली साइन, आरोपी संजय की फोटो व मोबाइल नंबर दर्ज था। पीड़ित ने मामले की शिकायत डीसीपी पूर्वी से की। आरोप लगाया कि आरोपी संजय ने करोड़ों का मकान हड़पने के लिए फर्जीवाड़ा किया है। शुरुआती जांच में आरोप सही मिलने पर गाजीपुर पुलिस ने संजय मल्होत्रा के खिलाफ जाली दस्तावेज के आधार पर धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

दलित समाज पर की अभद्र टिप्पणी, रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार, लखनऊ : सोशल मीडिया पर डॉ. भीमराव आंबेडकर के खिलाफ अभद्र टिप्पणी कर दलित समाज के लिए जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर गालियां पोस्ट की गई। मामले में भीम आर्मी के विधानसभा अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार समेत तीन के खिलाफ महिगवां थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी है। इंस्पेक्टर रामकुमार गुप्ता ने बताया कि साइबर क्राइम सेल की मदद से आरोपियों के सोशल मीडिया अकाउंट की जांच की जा रही है। वीरेंद्र कुमार ने तहरीर में लिखा कि इंदारा गांव के रहने वाले अभिनंदन सिंह चौहान, अभिषेक चौहान और रघुनाथपुर के रहने वाले रोहित सिंह अक्सर सोशल मीडिया पर बाबा साहेब के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करते हैं। इसके साथ दलित समाज के लिए गालियां पोस्ट करते हैं।

हाईकोर्ट पार्किंग में युवक पर हमला युवती को अगवा करने का प्रयास

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- **विभूतिखंड थाने में तीन नामजद और चार अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज**

अमृत विचार : हाईकोर्ट में पेशी पर अंबेडकरनगर से आए युवक और युवती पर कुछ लोगों ने परिसर में ही जानलेवा हमला किया। आरोपियों ने कार में तोड़फोड़ करते हुए महिला को खींचकर अगवा करने का प्रयास किया। विरोध पर युवक को ज मकर पीटा। शोर सुनकर सुरक्षाकर्मी व सिपाही दौड़े तो आरोपी धमकाते हुए फरार हो गए। न्यायिक अधिकारी को वारदात की जानकारी देने के बाद पीड़ित ने विभूतिखंड थाने में तीन नामजद और 4-5 अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करायी है।

अंबेडकरनगर के जलालपुर भियाव स्थित दौलताबाद निवासी सर्वज्ञ तिवारी ने बताया कि एक मामले को लेकर हाईकोर्ट में रिट की थी। बुधवार को उक्त रिट पर सुनवाई थी। सर्वज्ञ ने बताया कि वह और परिचित शिफा शेख निवासी ग्राम भनपुरवा भयाव जलालपुर अंबेडकरनगर कार से पेशी पर आए थे। करीब 10:30 बजे सर्वज्ञ हाईकोर्ट के अंदर कार पार्क कर रहे थे। इस बीच अजीज शेख, अनवर शेख, वाजिद शेख और कुछ अन्य लोग पहुंचकर गाली-गलौज करने लगे।

विरोध पर आरोपियों ने लात घूसों से जमकर पीटा। कार के शीशे तोड़ दिए। गाड़ी में बैठी शिफा को खींच लिया। उससे अभद्रता की कार में डालकर ले जाने का प्रयास किया। सर्वज्ञ ने बताया कि विरोध पर हमलावरों ने उनका गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की। शोर सुनकर जबतक सुरक्षाकर्मी और पुलिस कर्मी दौड़े तो आरोपी धमकाते हुए भाग निकले। पुलिस ने पीड़ितों को अस्पताल पहुंचाया। इंस्पेक्टर विभूतिखंड अमर सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों में पुराना विवाद है। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

परिवहन आयुक्त ने किया आरटीओ कार्यालय का निरीक्षण

साफ-सफाई, फाइलों के रख-रखाव, पार्किंग, पेयजल और होमगार्डों के बैठने की व्यवस्था का लिया जायजा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश के परिवहन आयुक्त बीएन सिंह ने गुरुवार को ट्रांसपोर्ट नगर स्थित आरटीओ कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यालय की साफ-सफाई, फाइलों के रख-रखाव, पार्किंग, पेयजल और होमगार्डों के बैठने की व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने लाइसेंस और अन्य कार्यों के लिए आए आवेदकों से बातचीत कर उन्हें मिलने वाली सुविधाओं और समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने कतार में खड़े लोगों से भी संवाद किया और परिवहन विभाग की ऑनलाइन सेवाओं के बारे में जानकारी दी व उन्हें इसके प्रति जागरूक किया। आयुक्त ने बताया कि विभाग आमजन के लिए तत्परता से कार्य कर रहा है और लगभग सभी सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हैं, जिससे जनता को काफी सुविधा हो रही है। उन्होंने गोमती नगर में जल्द ही एक नया एआरटीओ कार्यालय खोले जाने की जानकारी भी दी। इसके साथ ही उन्होंने ''नो हेलमेट, नो फ्यूल'' अभियान को सफल बनाने की अपील की और बताया कि वर्ष 2016 से 2021 तक के लंबित चालानों का निस्तारण किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान विभागीय अधिकारी भी उपस्थित रहे।

आरटीओ कार्यालय के निरीक्षण के मौके पर परिवहन आयुक्त बीएन सिंह व अन्य।

फर्जीवाड़ा कर बेची गई सरकार के नाम दर्ज 16 बीघा जमीन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- **एलडीए की ओर से दायर किए गए वाद में उप जिलाधिकारी सदर ने सुनाया फैसला**

अमृत विचार: बहुजन निर्बल सहकारी गृह निर्माण समिति ने फर्जीवाड़ा कर एलडीए की 16 बीघा जमीन बेच दी थी। इस मामले में सदर तहसील के उप जिलाधिकारी कोर्ट ने बुधवार को फैसला सुनाया। इस मामले में समिति के खिलाफ एलडीए ने वाद दायर किया था। कोर्ट के आदेश पर कुल 16 बीघा से अधिक भूमि अब सरकार के नाम दर्ज हो गई है। समिति ने इन मामलों में तर्क दिया कि जिस कानून (जमींदारी अधिनियम) के तहत कार्रवाई की जा रही है, उसे बहुत पहले ही निरस्त कर दिया गया था।

उन्होंने यह भी तर्क दिया कि इस भूमि पर सदस्य घर बना चुके हैं और पहले के मुकदमों में वे हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से जीत चुके हैं। एसडीएम कोर्ट ने इन तर्कों को खारिज करते हुए कहा कि कानून उस समय लागू था, जब ये गैरकानूनी सौदे किए गए थे। कोर्ट ने चारों मामलों में बहुजन निर्बल वर्ग सहकारी गृह निर्माण समिति के कब्जे वाली कुल 16 बीघा 13 बिसवां 29 बिस्वांसी भूमि को समस्त भार-बंधनों से मुक्त करके राज्य सरकार में निहित करने का आदेश दिया। अलग-अलग गाटों में थी जमीन चारों मामले बहुजन निर्बल वर्ग सहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटेड से जुड़े हैं। कोर्ट ने इन भूखंडों की बिक्री में दो प्रमुख कानूनी उल्लंघनों को आधार मानते हुए यह फैसला सुनाया। कोर्ट के मुताबिक ये सौदे उत्तर प्रदेश जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम, 1950 की दो धाराओं 168ए और 157ए का उल्लंघन करते हैं। कोर्ट ने पाया कि दो मामलों (गाटा संख्या 54 और 25) में भूमि को छोटे-छोटे टुकड़ों में बेचा गया था, जो कि चकबंदी के नियमों के विरुद्ध था। इसी तरह गाटा संख्या 54 में बेची गई 4 बीघा 11 बिस्वां 13 बिस्वांसी भूमि को सरकारी घोषित किया गया।

करोड़ों की जालसाजी करने वाले दंपति समेत तीन पर गैंगस्टर की रिपोर्ट

■ **अमृत विचार, लखनऊ :** करोड़ों का फर्जीवाड़ा करने वाले दंपति समेत तीन के खिलाफ हजरतगंज कोतवाली में गुरुवार को यूपी गैंगस्टर एक्ट की रिपोर्ट दर्ज की गयी है। रिपोर्ट इंस्पेक्टर हजरतगंज विक्रम सिंह ने दर्ज करायी है। आरोप है कि तीनों आरोपी गिरोह बनाकर ठगी करते थे। आरोप है कि तीनों ने कंपनी बनाकर लोगों का करोड़ों का माल हड़प लिया। पुलिस तीनों आरोपियों की संपत्तियों का ब्योरा जुटा रही है। इंस्पेक्टर हजरतगंज विक्रम सिंह ने बताया कि आरोपियों में सरगना आशुतोष मिश्र, उसकी पत्नी नीतू निवासी जानकीपुरम और उनकी साथी प्रीति पांडेय निवासी हंसखेड़ा पारा हैं। आरोपियों ने रुद्रा इंटरप्राइजेज से करीब 3 लाख से अधिक रुपये का माल लिया था। उसके बाद भुगतान नहीं किया। फर्म मालिक ने भुगतान मांगा तो जान से मारने की धमकी दी गयी। इसके साथ ही एक अन्य फर्म से भी करीब 5 लाख रुपये का माल हड़पा था। इंस्पेक्टर ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ वर्ष 2024 में कारोबारी ने 4 .50 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज हुई थी। इसके साथ ही आरोपी आशुतोष ने एक मामले में पीड़ित के अधिवक्ता से मारपीट कर उसका मोबाइल भी छीन लिया था। इन अपराधों के चलते आरोपियों के खिलाफ यूपी गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की गयी है। इंस्पेक्टर विक्रम सिंह ने बताया कि दंपति व प्रीति की संपति खंगाली जा रही है। ब्योरा जुटाने के बाद संपति कुर्क की कार्रवाई की जाएगी।

सहपाठी ने जीना किया दूभर, ब्लैकमेल कर किया बदनाम

■ **अमृत विचार, लखनऊ :** चिनहट में रहने वाली एक युवती के पूर्व सहपाठी ने जीना दूभर कर दिया है। आरोपी पीड़िता की फोटो व अन्य जानकारी वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाया। आरोपी ने पीड़िता के गर्भपात की झूठी कहानी बनाकर घरवालों को बता दी। जिसके चलते घरवालों ने उसे बेघर कर दिया। हताश पीड़िता ने चिनहट कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज करायी है। इंस्पेक्टर दिनेश चंद्र मिश्र ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। विज्ञान खंड निवासी 22 वर्षीय युवती ने बताया कि निजी विवि में पढ़ाई के दौरान सहपाठी गोरखपुर निवासी राज गौरव यादव से दोस्ती हुई। रोजाना मिलने के दौरान राज गौरव ने कई फोटो मोबाइल पर खींची। आरोपी ने कई बार बहाने बनाकर उससे रुपये उधार लिए। आरोपी करके लगातार उस पर रुपये उधार देने का दबाव बनाता रहा। पीड़िता ने दूरी बनाने का प्रयास किया तो आरोपी राज गौरव उसकी निजी फोटो उसके माता-पिता को भेजने के साथ ही सोशल मीडिया पर फोटो वायरल करने की धमकी देता।

सतर्कता

सीएफओ ने जारी किए जरूरी निर्देश

आतिशबाजी की दुकानों व बाजारों का किया निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : दीपावली को लेकर आतिशबाजी की दुकानों और बाजार तैयार होने लगे हैं। बाजार व दुकानों का मुख्य अग्निशमन अधिकारी के नेतृत्व में निरीक्षण किया गया। इस दौरान दुकानदारों को कई जरूरी निर्देश दिये गये। ताकि हादसों से लोगों को सुरक्षित रखा जाए।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी अंकुश मित्तल ने गोसाईंगंज में तैयार किये जा रहे आतिशबाजी विक्रय और निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। वहां अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता, विस्फोटक पदार्थों के भंडारण की व्यवस्था, अग्नि सुरक्षा दी, निकासी मार्ग की जांच की। सीएफओ ने पटाखा कारोबारियों को निर्देश दिया कि अग्निशमन यंत्रों को हमेशा सक्रिय रखें। भंडारण निर्धारित सीमा तक ही करें।

धूम्रपान व खुली आग पर रोक लगायें, श्रमिकों को अग्निशमन प्रशिक्षण दिया जाए और आपात निकासी मार्ग हर समय खुला रखें। इन निर्देशों का पालन न करने वाले दुकानदारों को लाइसेंस जारी नहीं किया जाएगा। वहीं कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

निर्देश देते मुख्य अग्निशमन अधिकारी।

आतिशबाजी की दुकान का निरीक्षण करते मुख्य अग्निशमन अधिकारी।

महिला ने फंदा लगाकर दी जान

अमृत विचार, सरोजनीनगर: थाना क्षेत्र में गुरुवार शाम महिला ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मूल रूप से बलिया निवासी नीतू श्रीवास्तव (40) पत्नी अरविंद श्रीवास्तव सरोजनीनगर के शराफत नगर में रहती थी। गुरुवार शाम करीब पांच बजे नीतू घर लौटी थी। करीब 6 बजे पति अरविंद ने उसे कई बार कॉल की लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ। अरविंद ने पास में रहने वाले रिश्तेदार प्रिंस को फोन कर घर भेजा। रिश्तेदार घर पहुंचा तो नीतू दुपट्टे के सहारे लटकी मिली। इंस्पेक्टर ने बताया कि अरविंद एलआईसी एजेंट का काम करता है। वह बलिया में है। खुदकुशी की वजह साफ नहीं हो सकी है।

अमृत विचार
अवध बाज़ार

GSTIN:09CUOPT8181M1ZE
THE SOLAR POWER
We Deals: Residential & Commercial Solar System
On-Grid & Off Grid Consultation, Installation
SS-2 SEC D1 1679 B LDA OPP
LAW COLLEGE ROAD ASHIYANA LUCKNOW 226012
Loan available at just 7% interest
Ankur tiwari
CONTACT : +917705009011
PM MUFT BIJLI YOJNA

HotelEKAS
Wedding | Engagement | Anniversary
Rooms | Conference | Restaurant | Kitty Party
Birthday Party Rooftop Opening Soon
Capacity of Banquet starting form 50 to 800 Pax
279/48, Behind Charbagh Bus Station
Mawaiya Scheme 81, Kanpur Road,
Pan Dariba Lucknow - 226005
0522-4115460, +91-9936024555,

Residential/ Investment Plots available
CIVILIAN GREEN
CIVILIAN'S DREAM
CIVILEA GREEN CITY
Kanpur Road, Lucknow
Mob: 9616826300
OFFICE :- CIVILEA CONSTRUCTION
Near Kaiserbagh Kotwali Lucknow

GSTIN:09CFBPB7686B1ZJ
Dot Energy Enterprises
We Deals: Residential & Commercial Solar System
On-Grid & Off Grid Consultation, Installation
Add : 367/21, Fatuhabad, Sahadatganj,
Near Samrahi chowki Lucknow, Uttar Pradesh
Mob: 8948021107
PM MUFT BIJLI YOJNA

सिटी ब्रीफ

सीमा सिंह को मिलेगा कविता पुरस्कार

अमृत विचार, लखनऊ : केपी सिंह मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट की अध्यक्ष नमिता सिंह और जनवादी लेखक संघ के केन्द्रीय संयुक्त महासचिव नलिन रंजन सिंह ने बताया कि वर्ष 2024 का मलखान सिंह सिसौदिया कविता पुरस्कार सीमा सिंह को उनके कविता संग्रह कितनी कम जगहें हैं के लिए दिया जाएगा। प्रख्यात कवि मलखान सिंह सिसौदिया द्वारा वर्ष 2007 में स्थापित यह पुरस्कार प्रतिवर्ष किसी युवा कवि को दिया जाता है। सीमा सिंह का कविता संग्रह कितनी कम जगहें हैं की कविताएं आम जीवन का प्रतिबिम्ब हैं। उनकी कविताओं की रेंज बड़ी है। उनकी कविताओं पर चर्चित कवि मदन कश्यप लिखते हैं कि सीमा सिंह की कविताएं हिन्दी की स्त्री कविता को एक अलग पहचान देती हैं। प्रतिरोध उनके यहां सतह पर नहीं है, बल्कि वह स्त्री जीवन के दुख और संघर्ष में अन्तर्निहित विडम्बनाओं और विसंगतियों के उद्घाटन के साथ प्रकट होता है।

राम कथा में सुनाया सीताराम विवाह प्रसंग

अमृत विचार, लखनऊ : त्रिवेणीनगर स्थित प्राथमिक विद्यालय मैदान में चल रही रामकथा के 5वें दिन गुरुवार को कथा व्यास दिलीप शुक्ल ने राम विवाहोत्सव प्रसंग में कहा कि सीताराम विवाह केवल एक दाम्पत्य संबंध नहीं, बल्कि धर्म, मर्यादा और आदर्श जीवन मूल्यों की स्थापना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आज के युग में जहां संबंध तात्कालिक सुख पर आधारित हो रहे हैं, जबकि राम-विवाह हमें नि:स्वार्थ प्रेम, सम्मान और धैर्य की प्रेरणा देता है। यह प्रसंग हमें याद दिलाता है कि जब संबंध धर्म के आधार पर बनते हैं, तो वे युगों तक प्रेरणा बनते हैं। उन्होंने कहा कि राम और माता सीता का यह विवाह केवल पाणिग्रहण संस्कार नहीं था, यह धर्म और मर्यादा के संयोग का संदेश था। इस अवसर पर डॉ. वीके खन्ना, महेंद्र श्रीवास्तव, प्रदीप शर्मा, मुकेश शर्मा, विवेक सोनकर मौजूद रहे।

जीएसटी के नए नियमों में उलझा व्यापारी

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने कहा कि जीएसटी के नए नियमों के मकड़जाल में फिलहाल व्यापारी उलझ गया है। जिन वस्तुओं पर 18, 12 और 5 प्रतिशत जीएसटी थी अब उसकी दर जीरो हो गई है। जाहिर सी बात है कि अब जब उन सभी वस्तुओं को 22 सितम्बर से बचा हुआ स्टॉक निल कर बेचेंगे तो उक्त बचे स्टॉक की कीमत पर जो आईटीसी ली है उसे वापस करना होगा। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि मान लीजिए कि 10,000 रुपये का माल ख़रीदा गया था। 21 सितम्बर की रात 11/59 तक हमें कोई आईटीसी वापस नहीं करना है। 22 की सुबह हमारे पास दो हजार रुपये का स्टॉक बचता है तो उस पर 18 फीसद टैक्स यानी 360 रुपये उसे क्रेडिट लेजर में बैलेंस होने पर व्यापारी को भुगतान करना ही होगा। सेक्शन 18 और सेक्शन 4 में यह विषय आएगा। दूसरा सवाल है कि जो पैसा वापस किया जाएगा उसकी भरपाई कौन करेगा। जाहिर है कि उसे व्यापारी कीमत में ही जोड़ेंगे। कुल मिलाकर व्यापारी टैक्स के मकड़जाल में फंसा रहेगा। जनता को क्या मिलेगा यह 22 के बाद ही पता चलेगा।

अमरनाथ मिश्र

पुस्तक मेले में नई किताबें तलाशते नजर आए युवा

बलरामपुर गार्डन में उमड़ा पुस्तक प्रेमियों का हुजूम, काव्य समारोह में डॉ. अजय प्रसून और बेअदब लखनवी की पुस्तकों का विमोचन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पुस्तक मेले के 8वें दिन पुस्तकों के बीच सबसे ज्यादा नजर आए विद्यार्थी

अमृत विचार : अशोक मार्ग स्थित बलरामपुर गार्डन में चल रहे राष्ट्रीय पुस्तक मेले में गुरुवार की शाम को पुस्तक प्रेमियों का हुजूम उमड़ पड़ा। पुस्तकों के बीच सबसे ज्यादा विद्यार्थी नजर आये। पुस्तक मेले का आज 8वां दिन था।

पुस्तक मेले में युवाओं की मुख्य तलाश नये कलेवर के कथा साहित्य के साथ ही करियर के हिसाब से उच्च शिक्षा की किताबों की है। जबकि साहित्य प्रेमियों की खोज नई किताबों की है। बोधरस के स्टाल पर रमाकांत की पौराणिक गाथा एकदन्त एकदम नयी है। अमित तिवारी की माया मरी न मन मरा का नया संस्करण आया है। गायत्री ज्ञान मंदिर के स्टाल पर आचार्य श्रीराम शर्मा की छोटी बड़ी सैकड़ों पुस्तकें हैं।

सांस्कृतिक मंच पर गुरुवार को वरिष्ठ लेखक भगवान स्वरूप कटियार द्वारा सम्पादित और सम्यक प्रकाशन द्वारा प्रकाशित पूर्व विधान परिषद सदस्य एवं पूर्व सांसद महाराज सिंह भारती की कालजयी रचनाओं सृष्टि और प्रलय तथा उनके समग्र लेखन के पहले भाग का विमोचन किया गया। सुहेल वहीद के संचालन में चले विमर्श में लमही के सम्पादक विजय राय, राकेश वेदा, शकील सिद्दीकी, भगवान स्वरूप कटियार, अशोक चन्द्र ने विचार रखे। वक्ताओं ने उनकी रचनाओं को सामयिक बताया।

बलरामपुर गार्डन में चल रहे राष्ट्रीय पुस्तक मेले में लगे स्टाल पर पुस्तक तलाशती युवती। अमृत विचार

अनागत साहित्य संस्थान के काव्य समारोह में डॉ. अजय प्रसून और बेअदब लखनवी की पुस्तकें विमोचित हुईं। पूर्व में नवोदय साहित्यिक और रमा साहित्यिक संस्था के संयोजन में डॉ. शिवमंगल सिंह मंगल की अध्यक्षता व गोपाल ठहाका के संचालन में आयोजित काव्य समारोह हुआ। समारोह में सरवर लखनवी, अरविन्द झा, संदीप अनुरागी, कमलेश मृदु मौर्य, अष्ठाना महेश प्रकाश, गिरधर खरे, मनमोहन बाराकोटी, शीला वर्मा, मीरा, पूजा श्रीवास्तव, भारती पायल, पूजा अग्रवाल, टीएस गौतम, गंगेश कुमार मिश्र व ज्योति रतन ने रचनाएं पढ़ीं।

अच्छे स्वास्थ्य के 51 नुस्खे और हाफ डाक्टर पुस्तकों के कार्यक्रम में लेखक द्वय डॉ. संदीप कुमार और अजय अग्रवाल ने डॉ. अभिषेक शुक्ला, डॉ. अनिल कुमार शुक्ला, डॉ. एपी माहेश्वरी, डॉ. मृदुल मल्होत्रा जैसे चिकित्सकों और लेखिका विनीता मिश्रा की उपस्थिति में अपनी किताब के हवाले से बीमारियों और इलाज के बारे में बताया।

दलित स्त्री लेखन और वर्तमान स्थितियों का खाका अनिता भारती, डॉ. शैलेन्द्र, डॉ. प्रियंका सोनकर, प्रो. सुप्रिया पाठक और रविन्द्र भारतीय ने खींचा।

कलाम के जरिए पेश की नजराना-ए-अकीदत

अमृत विचार, लखनऊ : पैगम्बर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब और इमाम जाफर सादिक के जन्मोत्सव के अवसर पर पाटानाला स्थित अजाखाना हकीम सैय्यद मोहम्मद तकी जैदी में जश्न तुलु-ए-शम्स-ए-रिसालत का आयोजन किया गया। मौलाना अली मुत्तकी जैदी और मौलाना मीसम द्वारा आयोजित इस महफ़िल में शायरों ने अपने कलाम के जरिये हजरत मोहम्मद साहब और इमाम जाफर सादिक को नजराना-ए-अकीदत पेश की। नय्यर मजीदी के संचालन में हुई इस महफ़िल में शायर-ए-अहलेबैत हसन फराज का शेर वाकई जो तेरा जलवा है बयां होने लगे, जो हुआ था तूर पर सब यहां होने लगे। और ये जिक्र ये मिजाजे कलम भी तुझी से है, मौला मेरे कलम का भरम भी तुझी से है, को खूब पसंद किया गया।

उत्कृष्ट कार्य के लिए मिला गोल्डन गाला अवार्ड

नव अंशिका फाउंडेशन के छठे स्थापना दिवस पर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : नव अंशिका फाउंडेशन के छठे स्थापना दिवस के अवसर पर सीजन-2 गोल्डन गाला अवार्ड 2025 का आयोजन गुरुवार को स्थानीय विराज खंड स्थित होटल कैसियो कलेक्शन में किया गया। इस अवसर पर नव अंशिका प्राइड अवार्ड भी समारोह से जोड़ा गया। समारोह में पॉपुलर टीवी एक्ट्रेस पारुल चौहान सेलिब्रिटी गेस्ट थीं।

इस अवसर पर इलेक्ट्रिफाइंग कल्चरल शो और ट्रेंडी फैशन शो का भी आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि बीजेपी के स्टेट एग्जीक्यूटिव मेंबर राहुल गुप्ता थे। इस अवसर पर से राष्ट्रीय अवार्ड विजेता और सेलिब्रिटी फैशन डिजाइनर ओमदीप मोतियानी और पॉपुलर सेलिब्रिटी फैशन डिजाइनर सौम्या साहू की भूमिका रही।

नव अंशिका फाउंडेशन की निदेशक नीशू त्यागी के अनुसार सीजन-2 गोल्डन गाला अवार्ड 2025 राज्य महिला आयोग की सदस्य ऋचु शाही, हिन्द इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के आर्थोपेडिक विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. संजय श्रीवास्तव, अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मंजू बिष्ट, लोकप्रिय लोक गायिका नूतन पांडे, बाबू सुंदर सिंह ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट मैनेजमेंट की वाइस चेयरपर्सन रीना सिंह, सीनियर सब इंस्पेक्टर अनूप मिश्र अपूर्व, यूपी प्रोफेशनल मॉडल रेनू भारती, अंतरराष्ट्रीय रामायण एंड वैदिक रिसर्च इंस्टीट्यूट के पूर्व निदेशक डॉ. लवकुश द्विवेदी, संस्कृति विभाग के पूर्व कार्यक्रम अधिकारी कमलेश पाठक सहित अन्य हस्तियों को दिया गया। नव अंशिका प्राइड अवार्ड अंबिका प्रसाद, कृष्ण त्रिपाठी, किशन लाल शाह, नीरा लोहानी और सीमा भट्ट को दिया गया।

विराज खंड स्थित एक होटल में आयोजित कार्यक्रम में गोल्डन गाला अवार्ड 2025 से सम्मानित की गईं विभूतियां। अमृत विचार

सांस्कृतिक कार्यक्रम में गार्गी द्विवेदी की कथक की विशेष प्रस्तुति देखते ही बनी। उन्होंने प्रभावी कथक नृत्य प्रस्तुत किया। इसके साथ ही नूतन पाण्डेय ने इस समारोह में विशेष रूप से इन आंखों की मस्ती गीत सुनाया। कथक के क्षेत्र में उभरता नाम अंशिका त्यागी की प्रस्तुति ने आयोजन को परवान चढ़ाया।

सड़कों से हटवाया गया अतिक्रमण जब्त किया सामान, वसूला जुर्माना

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : नगर निगम ने सड़कों पर अवैध अतिक्रमण के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। गुरुवार जोन वार अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की गई। सड़क किनारे सामान जब्त करके जुर्माना वसूला गया। दोबारा अतिक्रमण मिलने पर कार्रवाई की चेतावनी दी। कार्रवाई का कुछ दुकानदारों ने विरोध किया और टीम ने कहासुनी हुई।

प्रवर्तन टीम ने पुलिस बल के साथ जोन 2 अंतर्गत नक्खास चौराहे से खाला बाजार थाना तक अभियान चलाया गया। इस दौरान प्रतिबंधित पॉलिथीन का इस्तेमाल करने पर 13 चालान काटे गए। गंदगी फैलाने पर 18 हजार रुपये और पॉलिथीन के उपयोग पर 26 हजार रुपये का जुर्माना वसूला किया। इसके अलावा जोन-4 अंतर्गत गोमती नगर रेलवे स्टेशन के बाहर और लोहिया अस्पताल के पास कार्रवाई की गई। इस दौरान ठेले, बेंच, सिलेंडर आदि सामान जब्त करके फुटपाथ से अतिक्रमण हटाया।

जोन 5 अंतर्गत आलमबाग बस अड्डे से अवध चौराहे तक दोनों ओर आठ काउंटर, चार गुमटी और 10 ठेले हटाए गए। अतिक्रमणकारियों से 400 रुपये का शमन शुल्क वसूला। वहीं, जोन 6 में वार्ड बालागंज और लालजी टंडन क्षेत्र में शिकायत के आधार पर बरावन कला से लेकर पावर हाउस चौराहे तक विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान 15 ठेले, 4 झुग्गी-झोपड़ी और 12 अस्थायी दुकानें हटवाई गईं। सामान जब्त करके 3 हजार रुपये जुर्माना वसूला गया। जोन 7 में मुंशी पुलिया फल मंडी से माही मेडिकल तक अतिक्रमण को हटाया।

अभियान चलाकर माल चौराहे से हटवाए कब्जे

अमृत विचार, माल : माल पुलिस ने गुरुवार की दोपहर माल चौराहे के मार्गों पर अतिक्रमण हटवाया। गुरुवार की दोपहर माल थाना प्रभारी नवाब अहमद के नेतृत्व में एसएसआई हरिदास चौरसिया ने भारी पुलिस बल के साथ कस्बे के चौराहा और उसके आसपास के रोड ऊपर अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों का अतिक्रमण हटवाया। चेतावनी दी कि दोबारा अतिक्रमण मिला तो कार्रवाई की जाएगी।

स्वदेशी अपनाने को व्यापारियों ने चलाया हस्ताक्षर अभियान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लखनऊ युवा व्यापार मंडल की ओर से चलाया गया अभियान

अमृत विचार : लखनऊ व्यापार मंडल कार्यालय में स्वदेशी अपनाओ हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। इसमें लखनऊ के विभिन्न बाजारों से आए व्यापारियों ने अपना समर्थन हस्ताक्षर किया। युवा व्यापार मण्डल के अध्यक्ष मनीष गुप्ता ने बताया स्वदेशी अपनाने का नारा बुलंद किया गया। ऑनलाइन ट्रेडिंग बंद करो की अपील भी की गई। हस्ताक्षर अभियान शाम 6 बजे तक निरंतर जारी रहा।

लखनऊ युवा व्यापार मंडल द्वारा आगामी दिनों में एलडीए की समाधान बैठक भी बुलाई गई है। सभी व्यापारियों को सूचना दे दी गई है। युवा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष निखिल रस्तोगी द्वारा युवा शक्ति को मज़बूती देते हुए फैजुल्लागंज, प्रीति नगर, सीतापुर रोड, मड़ियांव, अमीनाबाद, रकाबगंज, सहित अन्य बाज़ारों के लगभग दो सौ से अधिक व्यापारियों को संगठन मे जोड़ने का कार्य किया गया है। इस दौरान लखनऊ व्यापार मण्डल के महामंत्री अभिषेक खरे, पूर्व पार्षद लखविंदर सिंह, विनय जोगी, ओम अग्रवाल, नितिन जैन, अंकुर, मो. वसीम, राजू साहू, राज श्रीवास्तव, मो. मुस्तकीम, मो. नौशाद सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थिति रहे।

हस्ताक्षर अभियान में शामिल युवा व्यापारी।

महिलाओं को स्तनपान का सही तरीका सिखाएंगी नर्सें

अमृत विचार, लखनऊ : वीरांगना अवंतीबाई महिला अस्पताल (डफरिन) में जन्म लेने के तुरंत बाद नवजात शिशुओं को दूध पिलाने का सही तरीका उनकी माताओं को बताया जायेगा। इसका जिम्मा अस्पताल की नर्स उठायेंगी। इतना ही नहीं यदि कोई प्रसूता बच्चे के जन्म के बाद आईसीयू में रहती है तो परिवार की दूसरी महिलाओं को नवजात को दूध पिलाने के सही तरीके की जानकारी नर्सें प्रदान करेंगी। इसके लिए डफरिन अस्पताल में एक कक्ष अलग से बनाया गया है। इसकी शुरुआत गुरुवार को अस्पताल की प्रमुख अधीक्षिका डॉ. ज्योति मेहरोत्रा ने किया।

डफरिन की प्रमुख अधीक्षिका डॉ. ज्योति मेहरोत्रा और सीएमएस डॉ. रंजना प्रसाद ने बताया कि जन्म के तुरंत बाद ज्यादातर माताएं स्तनपान नहीं करा पाती हैं। उसके कई कारण होते हैं। ऐसे में नवजात को 24 से 72 घंटे तक ऊपर का दूध पिलाया जाता है। नवजात को दूध पिलाने में बहुत अधिक सावधानी की जरूरत होती है। यदि नवजात को गलत तरीके से दूध पिलाया जाता है तो उसकी सांस नली या नाक में दूध जाने का खतरा बना रहता है। इससे नवजात को समस्या हो सकती है। अस्पताल के वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. सलमान ने बताया कि जन्म के तुरंत बाद नवजात को कितनी मात्रा में कैसे दूध पिलाना है, इसका तरीका मां के अलावा अस्पताल में साथ रहने वाली महिला तीमारदारों को बताना बहुत जरूरी होता है।

सिटी डायरी

सेना को मिले 132 अधिकारी

अमृत विचार, लखनऊ : सीनियर कैडर कोर्स-2 के प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के भाग के रूप में गुरुवार को छावनी स्थित आर्मी मेडिकल कोर सेंटर और कॉलेज के ऑफिसर्स ट्रेनिंग कॉलेज में कोर्स समापन परेड आयोजित की गई। इसमें 132 गैर-कमीशन अधिकारियों ने भाग लिया। गहन प्रशिक्षण प्राप्त ये सभी अधिकारी आनेवाले समय में उच्च पद ग्रहण करेंगे। सैन्य परंपराओं के साथ आयोजित परेड की समीक्षा मेजर जनरल विनोद कुमार पात्रा, कमांडेंट और मुख्य प्रशिक्षक, ऑफिसर्स ट्रेनिंग कॉलेज, एएमसी सेंटर एवं कॉलेज ने की। 414 फील्ड अस्पताल के हवलदार (स्वास्थ्य सहायक) रणबीर सिंह को पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान हासिल करने के लिए नायक दीपक सिंह, वीर चक्र रोलिंग ट्रॉफी एवं लेफ्टिनेंट जनरल पीवी रामचंद्रन कैश अवॉर्ड के रुप में 2500 रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

परेड की समीक्षा करते मेजर जनरल विनोद कुमार पात्रा।

सौंदर्य उत्पादों के साथ रेवलॉन इंडिया की कार्यकारी निदेशक मेघना मोदी।

सौंदर्य बाजार में धमक बढ़ाएगा रेवलॉन

अमृत विचार, लखनऊ : मोदी-मुंडीफार्मा ब्यूटी प्रोडक्ट्स के साथ साझेदारी में रेवलॉन इंडिया की कार्यकारी निदेशक और भारतीय उपमहाद्वीप की प्रमुख मेघना मोदी गुरुवार को लखनऊ में थीं। मीडिया से मुखातिब मेघना मोदी ने कहा कि हम अपने ब्रांड के वादे के अनुरूप व्यवसाय का निर्माण करने की योजना बना रहे हैं। दुनिया को एक साहसिक तरीके से आगे बढ़ाना, हर महिला को वह मंच प्रदान करना जिसकी उन्हें पूरी तरह से स्वतंत्र रूप से और उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने के लिए आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि रेवलॉन इंडिया एक आक्रामक विकास पथ पर है और अगले 2-3 वर्षों में भारत में अपने ब्रांड आउटलेट्स को 300 से बढ़ाकर 600 आउटलेट्स और 1000 डिपार्टमेंटल स्टोर में अपनी उपस्थिति को बढ़ाकर 4000 डिपार्टमेंटल स्टोर्स तक पहुंचाने की है।

संवाद कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते अतिथि।

लक्ष्य 2047 पाने के दिए टिप्स

अमृत विचार, लखनऊ : 'समर्थ उत्तर प्रदेश- विकसित उत्तर प्रदेश 2047' की परिकल्पना को साकार करने के लिए गुरुवार को तेलीबाग स्थित भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के सभागार में कृषक और विज्ञानियों के बीच संवाद हुआ। कार्यक्रम में लक्ष्य 2047 प्राप्त करने के दिए सुझाव दिए गए। कार्यक्रम की शुरुआत संयुक्त कृषि निदेशक डॉ. अजय कृष्ण ने की। उन्होंने पीपीटी के माध्यम से कृषि एवं सहयोगी विभागों द्वारा चलाई जा रही आठ वर्षों की योजनाओं का प्रजेंटेशन दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व मुख्य सचिव उप्र अनूप चंद पांडे ने की। उन्होंने संगोष्ठी में आए प्रगतिशील किसानों, अनुभवी प्रबुद्धजनों कृषि क्षेत्र में अपने सुझाव दिए।

छठ घाट पर सफाई शुरू

अमृत विचार, सरोजनीनगर : सरोजनी नगर द्वितीय वार्ड स्थित बंधुवा तालाब के छठ पूजा घाट पर गुरुवार को सफाई कार्य शुरू कर दिया गया है। तालाब से जलकुंभी निकालने के लिए पार्षद की ओर से मजदूर लगाए गए हैं, ताकि आगामी छठ पर्व पर श्रद्धालुओं को स्वच्छ जल और साफ-सुथरा घाट उपलब्ध हो सके। पार्षद रामनरेश रावत ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए तालाब किनारे एक नए घाट का निर्माण भी अगले सप्ताह से शुरू कराया जाएगा।

छठ पर्व की तैयारी को लेकर सरोजनी नगर में तालाब की सफाई करते मजदूर।

चिकित्सा

जन्मजात हृदय रोग को लेकर एसजीपीजीआई को 4 .18 करोड़ का अनुदान

नवजात के दिल की बीमारियों पर पीजीआई करेगा शोध

संवाददाता, पीजीआई/लखनऊ

अमृत विचार: संजय गांधी पीजीआई अब नवजात के दिल से जुड़ी बीमारियों की जड़ तक पहुंचने के लिए शोध करेगा। संस्थान को इसके लिए आईसीएमआर से 4.18 करोड़ रुपये का बड़ा अनुदान मिला है।

स्टेम सेल अनुसंधान केंद्र, रक्त विज्ञान विभाग के अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. चंद्र प्रकाश चतुर्वेदी ने बताया कि इस प्रोजेक्ट के तहत जन्मजात हृदय दोष (आईसीएचडी) पर विशेष अध्ययन होगा। शोध का मकसद गर्भावस्था में ही भ्रूण की जांच कर शुरुआती स्तर पर बीमारी की पहचान करना और भविष्य में इलाज की नई तकनीकी विकसित करना है।

इस परियोजना में मातृ एवं प्रजनन स्वास्थ्य विभाग की प्रो. मन्दाकिनी प्रधान और डॉ. नीता सिंह सह-अन्वेषक होंगी। वे गर्भवती महिलाओं के भ्रूणों की जांच, स्क्रीनिंग और एम्नियोटिक द्रव के नमूने लेने में सहयोग करेंगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह शोध जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित नवजात शिशुओं को बचाने और परिवारों को नई उम्मीद देने में मील का पत्थर साबित होगा।

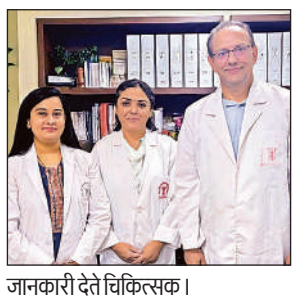

जानकारी देते चिकित्सक।

संतुलित आहार पुरुषों का असली हेल्थ इंश्योरेंस

संवाददाता पीजीआई, लखनऊ

अमृत विचार: व्यस्त दिनचर्या और जिम्मेदारियों के बीच पुरुष अक्सर अपने खानपान की अनदेखी कर देते हैं। इसका सीधा असर स्वास्थ्य पर पड़ता है और मोटापा, मधुमेह, हाई ब्लड प्रेशर व हृदय रोग जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि संतुलित आहार और नियमित दिनचर्या से इन बीमारियों पर काबू पाया जा सकता है। राष्ट्रीय पोषण माह की पूर्व संध्या पर गुरुवार को संजय गांधी पीजीआई में पुरुष स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। विषय था, "मांसपेशियों से आगे : पुरुषों का पोषण और सम्पूर्ण स्वास्थ्य"। इसका आयोजन आईएपीईएन इंडिया लखनऊ चैप्टर और हेल्दी खाएगा इंडिया अभियान के सहयोग से हुआ।

- एसजीपीजीआई में पोषण माह पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

एसजीपीजीआई में दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत करते अतिथि।

30 मिनट व्यायाम को आदत बनाने पर जोर

मुख्य आहार विशेषज्ञ डॉ. रमा त्रिपाठी ने कहा कि संतुलित भोजन पुरुषों की सबसे बड़ी हेल्थ इंश्योरेंस है। उन्होंने मीठे और फास्टफूड से परहेज करने, पर्याप्त पानी पीने और रोजाना कम से कम 30 मिनट व्यायाम को आदत बनाने पर जोर दिया। फल, दालें और हरी सब्जियां आहार का हिस्सा जरूर होनी चाहिए। कार्यक्रम में एसजीपीजीआई निदेशक प्रो. आर के धीमन, चिकित्सा अधीक्षक प्रो. राजेश हर्षवर्धन, एसोसिएट प्रो. डॉ इंदु शुक्ला, वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. प्रेरणा कपूर, मुख्य आहार विशेषज्ञ डॉ. रमा त्रिपाठी, प्रो एलके भारती और डॉ. अजीत मौजूद रहे।

सिटी ब्रीफ

अभिभावक स्थापना दिवस पर कवि सम्मेलन

अमृत विचार, लखनऊ : अभिभावक स्थापना दिवस के अवसर पर गुरुवार को अभिभावक कल्याण संघ ने अभिभावकों का वार्षिक समारोह एवं कवि सममेलन यूपी प्रेस क्लब में आयोजित किया। संगठन की इकाइयों के प्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में अभिभावकों ने भाग लिया। गुरुवार को राजधानी में 17वां स्थापना अभिभावक दिवस व कवि सम्मेलन आयोजित किया। कवि सम्मेलन की अध्यक्षता सच्चिानन्द तिवारी शलभ ने की जबकि आईएफएस अधिकारी एमपी सिहं मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। गिरीश कुमार वर्मा डंडा लखनवी ने समारोह का उद्घाटन किया। शिव भजन कमलेश ने सरस्वती वंदना कर समारोह का शुभारम्भ किया।

नवयुग कन्या में हुईं प्रतियोगिताएं

अमृत विचार, लखनऊ : नवयुग कन्या महाविद्यालय के हिंदी विभाग की साहित्यिक संस्था नवज्योतिका व काव्योम संस्था के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत विविध साहित्यिक व कलात्मक प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया। स्वरचित काव्यपाठ, पोस्टर निर्माण और रील मेकिंग, मूक अभिनय, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं, तत्क्षण भाषण और एकल अभिनय प्रतियोगिताओं ने छात्राओं की तात्कालिक सोच और अभिनय क्षमता को उजागर किया। इस आयोजन का उद्देश्य छात्राओं की रचनात्मकता और प्रतिभा को मंच प्रदान करना था। कार्यक्रम का सफल संचालन प्राचार्या प्रो. मंजुला उपाध्याय के निर्देशन में हुआ। हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. मंजुला यादव सहित सभी संकाय सदस्य उपस्थित रहे। विजेताओं को हिंदी दिवस पर सम्मानित किया जाएगा।

15 से 20 तक लॉक होगा छात्रवृत्ति का डाटा

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में कक्षा नौ से 12 तक के छात्र-छात्राओं की छात्रवृत्ति का शुद्ध डाटा 15 से 20 सितंबर तक लॉक किया जाएगा। यह निर्देश समाज कल्याण विभाग ने जिलों को जारी किए हैं। 14 सितंबर तक सभी जिलों में जिला विद्यालय निरीक्षक को छात्रों के आवेदन का सत्यापन करना है। एनआईसी द्वारा स्क्रूटनी की जाएगी। ताकि 2 अक्टूबर को अधिकांश छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति मिल सके।

शिक्षिका ने परिचितों संग स्कूल संचालक को पीटा

बच्चों को पीटने पर टोके जाने से हो गई थी नाराज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- परिचितों संग मिलकर डंडे व लात-घूंसों से मारा

अमृत विचार: गुडंबा स्थित निजी स्कूल में बच्चों की पिटाई करने से मना करने पर शिक्षिका ने गुंडई की। शिक्षिका ने परिचितों संग मिलकर स्कूल संचालक को डंडों से बेरहमी से पीटा। चीखपुकार सुनकर स्टॉफ के लोग दौड़े तो आरोपी धमकाते हुए भाग निकले। घटना की सूचना मिलने पर गुडंबा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मेडिकल कराने के बाद शिक्षिका समेत पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर प्रभातेष कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

इंदिरानगर सेक्टर-11 स्थित साईं धाम कॉलोनी निवासी उमेश चंद्र तिवारी गुडंबा के बरखुरदारपुर में चाक एंड डस्टर नाम से छोटे बच्चों का विद्यालय चलाते हैं। उन्होंने बताया कि शिक्षिका आस्था गौतम एक साल से विद्यालय में बच्चों को पढ़ा रहीं थी। आस्था अक्सर पढ़ाई के दौरान छोटे बच्चों की पिटाई कर देती थी। जिसके लेकर वह पहले भी कई बार मना कर चुके थे।

बुधवार को आस्था ने फिर बच्चों की पिटाई कर दी। इसपर स्कूल मालिक ने बच्चों को मारने से मना करते हुए शिक्षिका आस्था को किसी और जगह जाकर नौकरी करने के लिए कहा। इस पर आस्था ने दोपहर करीब एक बजे परिचित लक्ष्मी देवी, सुयश, रवि यादव और विपिन यादव के साथ मिलकर उमेश चंद्र पर हमला कर दिया। आरोपियों ने जमीन पर गिराकर डंडे व लात-घूंसों से उन्हें बेरहमी से पीटा।

पीड़ित ने मदद के लिए शोर मचाया तो आरोपी गाली-गलौज करते जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पिटाई से उनके हाथ-पैर और अन्य जगह चोटें आयी। पीड़ित उमेश चंद्र ने मामले की शिकायत गुडंबा थाने में की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आस्था गौतम, लक्ष्मी देवी, सुयश, रवि यादव व विपिन यादव के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

स्टार्टअप को बढ़ावा देगा विज्ञान महाकुंभ

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- एनबीआरआई दे रहा स्वदेशी तकनीकी को बढ़ावा
- दो दिवसीय सीएसआईआर स्टार्टअप कॉन्क्लेव का आयोजन
- राजधानी की चार प्रमुख प्रयोगशालाएं स्टार्टअप को देंगी नई उड़ान

अमृत विचार: एनबीआरआई में दो दिवसीय सीएसआईआर स्टार्टअप कॉन्क्लेव का आयोजन होने जा रहा है। जिसमें राजधानी की चार प्रमुख प्रयोगशालाओं की सहभागिता रहेगी। एनबीआरआई के निदेशक डॉ.एके शासनी ने बताया कि सीएसआईआर स्टार्टअप कॉन्क्लेव में राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान,केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान,भारतीय विष विज्ञान अनुसंधान संस्थान और केंद्रीय औषधीय एवं सगंध पादप संस्थान संयुक्त रूप से 14-15 सितंबर को कॉन्क्लेव 2025 का आयोजन करने जा रहे हैं।

डॉ. शासनी ने बताया कि यह कॉन्क्लेव अनुसंधान एवं विकास को स्टार्ट-अप में बदलना उद्योगों और समाज के लिए कृषि, पर्यावरण एवं स्वास्थ्य के लिए नवाचार विषय पर केंद्रित है।

लखनऊ में आयोजित सीएसआईआर स्टार्ट-अप कॉन्क्लेव 2025, जम्मू, हैदराबाद और मुंबई में पहले आयोजित सफल आयोजनों के बाद श्रृंखला में चौथा है। जिसमें केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और सीएसआईआर के उपाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

स्टार्ट अप को दिया जाएगा बढ़ावा

सीएसआईआर प्रौद्योगिकियों के इर्दगिर्द स्टार्ट-अप संस्कृति को बढ़ावा देना, नवप्रवर्तकों को उद्योग जगत से जोड़ना और देश भर के उद्यमियों के लिए नए अवसर पैदा करना शामिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप देश नवाचार और उद्यमिता का वैश्विक केंद्र बनने की ओर अग्रसर है।

मुख्यमंत्री योगी करेंगे उद्घाटन

- 14 सितंबर को सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं केंद्र सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह के उपस्थित रहने की उम्मीद है। डॉ. एन कलैसेल्वी, महानिदेशक, सीएसआईआर और सचिव, डीएसआईआर, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, केंद्र सरकार भी इस कार्यक्रम में रहेंगे।

कॉन्क्लेव की मुख्य विशेषताएं

- उद्योग जगत के भागीदारों के साथ प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौतों पर हस्ताक्षर।
- सीएसआईआर प्रयोगशालाओं द्वारा विकसित नए उत्पादों और प्रौद्योगिकियों का शुभारंभ।
- उद्योग, शिक्षा जगत और स्टार्ट-अप के साथ समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान।
- कृषि-पोषक जैव प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य देखभाल और पर्यावरण जैसे क्षेत्रों में सीएसआईआर लखनऊ प्रयोगशालाओं द्वारा किए गए नवाचारों का प्रदर्शन।

सीएसआईआर स्टार्ट-अप कॉन्क्लेव स्वदेशी तकनीकों को बढ़ावा देकर, स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा देकर और विज्ञान, उद्योग और समाज के बीच मज़बूत संबंध बनाकर श्रृंखला को आगे बढ़ाना है।

एसआरएमयू प्रकरण में बीसीआई व यूजीसी से मांगा जवाब

विधि संवाददाता,लखनऊ: हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में श्रीराम स्वरूप विश्वविद्यालय (एसआरएमयू) में विधि के छात्रों की समस्या को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर गुरुवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने याचिका में पक्षकार बनाए गए बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) व यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन (यूजीसी) को दो सप्ताह में जवाब देने का आदेश दिया है। साथ ही विश्वविद्यालय को भी जवाब देने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई तीन सप्ताह बाद होगी। न्यायमूर्ति राजन रॉय व न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने यह आदेश सौरभ सिंह की ओर से दाखिल याचिका पर दिया। याचिका में बीसीआई द्वारा विश्वविद्यालय को तीन सितंबर 2025 को रातों-रात मान्यता प्रदान करने पर भी सवाल उठाए गए हैं। कहा गया है कि तीन सितंबर के पूर्व विश्वविद्यालय के पास विधि शिक्षा की मान्यता न होने के बावजूद छात्रों का दाखिला लेकर छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया है।

नेशनल कॉलेज के शिक्षक किए गए सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : नेशनल पी.जी. कॉलेज में सीबी गुप्ता सम्मान एवं टीचर एक्सीलेंसी अवॉर्ड समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय रहे। महाविद्यालय के प्रबंधक उज्ज्वल रमण सिंह, मोतीलाल मेमोरियल सोसाइटी के महामंत्री राजेश सिंह व प्रो. रामकृष्ण उपस्थित रहे।

शिक्षक सम्मान के अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय द्वारा महाविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग के शिक्षक डॉ. ज्ञानेंद्र कुमार को तृतीय सीबी गुप्ता नेशनल श्री समान से सम्मानित किया गया।

साथ ही महाविद्यालय के 9 अन्य शिक्षकों को एक्सीलेंसी अवार्ड से अलंकृत किया गया। जिनमें प्रो. रामकृष्ण, प्रो. पी.के. सिंह, प्रो. ज्योति भार्गव, प्रो. राकेश पाठक, डॉ. अपर्णा सिंह, डॉ. भानु प्रताप सिंह, डॉ. इंदुबाला, डॉ. रीना श्रीवास्तव, डॉ. शालिनी लांबा शामिल हैं। इस अवसर पर कंप्यूटर साइंस विभाग के तीन शिक्षकों डॉ. शालिनी, डॉ. गौरवी, महेश द्वारा लिखित पुस्तक एथिक्स ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का विमोचन भी मंत्री द्वारा किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. देवेंद्र कुमार सिंह ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कहा कि महाविद्यालय 1974 में स्थापित हुआ था तथा महाविद्यालय अपने 50 वर्षों को पूरा कर चुका है। इसके साथ ही महाविद्यालय अपने समस्त शैक्षिक और प्रशासनिक कार्यों को समय से पूरा करने के लिए प्रयासरत है और कर भी रहा है। मुख्य अतिथि योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षकों को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन एवं स्वामी विवेकानंद के आदर्शों से प्रेरणा लेकर गुरु की संकल्पना को आत्मसात करना चाहिए, क्योंकि गुरु ही सच्चा मार्गदर्शन प्रदान करता है।

कार्यक्रम का समापन हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. रामकृष्ण द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। कार्यक्रम का संचालन मनोविज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. नेहा श्री श्रीवास्तव द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षकगण, शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

सीबी गुप्ता सम्मान एवं टीचर एक्सीलेंसी अवॉर्ड समारोह में सम्मानित हुए शिक्षक व शिक्षिकाएं। अमृत विचार

मंडल स्तरीय कला उत्सव की तिथि और स्थल घोषित

कार्यालय संवादाता, लखनऊ

- लखनऊ में मण्डल के 6 जिलों के विजेता होंगे सम्मिलित
- कुल 12 विधाओं में कराई जाएगी प्रतियोगिता

अमृत विचार: केंद्र सरकार के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के संरक्षकत्व तथा समग्र शिक्षा माध्यमिक के निर्देशन में प्रत्येक वर्ष आयोजित होने वाले मण्डलीय कला उत्सव की तिथि व स्थल की घोषणा की जा चुकी है।

मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि इस वर्ष आयोजित होने वाले कला उत्सव का विषयवस्तु विकसित भारत 2047 के भारत की परिकल्पना रखा गया है। मण्डल स्तरीय कला उत्सव का आयोजन 20 सितम्बर को पायनियर मांटेसरी इण्टर कॉलेज एल्डिको उद्यान -1बंगला बाज़ार लखनऊ में 9 बजे से आयोजित किया जाएगा। संयुक्त शिक्षा निदेशक लखनऊ मण्डल डॉ. प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि लखनऊ मण्डल के सभी जिलों हरदोई, उन्नाव, सीतापुर, लखनऊ, रायबरेली, लखीमपुर खीरी के जनपद स्तरीय कला उत्सव के परिणाम प्राप्त हो चुके हैं। लखनऊ मण्डल के सभी डीआईओएस को मण्डलीय कला उत्सव में जनपद से सभी विजेताओं को ससमय प्रतिभाग करने के निर्देश दे दिए गए हैं।

मण्डलीय कला उत्सव की नोडल आकांक्षा पाठक ने बताया कि इस वर्ष के कला उत्सव के अन्तर्गत बारह विधाओं के प्रस्तुतिकरण में कुछ बदलाव किए गए हैं जिसको लखनऊ मण्डल के सभी जनपदों को अवगत करा दिया गया है। मंडली विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि इस बार मण्डलीय कला उत्सव के अन्तर्गत 12 विधाओं का प्रदर्शन किया जाएगा

काली चरण पीजी कालेज में आयोजित हुई सड़क सुरक्षा विषय पर कार्यशाला

संवाददाता चौक

अमृत विचार: कालीचरण पीजी कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं रोड सेफ्टी क्लब द्वारा उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग के सहयोग से सड़क सुरक्षा जागरूकता विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला में परिवहन विभाग के उत्कर्ष द्विवेदी एवं अक्षय ने पीपीटी के माध्यम से विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा संबंधी नियमों की जानकारी दी। रोचक ढंग से सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों को भी दिखाते हुए विद्यार्थियों के सवालों का जवाब भी दिया। कार्यशाला में विद्यार्थियों को हमेशा सड़क पर सतर्कता और नियमों के साथ चलने की सलाह दी गई। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अल्का द्विवेदी, डॉ. मुकेश कुमार मिश्रा (समन्वयक रोड सेफ्टी क्लब), डॉ. राजकुमार सिंह और डॉ. शिव कुमार ने किया। इस कार्यशाला में महाविद्यालय के प्राध्यापक प्रो. मनोज पांडे, डॉ. अरुण कुमार यादव, डॉ. श्याम प्रकाश सिंह, डॉ. आदर्श कौशल एवं अन्य के साथ साथ भारी संख्या में विद्यार्थी शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मुकेश कुमार मिश्रा ने किया।

कार्यशाला को संबोधित करते परिवहन विभाग के अधिकारी। अमृत विचार

दो दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन करेगा क्रिकेट एसोसिएशन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: क्रिकेट एसोसिएशन लखनऊ सीएएल ने अंपायरिंग और स्कोरिंग के क्षेत्र में कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वाले युवाओं के लिए गुरुवार को एक जरूरी घोषणा की। एसोसिएशन की ओर से इसके लिए दो दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें अंपायर और स्कोरर बनने के इच्छुक प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। वर्कशॉप के बाद प्रतिभागियों की लिखित और मौखिक परीक्षा आयोजित की जाएगी। सफल अभ्यर्थियों को क्रिकेट एसोसिएशन लखनऊ में अंपायरिंग और स्कोरिंग के लिए अवसर प्रदान किए जाएंगे।

एसोसिएशन के अनुसार जो महिला खिलाड़ी अब सक्रिय रूप से क्रिकेट नहीं खेल रहीं, लेकिन खेल से जुड़ी रहना चाहती हैं, उनके लिए यह वर्कशॉप एक सुनहरा कॅरियर विकल्प प्रदान करता है। महिला क्रिकेट मैचों की संख्या में वृद्धि के कारण महिला अंपायरों की मांग तेजी से बढ़ रही है और एसोसिएशन इस क्षेत्र में महिलाओं को प्रोत्साहित करेगा में अहम रोल निभायेगा। एम्पायर और स्कोरर कमेटी क्रिकेट एसोसिएशनर के चेयरमैन नईम चिश्ती ने बताया कि जो लोग पहले से ही अंपायरिंग या स्कोरिंग से जुड़े हुए हैं, लेकिन उन्होंने अब तक एसोसिएशन की परीक्षा पास नहीं की है, उनके लिए भी यह वर्कशॉप आवश्यक और अनिवार्य है। उन्हें मान्यता प्राप्त करने के लिए परीक्षा में शामिल होना होगा।

सिटी डायरी

दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक देतीं राज्यपाल।

लविवि के दीक्षांत समारोह में सिटी लॉ कालेज के विद्यार्थियों को 11 स्वर्ण पदक

अमृत विचार, लखनऊ : सिटी लॉ कॉलेज ने लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में 11 स्वर्ण पदक हासिल कर इतिहास रच दिया। यह किसी भी विधि महाविद्यालय द्वारा प्राप्त किया गया सर्वाधिक सम्मान है। यह स्वर्ण पदक राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने प्रदान किये। स्वर्ण पदक का सम्मान पाने वालों में रवि चन्द को 7, अनुभूति पाल सिंह को 2, प्रज्ञा दुबे व् श्रेय सिंघल के एक-एक स्वर्ण पदक हासिल हुए। कॉलेज प्रबंधन ने इस उपलब्धि पर अत्यधिक गर्व व्यक्त किया और विद्यार्थियों को बधाई दी।

संजीव कुमार को चेक प्रदान करते विधायक राजेश्वर सिंह

लखनऊ के संजीव बने चैंपियन

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ गोल्फ क्लब में आयोजित पीजीटीआई नेक्सजेन सीजन के सातवें इवेंट में राजधानी खिलाड़ी संजीव कुमार ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए अपने पहले खिताब पर कब्जा जमाया। संजीव ने तीसरे और अंतिम राउंड में बेहतरीन पांच अंडर 65 का स्कोर बनाकर प्रतियोगिता में बाज़ी मारी। इस जीत के साथ उन्हें 2,54,300 रुपये का नकद पुरस्कार मिला, और वह पीजीटीआई नेक्सजेन ऑर्डर ऑफ मेरिट में तीसरे स्थान से सीधे पहले स्थान पर पहुंच गए। इस सीजन में उनकी कुल कमाई अब 7,08,740 रुपये हो गई है। वहीं चंडीमंदिर के उमेद कुमार, जिन्होंने पहले दो राउंड में 67 और 68 का स्कोर बनाया था, तीसरे दिन इवन-पार 70 का ही स्कोर कर पाए।

लखनऊ पब्लिक कॉलेज की टीम ट्रॉफी के साथ।

लखनऊ पब्लिक कॉलेज चैंपियन

अमृत विचार, लखनऊ : इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में आयोजित अस्मिता खेलो इंडिया वीमेन रग्बी लीग में लखनऊ पब्लिक कॉलेज, सेक्टर-ई आम्रपाली योजना की टीम ने अंडर-15 आयु वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए चैंपियन बनी। टीम की इस जीत में वैभवी तिवारी, आंचल सिंह और मरियम ने अहम भूमिका निभाते हुए अपने बेहतरीन खेल से दर्शकों का दिल जीत लिया। इस लीग में प्रदेश भर की विभिन्न कॉलेजों की टीमों ने भाग लिया। अंडर-17 कैटेगरी में सहारनपुर की टीम ने विजेता के खिताब को अपने नाम किया, जबकि विद्यास्थली की टीम उपविजेता रही।

बाक्सिंग प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागी।

छात्रों ने किया दमदार प्रदर्शन

अमृत विचार, लखनऊ: अलीगंज स्थित बाल निकुंज विद्यालय के छात्रों ने जिला विद्यालयीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में दमदार प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य पदकों पर कब्जा जमाया। प्रतियोगिता में छात्रों के शानदार प्रदर्शन ने विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय के ओपी वर्मा ने बताया कि छात्रों ने विभिन्न भार वर्गों में बेहतरीन प्रदर्शन किया। बालक अंडर-14 वर्ग में 50 से 54 किग्रा भार वर्ग में कार्तिकेय मिश्रा, 44 से 46 किग्रा भार वर्ग में शौर्य सिंह ने तो वही वहीं अंडर-19 वर्ग में 60 से 64 किग्रा भार वर्ग में अक्षत अवस्थी ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

क्रिकेट के सितारे आज पहुंचेंगे राजधानी, मुकाबला 16 से

इकाना स्टेडियम में भिड़ेंगे भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए की टीमें

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए टीमों के बीच खेले जाने वाले दो चार दिवसीय मुकाबलों के लिए दोनों टीमों के खिलाड़ी आज राजधानी पहुंचेंगे। यह मुकाबले इकाना इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जाएंगे और इससे पहले दोनों टीमें शनिवार को अभ्यास सत्र में हिस्सा लेंगी।

पहला चार दिवसीय मुकाबला 16 से 19 सितंबर और दूसरा चार दिवसीय मुकाबला 23 से 26 सितंबर के बीच राजधानी के इकाना इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जायेगा।इसके अलावा तीन वनडे मुकाबले भी खेले जाने हैं, जिनकी जल्द ही तारीखों को घोषित किया जायेगा। इसके अलावा अगले साल जनवरी में

प्रस्तावित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले आयोजित की जा रही यह सीरीज चयनकर्ताओं के लिए एक अहम पड़ाव माना जा रहा है। सीरीज में दमदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को आगामी सीरीज में खेलने का मौका मिल सकता है।

भारतीय ए टीम की कप्तानी अनुभवी बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को सौंपी गई है, जो अपने प्रदर्शन से चयनकर्ताओं को प्रभावित करने की कोशिश करेंगे। ध्रुव जुरेल, जो उत्तर प्रदेश के विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं, को उपकप्तान बनाया गया है। उनके घरेलू मैदान पर खेलने से टीम को मदद मिलने की उम्मीद है। वहीं लंबे समय से टेस्ट टीम के साथ जुड़े अभिमन्यु ईश्वरन से सभी की निगाहें होगी, जिन्हे डेब्यू का इंतजार है।

वही आईपीएल के उभरते सितारे साई सुदर्शन, शानदार फॉर्म में चल रहे नीतीश कुमार रेड्डी के साथ दूसरे मुकाबले से केएल राहुल और मोहम्मद सिराज टीम से जुड़ेंगे।उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ (यूपीसीए) से के अनुसार, ऑस्ट्रेलियाई टीम शुक्रवार दोपहर बाद लखनऊ पहुंचेगी, जबकि भारतीय ए टीम के कुछ खिलाड़ी शाम तक राजधानी पहुंचेंगे।

टीईटी की अनिवार्यता खत्म करने को शिक्षक देंगे ज्ञापन

अमृत विचार, लखनऊ : सर्वोच्च न्यायालय द्वारा टीईटी की अनिवार्यता को लेकर दिए गए निर्णय के खिलाफ शिक्षकों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। जिला मुख्यालयों पर ज्ञापन कार्यक्रम के बाद अब उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने अपने समस्त जनपदीय अध्यक्ष मंत्री को निर्देश जारी करते हुए जनपदीय कार्यकारणी एवं ब्लाक अध्यक्ष मंत्री के साथ 11 सितंबर से 20 सितंबर तक जिला पंचायत अध्यक्ष,क्षेत्रीय विधायक,सदस्य विधान सभा शिक्षक, विधायक,सांसद के माध्यम से ज्ञापन भेजने का कार्यक्रम जारी कर दिया है। प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुशील कुमार पांडे ने बताया कि गलत तथ्यों को सर्वोच्च न्यायालय में रखने के कारण 23 अगस्त 2010 के पूर्व नियुक्त शिक्षकों को सेवा में बने रहने हेतु टीईटी लागू किए जाने के अव्यवहारिक आदेश है।

विजेता ट्रॉफी के साथ मेरठ की टीम।

मेरठ बना चैंपियन

अमृत विचार , लखनऊ : केडी सिंह बाबू स्टेडियम के अटल बिहारी वाजपेयी बहुउद्देश्यीय हॉल में आयोजित 29वीं सब जूनियर बालक उत्तर प्रदेश राज्य बास्केटबॉल चैंपियनशिप में मेरठ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चैंपियन बना। फाइनल मुकाबले में मेरठ की टीम ने बेहतरीन अटैक और मजबूत डिफेंस के दम पर शानदार प्रदर्शन करते हुए वाराणसी की टीम को 69-37 अंकों से हराकर खिताब पर कब्जा किया।

न्यूज ब्रीफ

डबल मर्डर में पूर्व विधायक को उम्रकैद

कालपी, जालौन, अमृत विचार। 31 साल पहले जालौन में हुए दोहरे हत्या कांड में बसपा के पूर्व विधायक छोटे सिंह चौहान को उम्रकैद की सजा सुनाई गई। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने गुरुवार को फैसला सुनाया। सजा सुनाए जाने के बाद न्यायालय से बाहर निकलते हुए पूर्व विधायक ने हाथ हिलाते हुए अपने समर्थकों का अभिवादन किया। उसके बाद उन्होंने कहा कि वे फैसले के खिलाफ हाई कोर्ट जायेंगे। सजा सुनाए जाने के पहले बुधवार को छोटे सिंह चौहान ने फेसबुक पर पोस्ट करते हुए कहा कि मुझे राजनैतिक षड़्यंत्र के तहत फंसाया जा रहा है। उक्त प्रकरण में मेरी किसी भी प्रकार की संलिप्तता नहीं थी। पर कुछ लोगों को मेरा क्षेत्र में रहना और सबके सुख-दुख में शामिल होना खल रहा था। मुझे पूरा विश्वास है की मेरे सभी साथी 11 सितंबर को सुबह 9 बजे जनपद न्यायालय पहुंचेंगे।

अब हीट एक्शन प्लान के साथ ही बनेंगी विकास की योजनाएं

उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने तैयार की योजना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ।

- लखनऊ, आगरा और वाराणसी शहर के लिए सिटी हीट एक्शन प्लान विकसित
- कानपुर और प्रयागराज के लिए तैयार किया जा रहा प्लान
- अन्य शहरों के लिए भी बनेगी योजना

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश में अब विकास योजनाएं हीट एक्शन प्लान के साथ ही बनेंगी। जलवायु परिवर्तन के चलते प्रदेश में हीटवेव की तीव्रता के मद्देनजर उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने लखनऊ, आगरा और वाराणसी शहर के लिए सिटी हीट एक्शन प्लान विकसित किया है। वहीं, कानपुर और प्रयागराज के लिए भी यह तैयार किया जा रहा है जबकि अन्य शहरों के लिए भी शीघ्र ही योजना बनाई जाएगी।

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सभागार में बुधवार को सिटी हीट एक्शन प्लान पर मंथन किया गया। आईआईटी (बीएचयू), आईआईटी रुड़की, एम्स गोरखपुर एवं अन्य संस्थानों के विशेषज्ञों ने विभिन्न शहरों के लिए तकनीकी प्रस्तुतियां दीं और सुझाव साझा किए। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल योगेन्द्र डिमरी ने कहा कि हीटवेव की चुनौती से निपटने के लिए सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों को मिलकर काम करना होगा। नगर निगम के अधिकारियों को तकनीकी सहयोग देने, पर्यावरण व जनस्वास्थ्य पर जागरूकता फैलाने और हीट से संबंधित बीमारियों की रोकथाम के लिए योजनाबद्ध कवायद जरूरी है। बैठक में राजस्व सचिव एवं राहत आयुक्त, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, भानु चंद्र गोस्वामी ने कहा कि भौगोलिक स्थिति और जलवायु परिवर्तन के चलते प्रदेश में हीटवेव की तीव्रता एवं आवृत्ति बढ़ रही है। शहरी क्षेत्रों में कंक्रीट सतह, यातायात एवं औद्योगिक कारणों से तापमान और अधिक बढ़ जाता है। इसलिए सिटी हीट एक्शन प्लान ऐसा होना चाहिए जिसे धरातल पर लागू कर जनता को सीधा लाभ मिल सके।

नेपाल में फंसे 36 यात्री पहुंचे सिमीकोट अब नेपालगंज होते हुए आएंगे भारत

अयोध्या कार्यालय।

नेपाल में फंसा अयोध्या के श्रद्धालुओं का ग्रुप।

अमृत विचार : चीन-नेपाल के बॉर्डर पर स्थित हिलसा इलाके में फंसे अयोध्या के नौ लोगों समेत 36 लोगों के भारत वापस लौटने का मार्ग सुगम हो गया है। समाचार लिखे जाने तक गुरुवार को सभी नेपाल के सिमीकोट इलाके में पहुंचे गए थे। वहां से नेपालगंज आएंगे और उसके बाद भारत पहुंचेंगे।

यात्री प्रदीप सचदेवा, सुशील जायसवाल आदि ने बताया कि सभी को कड़ी सुरक्षा के बीच विभिन्न साधनों से नेपाल के सिमीकोट इलाके तक पहुंचाया गया। भारत सरकार ने उन्हें सकुशल भारत पहुंचाने का वादा किया है। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व जिलाधिकारी अयोध्या निखिल टीकाराम फुंडे का आभार भी जताया। कहा कि हमें विश्वास है कि बाबा कैलाश मानसरोवर के भक्त सकुशल घर लौटेंगे। अयोध्या के नौ, लखनऊ के छह श्रद्धालुओं समेत अन्य क्षेत्रों के 36 श्रद्धालुओं का समूह एक सितंबर को कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर गया था। सभी यात्री बुधवार को चीन-नेपाल के बॉर्डर पर स्थित हिलसा गांव पहुंचे थे। नेपाल में राजनीतिक तनाव व हिंसक प्रदर्शन के चलते आवागमन बंद होने के कारण सभी वहां फंस गए थे।

नगर व गोसाईंगंज विधायक ने लिखा पीएम को पत्र

कैलाश मान सरोवर की यात्रा से वापस लौटकर नेपाल में फंसे अयोध्या के नौ श्रद्धालुओं समेत कुल 36 श्रद्धालुओं को सकुशल भारत लाने के लिए नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्त ने प्रधानमंत्री को एक पत्र लिखा। इसमें उन्होंने फंसे श्रद्धालुओं का नाम व मोबाइल नंबर लिखकर, संबंधित को आदेश देने का आग्रह किया। वहीं गोसाईंगंज विधायक अभय सिंह ने भी प्रधानमंत्री को पत्र लिखा। नगर विधायक ने नेपाल में फंसे श्रद्धालु सुशील राजपाल के भाई धीरज राजपाल से गुरुवार को फोन पर वार्ता कर सभी श्रद्धालुओं का कुशलक्षेम जाना।

रायबरेली जिला प्रशासन के लचीले रवैये पर नाराज दिखे राहुल गांधी

संवाददाता, रायबरेली

बचत भवन सभागार में दिशा की बैठक करते सांसद राहुल गांधी। अमृत विचार

अमृत विचार। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट स्थित बचत भवन में दिशा की बैठक हुई। इसमें बिंदुवार जिले के सांसद ने सभी योजनाओं की समीक्षा की। साथ ही धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए डीएम से उचित कदम उठाने को कहा। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में मुआवजा पाने वाले किसानों और किराए के भवन में चल रहे आंगनबाड़ी केंद्रों की सूची तलब की।

बैठक में राहुल गांधी ने सॉइल हेल्थ कार्ड, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) आदि की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को भारत सरकार की योजनाओं और कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। दोपहर करीब 12 बजे शुरू हुई बैठक का पहला एजेंडा मनरेगा योजना थी। नामित सदस्य उमेश बहादुर ने मनरेगा के सामग्री अंश का भुगतान न होने से आ रही दिक्कतों को राहुल गांधी के सामने रखा। उन्होंने बताया कि सामग्री अंश का 27 करोड़ रुपये भुगतान नहीं हुआ है। इस पर डीएम ने बताया कि अभी चार करोड़ रुपये आए हैं। इनको लाखों में भेजा जा रहा है। अमेठी सांसद ने पूछा- पैसा क्यों नहीं आ रहा है? डीएम इसका जवाब नहीं दे पाईं। ग्राम पंचायत विकास योजना पर चर्चा के दौरान राही के ब्लॉक प्रमुख धर्मेंद्र यादव ने बताया कि पंचायत मंत्री की मनमानी से अपने विकासखंड की सराय दामू ग्राम पंचायत को छह साल से कार्य योजना स्वीकृत नहीं हुई है। इसी बीच सलोन के भाजपा विधायक अशोक कोरी ने कहा कि मेरी ग्राम सभा में ही 55 लोगों को गलत तरीके से किसान सम्मान निधि दी गई। इसकी शिकायत करने के बाद भी रिकवरी नहीं की गई। यह गंभीर मामला है। हरचंदपुर के सपा विधायक राहुल लोधी ने एम्स में मरीजों को सामान्य तौर पर भर्ती नहीं करने का मुद्दा उठाया। सदर विधायक अदिति सिंह ने भी इसका समर्थन किया। विधायकों ने कहा कि एसजीपीजीआई लखनऊ की तरह यहां भी जनप्रतिनिधियों के लिए विशेष व्यवस्था कराई जाए। एम्स के उपस्थित प्रतिनिधि ने डॉक्टरों की कमी की बात फिर दोहराई। कहा कि एम्स में 126 पद खाली चल रहे हैं। तमाम कोशिशों के बावजूद डॉक्टरों की कमी दूर नहीं हो पा रही है।

In the Court of the 9th Additional District Judge (MACT) at Kovvur, W.G.Dt., AP
M.V.O.P. No. 80/2024

Between:
Deevi Alivelu Manga Tayaru and another ...*Petitioner*
AND
Munna Yadav and Others ...*Respondents*

Notice to 1st Respondent

1st Respondent: Munna Yadav, S/o. Veer Bahadur Yadav, Male, Hindu, Driver of Lorry bearing Number : AP 39 UD 1279, R/o. Dhira Chhapra Village, Bhoj Chhapra, Ballia District, Uttar Pradesh - 277209.

In the above matter you are the 1st Respondents and for your appearance the case was posted to **09-10-2025** on that day you can appear on your own or through an Advocate before the Hon'ble Court **at 10.30 AM** Hence the case is decreed against you in your absence.

(Order of the Hon'ble Court)
KODURI NARASIMHA RAO
Advocate, Kovvur, E.G.Dt., AP
Cell: 9440130579

आवश्यकता है

पण्डित संकठा प्रसाद पाण्डेय एकेडमी, भरथीपुर तहसील / जनपद अमेठी में प्राचार्य एवं बी0 एड0 / डी0एल0एड0 कोर्स के कतिपय विषयों में अर्ह शिक्षको की आवश्यकता है। विस्तृत विवरण वेबसाईट psppud.academy/gmail.com पर उपलब्ध है। इच्छुक व्यक्ति अपना वायोडाटा ऑनलाइन दिनांक 30/10/2026 तक भेज सकते हैं।
प्रबंधक

सूचना

मैं लक्ष्मी कान्त शुक्ला अपने मकान / कार्यालय के मूल विक्रय–विलेख–पत्र (सेलडीड) एवं अन्य मूल दस्तावेज लेकर बक्शी का तालाब तहसील जा रहा था जिसकी प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR)–सं०–LAR No. 20250000648473 दिनाँक 05.09.25 को दर्ज दी गयी है। दर्ज FIR में सभी खोये मूल दस्तावेज / रसीद / शपथ पत्र / NOC आदि वर्णित क्रम सं०–01 से 11 बिन्दु तक किसी भी व्यक्ति एवं संस्थान द्वारा उपयोग अवैध माना जाय / जायेगा। भवदीय– लक्ष्मीकान्त शुक्ला, E3/146 विनय खण्ड, गोमती नगर लखनऊ (उ०प्र०)

जांच टीम ने पीजी कॉलेज के प्राचार्य से की पूछताछ

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : पीजी कॉलेज में एसो. प्रोफेसर प्रकरण की जांच शुरू हो गयी है। डीएम एवं प्रबंध समिति अध्यक्ष द्वारा गठित तीन सदस्यीय टीम ने गुरुवार को महाविद्यालय पहुंचकर जांच-की। टीम ने प्राचार्य से भी पूछताछ की।

हरदोई के थाना माधोगंज निवासी भगवानदीन ने 2007 में अपने पुत्र नरेंद्र के अपहरण का मुकदमा डॉ. अखिलेश के खिलाफ स्थानीय थाने पर दर्ज कराया था। आरोपी प्रोफेसर को कोर्ट ने भगोड़ा घोषित कर खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया। तभी से पुलिस इनकी तलाश कर रही है। अब लापता नरेंद्र के भाई राजेंद्र ने पीजी कॉलेज में कार्यरत प्रोफेसर डॉ. अखिलेश पर गंभीर आरोप लगाते हुए राज्यपाल सहित उच्चाधिकारियों से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। आरोप है कि डॉ. अखिलेश वर्मा ने तथ्यों को छिपाकर असिस्टेंट प्रोफेसर की नौकरी लेकर प्रोन्नति प्राप्त कर ली। शिकायत की जांच के लिए डीएम द्वारा गठित टीम ने गुरुवार को महाविद्यालय पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू की और पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर कौशलेंद्र विक्रम मिश्रा से भी पूछताछ की।

ट्रेन मेंटिनेंस शेड के मॉडल का अवलोकन करते रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव।

रेल मंत्री ने पुनर्विकास कार्यों का किया निरीक्षण

नई दिल्ली, अमृत विचार। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव एक दिवसीय दौरे पर गुरुवार को जयपुर पहुंचे। सुबह स्पेशल ट्रेन से रेवाड़ी–खातीपुरा रेल खंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण करते हुए खातीपुरा स्टेशन पहुंचे। रेल मंत्री ने खातीपुरा स्टेशन में बन रहे ट्रेन मेंटिनेंस शेड के मॉडल का अवलोकन किया। इस दौरान मंत्री के साथ मंजू शर्मा, सांसद/जयपुर और गोपाल शर्मा, विधायक सिविल लाइंस भी उपस्थित रहे। रेल मंत्री ने वंदे भारत सहित अन्य ट्रेनों की अनुरक्षण के लिए कोच केयर कंपलेक्स जयपुर में अनुरक्षण सुविधाओं के विस्तार के लिए नवनिर्मित शेड का उद्घाटन किया। उन्होंने शेड में बने 4 टियर प्लेटफॉर्म का निरीक्षण किया तथा यात्री सुविधाओं में वृद्धि के अंतर्गत कोच में किए गए टॉयलेट मॉडीफेशन और ब्रेक वान में किए गए मॉडीफेशन का निरीक्षण किया। रेल मंत्री ने इसके पश्चात अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित किये जा रहे जयपुर स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वार का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की भव्यता की प्रशंसा की और कहा कि यह पूरे जयपुर के लिए गौरव का बात है कि स्टेशन के सेकंड एंट्री के पुनर्निर्माण का कार्य बहुत तेजी से और सुचारू रूप से चल रहा है।

संयुक्त पार्सल उत्पाद रैपिड कार्गो ट्रेन सेवा शुरू

नई दिल्ली, अमृत विचार। कश्मीर घाटी में फल उत्पादकों की सहायता के लिए एक सक्रिय कदम उठाते हुए, भारतीय रेलवे ने कश्मीर घाटी के छोटे किसानों को जोड़ने के लिए भारतीय रेलवे ने ट्रेन सेवाओं की शुरुआत की है ताकि वे अपने नाशवान उत्पादों को प्रतिदिन बडगाम–आदर्श नगर–बडगाम मार्ग पर भेज सकें। यह सेवा आदर्श नगर से 13 सितंबर 2025 को 12.10 बजे तथा बडगाम से 15 सितंबर 2025 को 06.15 बजे से शुरू होगी। इस ट्रेन की शुरुआत से अब सभी फल और सब्जियाँ उपभोक्ताओं तक समय पर आसानी से पहुँच सकेंगी। उक्त जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने दी।

कुशाग्र हत्याकांड में अब सुनवाई 15 सितंबर को

कानपुर, अमृत विचार। रायपुरवा थाना के चर्चित कुशाग्र हत्याकांड में सुनवाई जारी है। डीजीसी दिलीप अवस्थी ने बताया कि गुरुवार को हुई सुनवाई में चाचा सुमित कनोडिया से जिरह हुई। समय कम होने के चलते आगे की जिरह अब 15 सितंबर को होगी। बता दें कि कपड़ा कारोबारी मनीष कनोडिया के बेटे कुशाग्र की 30 अक्तूबर 2023 को बेरहमी से अपहरण करके हत्या कर दी गई थी। मामले में पुलिस ने ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, प्रभात शुक्ला और शिवा गुप्ता को दोषी मानकर उनको जेल भेजा था।

अदालती नोटिस

हेतु संदर्भित करने की सूचना / साधारण प्रारूप
बअदालत न्यायालय श्रीमान् जनपद न्यायाधीश, लखनऊ
प्रकीर्ण वाद संख्या–702 / 2025 पेशी–26.09.2025

1–श्रीमती शांति आयु 40 वर्ष पत्नी स्व0 हरीप्रसाद निवासिनी–दौलीखेड़ा, बड़ा गांव, पो0 काकोरी, थाना काकोरी, जिला–लखनऊ–2–अजय आयु लगभग 14 वर्ष पुत्र स्व0 हरीप्रसाद द्वारा संरक्षिका माता श्रीमती शांति निवासिनी– दौलीखेड़ा, बड़ा गांव, पो0 काकोरी, थाना काकोरी, जिला–लखनऊ 3–सोनिया आयु लगभग 11 वर्ष पुत्री स्व0 हरीप्रसाद द्वारा संरक्षिका माता श्रीमती शांति निवासिनी–दौलीखेड़ा, बड़ा गांव, पो0 काकोरी, थाना काकोरी, जिला–लखनऊ–प्रार्थीगण / वादीगण
–बनाम्–1–मुस्कान आयु लगभग 22 वर्ष पुत्री स्व0 हरीप्रसाद निवासिनी–दौलीखेड़ा, बड़ा गांव, पो0 काकोरी, थाना काकोरी, जिला–लखनऊ 2–श्रीमान जिलाधिकारी महोदय, जिला–लखनऊ (औपचारिक पक्षकार) – विपक्षीगण

जन सामान्य हेतु सूचनार्थ :–चूंकि उपरोक्त नामांकित–प्रार्थीगण / वादीगण ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा–7 / 29 गार्जियन एण्ड वार्ड्स एक्ट हेतु। अतएव आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इस आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्भित करने के लिए 26.09.2025 के दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्यक रूपेण अनविष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजाता हो और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा। मेरे हस्ताक्षर और मोहर न्यायालय की मुद्रा सहित आज दिनांक 18.08.2025 के दिवस को दिखायी गयी।

दस्तखत हाकिम–मोहर अदालत

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना वि/कार./इज्जत/ओ.टी./2025-26/04 दि. 09.09.2025

निम्नलिखित कार्यो के लिए खुली ई-निविदा भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/कारखाना पूर्वोत्तर रेलवे/इज्जतनगर द्वारा आमंत्रित की जाती हैः- **क्रम सं. 01, कार्य का नामः**- मैकेनिकल वर्कशॉप/इज्जतनगर में वर्तमान अन्डर - ग्राउंड केबल द्वारा अलग-अलग विद्युत आपूर्ति को नियंत्रित करने के लिए इरेक्टिंग शेड 1, 2, 3 और 4 के निर्माण की मौजूदा ओवर हेड लाइन का बदलाव का प्रावधान, **विवरण : अनुमानित लागत (रू में)**: ₹ 1,00,82,100.00, **धरोहर राशि (रू में)**: ₹ 2,00,500.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू में)**: ₹ शून्य, **ई-निविदा जमा करने की अंतिम तिथि व समयः** 07.10.2025, 15:00 बजे, **स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधिः** 120 दिन, **क्रम सं. 02, कार्य का नामः** यांत्रिक कारखाना /इज्जतनगर में स्टोर डिपो के इन्फ्रास्ट्रक्चर ढांचे में सुधार के संबंध में विद्युत कार्य (फॉग सिग्नल और वार्ड के लिए नए गोदाम का प्रावधान, डिपो कर्मचारियों के लिए बाथरूम सहित शौचालय, सीसी स्क्रैप बिन और नई लाइब्रेरी, सीसी फर्श और नाली का कार्य), **विवरण : अनुमानित लागत (रू में)**: ₹ 29,66,558.00, **धरोहर राशि (रू में)**: ₹ 59,400.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू में)**: ₹ शून्य, **ई-निविदा जमा करने की अंतिम तिथि व समयः** 07.10.2025,15:00 बजे, **स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधिः** 120 दिन। **नोटः 1.** इस निविदा के लिए किसी भी तरह के मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और किसी भी तरह के प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जाएगा। **2.** पूर्ण विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है। **3.** निविदादाता के पास क्लास-III डिजीटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र होना आवश्यक है और **IREPS** पोर्टल पर रजिस्टर होना चाहिए। **4.** केवल पंजीकृत निविदादाता ही ई टेण्डरिंग में भाग ले सकते है। **5.** सभी आवश्यक दस्तावेज ई-निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किये जाने चाहिए।

उप मुख्य विद्युत इंजी0/(का)
मुजाधि/विद्युत-131 इज्जतनगर

"ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें"

राम मंदिर | राम मंदिर निर्माण का कार्य अंतिम चरण में, ध्वजारोहण की तैयारी शुरू

श्रद्धालुओं के लिए खोला गया परकोटा के बेसमेंट में बना स्थाई निकास मार्ग

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचारः राम मंदिर में दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं के लिए दर्शन करने के बाद मंदिर में बने स्थाई निकास द्वार से बाहर जाने का मार्ग खोल दिया गया है। श्रद्धालु परकोटा में बने हनुमान जी, सूर्य देव, माता भगवती, अन्नपूर्णा देवी और भगवान शिव के बाद बेसमेंट के रास्ते भगवान गणेश मंदिर तक पहुंचेंगे। जहाँ दर्शन कर निकास द्वार से बाहर जाएंगे। इसके बाद श्रद्धालु शेषावतार मंदिर, महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, निषाद राज, अहिल्या देवी के मंदिर में भी दर्शन कर सकेंगे। इसके लिए परिसर में सभी कार्यों को अंतिम स्वरूप प्रदान किया जा रहा है।

राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ.अनिल मिश्रा ने गुरुवार को बताया कि परकोटा में चल रहे निर्माण कार्य को देखते हुए बने स्थाई निकास द्वार जो पूरी तरह बनकर तैयार हो गया है, उसे खोल दिया गया है। श्रद्धालु दर्शन करने के बाद इससे बाहर जा रहे हैं। बताया कि इस मार्ग से श्रद्धालु सीधे यात्री सुविधा केंद्र तक पहुंच रहे है।

राम मंदिर का शिखर बनकर तैयार।

- ध्वजारोहण के लिए राम मंदिर का 201 फीट ऊंचा शिखर बनकर तैयार

बताया कि मंदिर परिसर के निर्माण का कार्य अंतिम चरण में हैं। ध्वजारोहण की तैयारी शुरू हो चुकी है। भारत के उत्तर से लेकर दक्षिण तक की परंपरा को जोड़ते हुए मंदिर का भव्य शिखर बनकर तैयार हो चुका है। परिसर के 201 फीट ऊंचे शिखर पर 25 नवंबर को ध्वजारोहण किया जाएगा। जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल होंगे। इसके अलावा शेषावतार मंदिर और परकोटे में बने देवी-देवताओं के छह अन्य मंदिरों पर भी ध्वज फहराया जायेगा। इसके लिए तीन दिवसीय अनुष्ठान किया जाएगा। कहा कि 23 से 25 नवंबर तक इस पूरे कार्यक्रम संपन्न किया जाएगा। इस दौरान अयोध्या सहित प्रदेश के 10,000 प्रमुख अतिथियों को भी इस आयोजन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

कार्यालय– राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, सीतापुर

पत्रांकः– भण्डार / निष्प्रयोज्य / साज–सज्जा / 2025 / 965 दिनांकः– 03 सितम्बर

नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रधानाचार्य, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, सीतापुर में अनुपयोगी मशीनों / साज–सज्जा / फर्नीचर / स्क्रैप आदि जहां हैं जिस स्थिति में हैं, की सार्वजनिक नीलामी संयुक्त निदेशक (प्रशि० / शिक्षु०) लखनऊ की अध्यक्षता में समिति द्वारा संस्थान प्रांगण में दिनांक 25.09.2025 की पूर्वान्ह 11–00 बजे निर्धारित शर्तों के अधीन की जायेगी। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सीतापुर की धरोहर राशि रू0–150,000.00 एवं राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान पिसावां–सीतापुर की धरोहर राशि रू0– 6500.00 दिनांक 25.09.2025 को 11–00 बजे तक कैशियर के पास नगद जमा की जा सकेगी, इच्छुक क्रेता उक्त तिथि तक किसी भी कार्य दिवस में सीतापुर संस्थान में स्वयं के व्यय पर पधार कर सामान देख सकते हैं, तथा शर्तों की जानकारी प्राप्त कर सकतें हैं। नीलामी सम्बन्धी समस्त कार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, सीतापुर के प्रांगण में सम्पन्न होगा।

निष्प्रयोज्य सामानों का विवरण	स्थान	निर्धारित धरोहर राशि
अनुपयोगी मशीनों, साज–सज्जा, हैण्ड टूल्स, फर्नीचर व अन्य	राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, सीतापुर	150,000.00
	राजकीय सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, पिसावां –सीतापुर	6500.00

शर्ते निम्नवत हैंः–
1. इच्छुक फर्म का बोलीदाता किसी भी कार्य दिवस में नीलामी से एक सप्ताह पूर्व रू0– 150,000.00 नगद जोकि रिफन्डेबल होगा एवं अर्हता हेतु सभी प्रमाण–पत्रों की छायाप्रति, एक प्रार्थना–पत्र फर्म के पैड पर जिस पर जी0एस0टी0 नम्बर इत्यादि अंकित हो, प्रस्तुत करने के पश्चात मशीनों का निरीक्षण कर सकतें हैं।
2. नीलामी से पूर्व इच्छुक फर्म को धरोहर नगद दिनांक 25.09.2025 के पूर्वान्ह 11–00 बजे तक संस्थान में कैशियर के पास जमा करना होगा।
3. किसी भी बोली या समस्त बोलियों को निरस्त करने का अधिकार नीलामी समिति को होगा।
4. सक्षम अधिकारी द्वारा नीलामी की स्वीकृति प्रदान किये जाने के उपरान्त उच्चतम बोली की पूर्व धनराशि जमा करने के बाद ही मशीनों इत्यादि को उठवाया जायेगा।
5. विवादित प्रकरण न्यायालय, सीतापुर में ही निपटाये जायेंगे।
6. बिना धरोहर राशि रू०– 150,000.00 एवं 6500.00 (एक लाख पचांस हजार एवं छः हजार पांच सौ रूपये मात्र) नगद जमा कराये कोई भी फर्म नीलामी में भाग नहीं ले सकेगी।
7. उच्चतम बोलीदाता द्वारा मौके पर ही उच्चतम बोली की 25 प्रतिशत धनराशि (धरोहर राशि को सम्मिलित करते हुये) नगद जमा करना होगा।
8. फर्म द्वारा जी0एस0टी0 नम्बर, पैन नम्बर, चरित्र प्रमाण–पत्र (जिलाधिकारी द्वारा प्रदत्त), फोटो पहचान पत्र तथा पिछले वित्तीय वर्ष की बैलेन्स शीट / टर्न ओवर सम्बन्धी प्रपत्र एवं धरोहर राशि नगद कैशियर संस्थागत के पास जमा करने के पश्चात एक प्रार्थना पत्र प्रधानाचार्य के पास प्रस्तुत करना होगा। फर्म द्वारा उक्त अभिलेख उपलब्ध न कराने की दशा में नीलामी प्रक्रिया में भाग नहीं ले सकेगा। धरोहर राशि केवल नगद के रूप में ही स्वीकार किया जायेगा।
9. निदेशालय से अनुमोदन के उपरान्त स्वीकृत पत्र प्राप्त करने के एक सप्ताह के अन्दर शेष धनराशि एवं नियमानुसार देय व्यापार कर आदि जमा कराना होगा, अन्यथा 25 प्रतिशत जमा की गई धनराशि जब्त कर ली जायेगी।
10. नीलामी की धनराशि पर नियमानुसार समस्त कर अतिरिक्त देय होगे।
11. स्वीकृत पत्र प्राप्त होने के उपरान्त उसमें दी गई समय अवधि के अन्दर बोलीदाता को मशीनों इत्यादि उठाना अनिवार्य होगा।
12. समयावधि में मशीने इत्यादि ना उठाने की दशा में अगर उसमें कोई क्षति होती है तो बोलीदाता स्वयं जिम्मेदार होगा।
13. फर्म द्वारा अधिकृत व्यक्ति ही नीलामी में भाग ले सकेंगे इसके अतिरिक्त अन्य कोई व्यक्ति नीलामी प्रक्रिया में प्रवेश नहीं करेगा।
14. नीलामी में भाग लेने वाला व्यक्ति किसी भी प्रकार के अस्त्र–शस्त्र के साथ नीलामी में भाग नहीं ले सकेगा।
15. निर्धारित शर्तों का बोलीदाता को पालन करना अनिवार्य होगा।
16. अन्य शर्तों का बोलीदाता को पालन करना अनिवार्य होगा।
17. अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न होने पर नीलामी निरस्त कर दी जायेगी।
18. बिना कारण बताये नीलामी निरस्त करने का समस्त अधिकार समिति के पास सुरक्षित रहेगा।
19. www.upgov.nic.in पर सूचना उपलब्ध है।

(अवधेश सिंह)
प्रधानाचार्य

UP-237617 दिनांक 10.09.2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अमृत विचार क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
सूचित हो कि विवाह से पहले मेरा नाम गुड़िया था। लेकिन विवाह के बाद मैने अपना नाम बदल कर सुनीता कर लिया है। गुड़िया और सुनीता दोनों मेरे ही नाम है। और आधार कार्ड में अपना नाम सुनीता करवा लिया है। मुझे दोनों नाम से ही जाना व पहचाना जाता है। गुड़िया पत्नी रमेश कुमार पुत्री छेदालाल निवासिनी ग्राम बघौना पोस्ट मीरख नगर निगोहां तहसील मोहनलाल गंज जिला लखनऊ।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि शपथिनी की बीमा पालिसी संख्या 18967484 में शपथिनी का नाम सुमिराता पत्नी रामनेवाज है जबकि आधार कार्ड सहित अन्य अभिलेखो में शपथिनी का नाम सुमित्रा देवी पत्नी रामनेवाज है दोनो नाम एक ही है एक ही नाम से जाना पहचाना जाय। सुमित्रा देवी पत्नी राम नेवाज ग्राम अमानीगंज चन्दौरा तहसील मिल्कीपुर जिला अयोध्या।

सूचना
मेरा पुत्र हर्षित यादव जो कि डॉ. विरेन्द्र स्वरूप पब्लिक स्कूल, महानगर, लखनऊ में कक्षा–10 का छात्र है। उसके विद्यालय के दस्तावेजों में मेरा नाम Seema Yadav (सीमा यादव) अंकित है जिसे बदलकर मेरा सही नाम आधारकार्ड अनुसार Sheema Yadav (सीमा यादव) दर्ज किया जाये– सीमा यादव पत्नी स्व. हरी किशन यादव नि– दिलकुशा कैंट, मोहनगंज कैंटोनमेंट, दिलकुशा, लखनऊ– 226002

सूचना
पहले मेरा नाम युधिष्ठिर (YUDISTHIR) था अब मैं अपना नाम बदल कर इन्द्रजीत (INDRAJEET) कर रहा हूँ, मुझे भविष्य में इसी नाम से जाना व पहचाना जाय। S/O SARWAN KUMAR R/O WALLIPUR KAMLA NEHRU INSTITUTE PS KOTWALI NAGAR SULTANPUR U-P-228001

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम शाहबान है जो आधारकार्ड और बैंकपास बुक में अंकित है। जबकि एलआईसी की पालिसी बीमा नंबर 219317273 में मेरा नाम सावन हुसैन शाह लिखा है। जबकि, शाहबान और सावन हुसैन शाह दोनों मेरा ही नाम है। मुझे शाहबान उर्फ सावन हुसैन शाह के नाम से जाना पहचाना जाए। शाहबान उर्फ सावन हुसैन शाह पुत्र इतवार अली निवासी ग्राम महादेवा लालापुरवा पो. मलारी परगना व तहसील– गोंडा जिला–गोंडा, उप्र

सूचना
प्रेमचंद सोनी बनाम सरकार ग्राम–पिपरा अदाई, परगना– बूढ़ापायर तहसील – मनकापुर, जनपद–गोण्डा धारा – 80 (1)उ0 प्र0 राव सहिंता 2006 गाटा सं0–44/0.4250 हे0 में से 0.01930 हे0 की धारा–80(1) यू0पी0आरव सी0 घोषित करने हेतु आवेदन किया गया है। यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो न्यायालय उपजिलाधिकारी मनकापुर के न्यायालय पर आकर आपत्ति कर सकता है। आज्ञा से उपजिलाधिकारी नकापुर जनपद गोंडा

सूचना
सूच्य हो कि मै सुभाष चन्द्र श्रीवास्तव पुत्र पी. सी. श्रीवास्तव निवासी ई–21, गवर्नमेंट प्रेस कॉलोनी, ऐशबाग, लखनऊ 226004 (उ0 प्र0) अपने पुत्र कुलदीप श्रीवास्तव व पुत्रवधू पूर्णिमा श्रीवास्तव निवासी उपरोक्त को उनके गलत आचरण और दुर्व्यवहार से क्षुब्ध होकर उन्हें अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं व भविष्य में उनके द्वारा किए गए लेन देन व कृत्य के लिए मैं व मेरा परिवार उत्तरदाई नही होगा।

सूचना
मेरा नाम इंदू देवी है। अब मैंने अपना नाम इंदू जयसवाल कर लिया है। यह दोनों नाम मेरे ही हैं मुझे दोनों नाम से जाना पहचाना जाए। इंदू जयसवाल उम्र 42 वर्ष पत्नी जमुना प्रसाद निवासिनी देवीपाटन तुलसीपुर, परगना व तहसील तुलसीपुर जनपद बलरामपुर

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं राम खेलावन आयु बालिग पुत्र स्व0 शिव लाल निवासी ग्राम व पोस्ट– सेंधरवा, परगना व तहसील मलिहाबाद, जिला– लखनऊ हूँ मैंने अपनी पुत्री का सुकन्या खाता डाकघर मलिहाबाद जिला–लखनऊ में खुलवाया था जिसकी खाता संख्या 7998501091 में पुत्री का नाम कु0 श्रेया त्रुटिपूर्ण दर्ज है जिसे पुत्री के आधार कार्ड संख्या 7324 5686 0734 व जन्म प्रमाण पत्र के अनुसार श्रेया वर्मा (SHREYA VERMA) दर्ज कराना है, मेरी पुत्री भविष्य में भी श्रेया वर्मा (SHREYA VERMA) के नाम से जानी व पहचानी जाये।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल, अनुक्रमांक 2778236 वर्ष 2019 तथा इण्टरमीडिएट अनुक्रमांक 217231330 वर्ष 2021 के मूल अंकपत्र सह प्रमाण पत्र वास्तव में खो गया है। परीक्षार्थी का नाम – सुजीत कुमार शुक्ला पूरा पता – दिरास, शुकुल पुरखा, पो. –रामापुर, कौड़िया बाजार गोण्डा

सूचना
मैं **हिमांशु मजूमदार पुत्र गौर चन्द्र मजूमदार, निवासी– ग्राम–असही आजमपुर पोस्ट असही आजमपुर तहसील संडीला जनपद हरदोई**, मेरा नाम हिमांशु है और आज के बाद से मेरा नाम हिमांशु मजूमदार पुत्र गौर चन्द्र मजूमदार से जाना जाएगा तथा आज के बाद अपने सभी तरह के कार्य हिमांशु मजूमदार पुत्र गौर चन्द्र मजूमदार नाम से करेगा।

सूचना
मै बाबूलाल पुत्र बिहारी निवासी चहंदर मजरा कुकुरा पोस्ट भरावन जनपद हरदोई का निवासी हूं। यह कि मेरा नाम बाबूलाल और बाबूराम से भी जाना जाता है। एल आई सी बांड 222535301 में बाबूराम लिखा है। अतः मेरा नाम बाबूलाल उर्फ़ बाबूराम है। सम्बंधित दस्तावेज में बाबूराम ही बाबूलाल है।

सूचना
सूचित हो कि मैं अपने पुत्र अतुल कुमार के समाज में असमाजिक कार्यो में लिप्त होने और बुरे व्यसनों में संलिप्त होने के कारण अपने पुत्र अतुल कुमार को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहा हुं। उसके द्वारा किये गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होग। **राजरतन पुत्र घूरेलाल निवासी ग्राम उसरहा छनोईया थाना सण्डीला, जिला हरदोई**

सूचना
मैं सुलेमान हुसैन पुत्र खालिद हुसैन निवासी ग्राम रहीमाबाद, जिन्दौर, परगना व तहसील मलिहाबाद लखनऊ का हूं। यह की मेरे पुत्र का नाम आधार कार्ड व अन्य दस्तावेज पर अरशम सुलेमान है और इसी नाम से जाना पहचाना जाता रहा है। लेकिन आज दिनांक 12/09/2025 से मेरे पुत्र को इब्राहीम सुलेमान पुत्र सुलेमान हुसैन से जाना पहचाना जाए और भविष्य में इसी नाम से जाना पहचाना जाए।

सूचना
मैं **प्रांशी सोनी पुत्री प्रहलाद सोनी, निवासी चित्रकूट**, वर्ष 2020 की उत्तर प्रदेश बोर्ड हाई स्कूल परीक्षा की छात्रा हूं। मेरी हाई स्कूल की मूल मार्कशीट (Roll No: 1540069) हाल ही में खो गई है। यदि किसी सज्जन को यह मार्कशीट मिलती है, तो कृपया नीचे दिए गए मो0नं0–9794168220 पर संपर्क करें या नजदीकी पुलिस स्टेशन में जमा करें।

सूचना
सूचित हो आधार कार्ड 3282–8848–0465 में मेरा नाम त्रुटिवश विमल कुमार उर्फ सत्यम यादव दर्ज हो गया है, जबकि सही नाम विमल कुमार है, जो शैक्षिक अभिलेखों में भी दर्ज है। विमल कुमार पुत्र तदवीर सिंह निवासी मौलवी बदन खाँ बजरिया शहर व जिला फर्रुखाबाद।

अमृत विचार

शुक्रवार, 12 सितंबर 2025

हताश न होना सफलता का मूल है और यही परम सुख है। उत्साह मनुष्य को कर्मों में प्रेरित करता है और उत्साह ही कर्म को सफल बनता है। – **महार्षि वाल्मीकि**

साझेदारी की ओर

भारत और अमेरिका के बीच दोस्ती का रिश्ता हमेशा से ही खास और गहरा रहा है। दोनों देश लोकतंत्र, स्वतंत्रता और समान अधिकारों जैसे मूल्यों में गहरी आस्था रखते हैं और यही कारण है कि इन्हें एक-दूसरे का स्वाभाविक साझेदार कहा जाता है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बातचीत ने इस रिश्ते की अहमियत को और उजागर किया। ट्रंप ने भारत को स्वाभाविक सहयोगी बताते हुए संबंधों की सराहना की, जबकि मोदी ने भी इसे सकारात्मक रूप से लिया और बातचीत को आगे बढ़ाने की इच्छा जताई। यह घटना केवल औपचारिकता नहीं थी, बल्कि यह संकेत देती है कि दोनों देशों के बीच आपसी विश्वास और समझ लगातार गहरी हो रही है। यह विश्वास भविष्य में न केवल द्विपक्षीय संबंधों को नई दिशा देगा, बल्कि वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित करेगा। भारत-अमेरिका रिश्तों की मज़बूती का सबसे बड़ा कारण यह है कि दोनों देश अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में स्थिरता और शांति के पक्षधर हैं और उनके हित एक-दूसरे से मेल खाते हैं। यह तालमेल आने वाले समय में पूरी दुनिया के लिए सकारात्मक असर छोड़ सकता है।

वर्तमान समय में भारत और अमेरिका के बीच सबसे प्रमुख मुद्दा व्यापार है। पिछले कुछ वर्षों में कई तरह की शुल्क दरों और व्यापारिक प्रतिबंधों के कारण तनाव की स्थिति बनी थी। अमेरिका ने भारत के कुछ उत्पादों पर शुल्क बढ़ाया, वहीं भारत ने भी अमेरिकी वस्तुओं पर कुछ पाबंदियां लगाईं। इन परिस्थितियों के चलते दोनों देशों के रिश्ते में खटास आई, लेकिन अब हालात धीरे-धीरे बदल रहे हैं। मोदी ने साफ कहा है कि दोनों देशों की टीमें समझौते को अंतिम रूप देने के लिए गंभीरता से काम कर रही हैं। यदि यह प्रयास सफल होता है तो भारत को तकनीकी सहयोग, निवेश और औद्योगिक विकास में नई दिशा मिलेगी। दूसरी ओर अमेरिकी कंपनियों को भारत के विशाल और तेजी से बढ़ते बाजार तक पहुंचने का अवसर मिलेगा। इससे न केवल द्विपक्षीय व्यापार बढ़ेगा, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। भारत और अमेरिका की साझेदारी केवल व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह रणनीतिक और सुरक्षा के क्षेत्र में भी उतनी ही मज़बूत है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोनों देश एक साथ खड़े हैं और हिंद-प्रशांत क्षेत्र की स्थिरता को लेकर उनका दृष्टिकोण लगभग समान है। अमेरिका भारत को आधुनिक रक्षा तकनीक और उपकरण उपलब्ध कराता है, जबकि भारत एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में क्षेत्रीय शांति बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है। इसके अलावा विज्ञान, स्वास्थ्य, शिक्षा और डिजिटल तकनीक जैसे क्षेत्रों में सहयोग तेजी से बढ़ रहा है। भारतीय प्रवासी समुदाय ने भी दोनों देशों को और करीब लाने का काम किया है, जो न केवल आर्थिक दृष्टि से, बल्कि सांस्कृतिक दृष्टि से भी रिश्तों को गहराई देता है। यही वजह है कि भारत-अमेरिका रिश्ते केवल कूटनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जनता और समाज के स्तर पर भी मजबूत होते जा रहे हैं। यदि यह साझेदारी आपसी विश्वास, व्यावहारिक दृष्टिकोण और परस्पर सम्मान पर आगे बढ़ती रही तो यह निश्चय ही 21वीं सदी की सबसे प्रभावशाली और सशक्त साझेदारी सिद्ध होगी। यह संबंध न केवल भारत और अमेरिका की जनता को लाभान्वित करेंगे, बल्कि पूरी दुनिया में शांति, स्थिरता और विकास की नई इबारत लिखेंगे।

प्रसंगवश

थंडरस्टॉर्म, झमाझम और भीगी-भागी गड़बड़

सूचना क्रांति ने जर्रे-जर्रे को तरह-तरह की खबरों से इस कदर भर दिया है कि चारों ओर ब्रेकिंग न्यूज का ओवरफ्लो दिखता है। सच तो यह है कि आज का अनुभूत सच गूगल से उठा ली गई सेकंड हैण्ड जानकारियों का जमावड़ा है। वे विद्वान, जिन्हें अपना वजूद जानने को जीपीएस खंगालना पड़ता है, अपने शाब्दिक वाणों से सरकार को सरपट दौड़ाने की कोशिश में लगे रहते हैं। अब कुछ भी ऐसा नहीं बचा, जिसे गोपनीय कहा जा सके। मौसम की भविष्यवाणी इतनी सटीक कि उसके निर्धारित समयानुसार लोग प्याज कतरने और बेसन घोलने का काम शुरू करते है। अब कन्फ्यूजन केवल शब्दावली को लेकर है। मौसम विभाग कहता है, थंडरस्टॉर्म, लेकिन न कोई गड़-गड़, न कोई तड़-तड़, सिर्फ झमाझम और भीगीभागी गड़बड़। अब कहते हैं कि मन भीग जाता है, पर तरबतर होने को देह थोड़ी पड़ जाती है। यमुना का जल खतरे के निशान के आसपास पहुंच जाने की पुख्ता खबर है। इससे दिल्ली वालों पर रत्ती भर फर्क नहीं पड़ता। फिलहाल उनकी चिंताएं अवमानना और क्षमायाचना के इर्द-गिर्द लगातार दोलन कर रही हैं। कहने वाले कहते घूम रहें हैं कि घड़ी के भीतर फिसलती वक्त की बालू इतिहास रचने को तत्पर है। लोगों का कहना है कि जब अवमानना होनी थी, हो गई, जो बीत गया वो बीत गई। बात-बात पर बात का बतंगड़ कोई क्यों बनाए? क्षमायाचना भी तो कुल मिलाकर सॉरी का हिंदी वर्जन ही है, कह दिया तो कह दिया, नहीं कहा तो भी क्या। आजकल छींकते समय मुंह को आस्तीन में छुपा लेने का चलन है। ऐसे में बंदा यथासमय मुंह और नाक को कवर करे या सॉरी आदि कहने की औपचारिकता में उलझकर वायरस प्रसार में योगदान दे डाले।

निर्मल गुप्त
वरिष्ठ लेखक

दिल्ली में निचले इलाकों में रहने वाले बाढ़ के द्वारा किए जाने वाले सालाना उत्पात के लिए कमर कसे लगभग तैयार बैठे हैं। ऊंचे दर्जे की कॉलोनियों में रहने वालों के लिए यह संभावित जलसा है।

दिल्ली में निचले इलाकों में रहने वाले बाढ़ के द्वारा किए जाने वाले सालाना उत्पात के लिए कमर कसे लगभग तैयार बैठे हैं। ऊंचे दर्जे की कॉलोनियों में रहने वालों के लिए यह संभावित जलसा है। जलथल जब एक होगा तब सरकार द्वारा आसमान में उड़ते हेलीकॉप्टर से बाढ़ पीड़ितों की थाह ली जाएगी। कोई भी राहत प्रदान करने से पहले बड़े-बड़े रंगीन इश्तेहार जारी होंगे। जगह-जगह राहत सामग्री को नेपथ्य में रख नेताजी के भीमकाय कटआउट लगेंगे। लार्जर देन लाइफ। इतना सब हो लेने के उपरांत यदि जरूरत महसूस हुई तो इधर-उधर थोड़ी-बहुत राहत सामग्री भी टपका दी जाएगी। साथ ही साथ बाढ़जी से विनम्र निवेदन किया जाएगा कि जो हुआ, बहुत हुआ, अब तुम चुपके से उतर लो। अन्यथा हम तुम्हें चुल्लू में भर-भर कर अन्यत्र उलीच देंगे। सयाने कह गए हैं कि अनुनय-विनय से बिगड़े हुए अधिकतर काम बन जाते हैं। इससे जटिल परिस्थिति में फंसा आदमी भी बिना जग हंसाई कराए दबे पांव पतली गली से बच निकलता है। सब जानते हैं कि भीषण आपदा में खुद को बचा ले जाने का हुनर कायरता नहीं, कार्य कुशलता माना जाता है। बात तो केवल सही समय पर उपयुक्त शब्दावली के प्रयोग की है। आज नहीं तो कल यह बहता हुआ जिद्दी पानी अपने चिह्न छोड़ता खतरे के निशान के आरपार निकल जाएगा। समय चाहे कितनी भी आशंकाओं से भरा हो, देर या सवेर बीत जाएगा।

बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से फूटी बदलाव की चिंगारी

दिग्विजय सिंह
कानपुर

नेपाल वह राष्ट्र है जिसे न तो अंग्रेज गुलाम बना पाए और न ही मुगल शासक वहां अपनी जड़े जमा सके। इसकी बड़ी वजह थी नेपाली युवाओं में देश की आन-बान और शान के लिए मर मिटने का जज्बा, लेकिन वही नेपाल अपने जनप्रतिनिधियों के भ्रष्टाचार, निरंकुशता की वजह से हार गया। गरीबी, भ्रष्टाचार, महंगाई और बेरोजगारी की वजह से नेपाल में आंदोलन की चिंगारी फूटी, जिसकी वजह से प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को सत्ता छोड़नी पड़ी और एक पूर्व प्रधानमंत्री की पत्नी की हत्या तक हो गई। यहां 2019 में बेरोजगारी दर 10.39 प्रतिशत थी, जो अब 10.71 फीसद हो गई है। नेपाल की नेशनल स्टैटिस्टिक्स ऑफिस द्वारा जारी किए गए नेपाल लिविंग स्टैंडर्ड सर्वे के अनुसार यहां 2022-2023 में 15 से 24 साल के युवाओं में बेरोजगारी दर 22.7 प्रतिशत पाई गई, जो कि 1995-96 में मात्र 7.3 प्रतिशत थी। यह रिपोर्ट बताने के लिए काफी है कि यहां की सरकार ने रोजगार देने और गरीबी उन्मूलन के लिए कुछ भी नहीं किया।

सत्ता प्रतिष्ठानों पर बैठे लोगों ने सिर्फ अपनी जेब भरने में ही दिलचस्पी दिखाई। देश की कुल संपत्ति का 56 प्रतिशत हिस्सा यहां के 20 प्रतिशत लोगों के पास है, जो यह बताने के लिए काफी है कि यहां आर्थिक असमानता की खाई कितनी गहरी है।

सत्ता प्रतिष्ठानों पर बैठे लोगों ने सिर्फ अपनी जेब भरने में ही दिलचस्पी दिखाई। देश की कुल संपत्ति का 56 प्रतिशत हिस्सा यहां के 20 प्रतिशत लोगों के पास है, जो यह बताने के लिए काफी है कि यहां आर्थिक असमानता की खाई कितनी गहरी है। सरकार की आर्थिक नीतियों के कारण आबादी का बड़ा हिस्सा आर्थिक रूप से तंग है। एक तरफ बेरोजगारी और गरीबी की मार है तो दूसरी तरफ महंगाई भी यहां के लोगों का जीना दुश्वार कर रही है। 2019 में महंगाई दर 4.6 प्रतिशत थी, जो अब 5.2 प्रतिशत हो गई। यह आंकड़ा दर्शाता है कि महंगाई रोकने के लिए कोई ठोस उपाय सरकार ने नहीं किए। हालांकि पड़ोसी राष्ट्र में इन समस्याओं के लिए कुछ हद तक राजनीतिक उठापटक भी जिम्मेदार है। सरकारें अपना कार्यकाल भी पूरा नहीं कर पा रही हैं। ऐसे में जो नीतियां बनती भी हैं प्रभावी ढंग से लागू नहीं हो पा रही हैं। नेपाल की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से कर्ज पर आश्रित है। 2023 में सार्वजनिक कर्ज 24 लाख करोड़ रुपये था, जो 2024 में बढ़कर 26 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह कर्ज नेपाल की जीडीपी का 44.77 प्रतिशत है। अगर इस कर्ज में विदेशी हिस्सेदारी की बात करें तो यह 50.87 प्रतिशत है, जो यह बताने के लिए काफी है कि इस देश की अर्थव्यवस्था कर्ज के बोझ तले दबी हुई है। देश में औद्योगिक विकास की कमी, कोरोना के बाद पर्यटकों की संख्या में आई गिरावट ने भी यहां की अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान पहुंचाया है।

देश में रोजगार न मिलने से युवा भारत, ऑस्ट्रेलिया, मलेशिया जैसे देशों में नौकरी करने को मजबूर हैं। वे जो धनराशि वहां से भेजते हैं, उसे रेमिटेंस कहा जाता है। 2022 में विश्व बैंक द्वारा जारी की गई रिपोर्ट पर गौर करें तो नेपाल की जीडीपी का लगभग 21.8 प्रतिशत हिस्सा रेमिटेंस से ही आता है। अपने देश में यदि रोजगार मिले तो शायद ही युवा दूसरे देशों में जाकर नौकरी करें, लेकिन यहां की सरकारों ने इस पर ध्यान नहीं दिया। परिणाम स्वरूप तकनीकी रूप से दक्ष नेपाली युवा भी सिक्योरिटी गार्ड जैसी नौकरी करने के लिए विवश हैं। यही वजह है कि जेन-जी कहे जाने वाले 16 से 25 साल के युवा नाराज होकर सड़कों पर उतरे और उन्होंने ओली सरकार को उखाड़ फेंका। अब बात करें भ्रष्टाचार की तो यह दिनों दिन बढ़ता ही जा रहा है। ओली सरकार से विभिन्न तरह के सौदों में रिश्वत लेने का आरोप लगा था।

उन पर आरोप था कि उन्होंने भारी भरकम राशि विदेशी बैंकों में जमाकर रखी है और उससे उन्हें हर साल दो करोड़ रुपये से अधिक ब्याज मिलता है। 2021 में नेपाल में 54 हजार करोड़ रुपये से अधिक का घोटाला सामने आया था तो 2024 मतें 69 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की धनराशि के भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ने के आरोप लगे थे। इन घोटालों की जांच हो रही है। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष एवं पूर्व उप प्रधानमंत्री रबी लामिछाने को सहकारी फंड घोटाले के कारण ही जेल जाना पड़ा था। हालांकि आंदोलनकारियों ने उन्हें जेल से छुड़ा लिया। युवा यह मानते हैं कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध आंदोलन के कारण उन्हें जेल जाना पड़ा था।

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल भी एक दवा कंपनी को भूमि आवंटन में घोटाले के आरोपों का सामना कर रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, शेर बहादुर देउबा, पुष्प दलह प्रचंड और बाबूराम भट्टराई भी भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे हुए हैं। इन नेताओं पर परिवारवाद का भी आरोप है। सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर लगातार सरकार में बैठे नेताओं और पूर्व प्रधानमंत्रियों व मंत्रियों पर भ्रष्टाचार से जुड़ी मुहिम युवा छेड़े हुए थे और जब इन प्लेटफार्मों पर प्रतिबंध लगा तो वे सड़क पर उतर गए और सरकार को उखाड़ फेंका।

आमने

प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से बातचीत में हमने भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी को और मज़बूत करने की अपनी संयुक्त प्रतिबद्धता दोहराई। पारस्परिक रूप से लाभकारी भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने और आईएमईसी पहल के माध्यम से संपर्क को बढ़ावा देने में इटली के सक्रिय सहयोग के लिए धन्यवाद।
– **नरेंद्र मोदी**, प्रधानमंत्री

सामने

भारतीय प्रधानमंत्री के साथ टेलीफोन पर बातचीत हुई, जिसमें हमने द्विपक्षीय संबंधों की उत्कृष्ट स्थिति पर संतोष व्यक्त किया। इटली-भारत रणनीतिक कार्य योजना 2025-2029 को और गहन बनाने की अपनी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की, जिसकी शुरुआत आईएमईसी सहित व्यापार, निवेश और संपर्क में सहयोग को मज़बूत करने से होगी।
–**जॉर्जिया मेलोनी**, इटली प्रधानमंत्री

इकोसिस्टम सर्विसेज से संरक्षित होंगे प्राकृतिक संसाधन

प्रो. एचसी पुरोहित
समन्वयक, हिंदू अध्ययन केंद्र, दून विश्वविद्यालय

विश्व के सभी देश आज आपदाओं से ग्रस्त हैं, इनमें प्राकृतिक और मानवजनित दोनों तरह की आपदाएं शामिल हैं। इन आपदाओं का प्रभाव उन देशों पर भी है, जो कार्बन उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार नहीं हैं। जैसे कैरेबियन, डोमिनिका, अफ्रीका का कोमोरोस आदि। क्योंकि पर्यावरण संकट या जलवायु परिवर्तन किसी देश की सीमा तक सीमित न होकर यह समूचे भू मंडल को प्रभावित करता है। विश्व के सभी देश आज आपदाओं से ग्रस्त हैं। विश्व आर्थिक मंच के आंकड़ों के अनुसार प्रतिवर्ष आपदा से विस्थापित होने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

2023 में आपदाओं के कारण आंतरिक विस्थापन लगभग 7.7 मिलियन था। 2024 में आंतरिक विस्थापन लगभग 45.8 मिलियन था, जिसमें 99.5 प्रतिशत विस्थापन जलवायु प्रेरित था और अनुमान है कि यह संख्या वर्ष 2050 तक 1.2 अरब से अधिक हो जाएगी। आपदाओं से होने वाला पलायन युद्ध के कारण होने वाले पलायन से भी अधिक है। आपदाग्रस्त विश्व समुदाय की प्रमुख पीड़ा का कारण उपभोक्तावाद और बाजारवादी आर्थिक मॉडल हैं, क्योंकि आज की अर्थव्यवस्थाएं पूंजीवादी रेखीय मॉडल पर आधारित हैं, जिसके अंतर्गत प्राकृतिक संसाधनों का अधिकतम दोहन कर उन्हें विभिन्न वस्तुओं में परिवर्तित एवं निर्मित करना है, जिससे वे उपभोक्ताओं के उपभोग हेतु उपलब्ध हों और उपयोग के पश्चात नष्ट कर दिए जाएं। संक्षेप में यह नीति 'टेक-मेक-डिस्पोज' के नाम से प्रचलित है।

इस प्रणाली में उत्पादों का पुनः उपयोग नहीं किया जाता और उसे कचरा समझ कर फेंक दिया जाता है, जिससे बड़ी मात्रा में अपशिष्ट और प्रदूषण उत्पन्न हो रहा है। इससे प्राकृतिक साधनों का तीव्र क्षरण होने के साथ ही पारिस्थितिकी तंत्र भी प्रभावित हो रहा है। इससे जनित आपदा से निपटने के लिए हर देश द्वारा हर वर्ष करोड़ों रुपये व्यय किए जाते हैं, परंतु आपदाओं से जो मानसिक आघात पहुंचता है और जान-माल की क्षति से जो दर्द पहुंचता है, उसकी प्रतिपूर्ति शायद ही कभी हो पाए। इसलिए आवश्यकता है कि प्राकृतिक आपदाओं पर नियंत्रण हेतु मानव समाज को संवेदनशीलता के साथ सामूहिक प्रयास करना होगा। तभी इस समस्या का दीर्घकालीन समाधान संभव होगा और इसके लिए आर्थिक विकास का रेखीय मॉडल के बजाय चक्रीय (सर्कुलर) मॉडल अपनाना होगा। क्योंकि चक्रीय अर्थव्यवस्था का मॉडल उत्पादन और उपभोग हेतु उत्पादों और सामग्रियों को यथासंभव लंबे समय तक साझा करना, पट्टे पर देना, पुनः उपयोग, मरम्मत, नवीनीकरण और पुनर्चक्रण शामिल है, ताकि उन्हें अपशिष्ट बनने से रोका जा सके और कचरे को कम किया जा सके।

विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसा करने से प्रकृति से मिलने वाली निःशुल्क सेवाएं जैसे-ऑक्सीजन, जैव विविधता, जल संरक्षण आदि लगभग डेढ़ दर्जन सेवाओं का मूल्यांकन प्रकृति के प्रति समाज को संवेदनशील बनाएगी और उनके संरक्षण को प्रोत्साहित करेगा। आर्थिक विकास का मॉडल उपभोग की जगह प्रकृति संरक्षण और रेखीय के बजाय चक्रीय आधार अपने से पारिस्थितिकी तंत्र की व्यापकता और सार्वभौमिकता सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक होगी। इकोसिस्टम सर्विसेज के क्षेत्र में सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक एवं हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर एस पी सिंह का कार्य, विशेष रूप से हिमालयी वन पारिस्थितिकी प्रणालियों पर 2002 में पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को जैविक और अजैविक घटकों के बीच परस्पर क्रिया से प्राप्त लाभों के रूप में प्रकाशित हुआ, जिसमें कार्बन पृथक्करण, मृदा उर्वरता में सुधार, मृदा और वायु शोधन और जलवायु नियंत्रण शामिल हैं। उनका शोध वनों द्वारा प्रदान की जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं पर केंद्रित है, जिनमें ईंधन, लकड़ी, भोजन, जैव उत्पाद, जल आपूर्ति और आनुवंशिक विविधता शामिल हैं। उनके द्वारा पहचानी गई प्रमुख पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं में, प्रावधान सेवाएं: ये पारिस्थितिक तंत्रों से प्राप्त उत्पाद हैं। इकोसिस्टम सर्विसेज को पहचानना और इनकी गणना करने की दिशा में रॉबर्ट कोस्टानजा ने 90 के दशक में काफी प्रयास किए। वर्ष 1997 में उनका शोध प्रकाशित होने से दुनिया की इस विषय पर रुचि बढ़ी। उसके बाद वर्ष 2000 में संयुक्त राष्ट्र महासचिव कॉफी अन्नन ने भी इस विषय पर दिलचस्पी दिखाई और मिलेनियम इकोसिस्टम एसेसमेंट प्रारंभ करने पर जोर दिया। इकोसिस्टम सर्विसेज की गणना कई देशों में छोटे स्तर पर तो की जाती है, परंतु समग्र रूप से यह प्रचलन में नहीं है, लेकिन अब समय आ गया है कि हम सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रकृति द्वारा प्रदत्त सेवाओं की गणना को प्राथमिकता दें और उस आधार पर आर्थिकी का मापन करें। इसके लिए वैश्विक स्तर पर सामुहिक प्रयास पर्यावरण संकट व जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से मुकाबला करने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में सहायक सिद्ध होगा।

हिमालय दिवस की सार्थकता तभी सिद्ध होगी जब हिमालय के संरक्षण के लिए इकोसिस्टम सर्विसेज का मूल्यांकन को आर्थिकी के मापन में किया जाना वैश्विक स्तर पर प्रारंभ होगा, क्योंकि इस प्रकार के प्रयास प्राकृतिक संसाधनों के प्रति मानव समाज को अधिक संवेदनशील बनाएंगे।

विश्व के सभी देश आज आपदाओं से ग्रस्त हैं। विश्व आर्थिक मंच के आंकड़ों के अनुसार प्रतिवर्ष आपदा से विस्थापित होने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

सोशल फोरम

नैतिक शिक्षा बनाम नैतिकता

स्कूल में "नैतिक शिक्षा" को मॉरल साइंस के सब्जेक्ट के रूप में पढ़ाया जाता था। वैसे तो मुझे स्कूल और स्कूली शिक्षा से बहुत चिढ़ थी, लेकिन मिडिल क्लास के परिवारों में बच्चों का स्कूल जाना और पढ़ाई-लिखाई करना जरूरी था और मजबूरी भी। इसी में माता-पिता को बच्चों का भविष्य दिखाई देता था। नैतिक शिक्षा में हमें वही करने को कहा जाता था, जो हम असल में करते नहीं थे। इसलिए यह करना चाहिए, यह नहीं करना चाहिए आदि आदि। "चाहिए" पर बहुत जोर रहता था। उदाहरण के लिए सुबह जल्दी उठना चाहिए। उठते ही माता-पिता के चरण स्पर्श करने चाहिए। पूजा करनी चाहिए। स्कूल में अध्यापकों के पैर छूने चाहिए। झूठ नहीं बोलना चाहिए, गाली-गलौज नहीं करना चाहिए। बड़ों का आदर करना चाहिए। सब कुछ करना चाहिए, जिसे समाज सही मानता हो, अपेक्षा करता हो या एप्रूव करता हो, तो नैतिक शिक्षा का अर्थ मेरे लिए यह यह था कि मैं जो करता हूं वह सब अनैतिक है।

अमरजीत सिंह
लेखक

फिर स्कूल में हमें कविता पढ़ाई जाती थी। हिंदी, अंग्रेजी और संस्कृत की। मेरे हिसाब से इन सबका व्यावहारिक जीवन में कोई उपयोग नहीं था। उस समय तो फेसबुक के पिताजी भी पैदा तो क्या प्लानिंग में भी नहीं थे। वर्ना समझता कि शायरी कविता वगैरह फेसबुक पर चिपकाकर कुछ लाइक वगैरह बटोरने के काम आते। कविता किसी ने लिखी और उसका भावार्थ लिखने का जिम्मेदारी हम छठी सातवीं के लौंडों पर थी। मैं सोचता कि सही अर्थ तो लेखक को पता होगा। हम क्यों परेशान हों कि इसका मतलब क्या हुआ। अब कबीर, तुलसी, सूरदास, महादेवी वर्मा, सुभद्रा कुमारी चौहान और रामधारी सिंह 'दिनकर' की कविता का सही मूल्यांकन करने की हैसियत होती तो क्या आठवीं क्लास में इम्तिहान पास करने के लिए पढ़ रहा होता। अब जिसने डायनामाइट बना भी दिया वह भी कहां खुश था। वह भी प्रायश्चित करने के लिए अपनी अर्जित धन दौलत से नोबेल शांति पुरस्कार ही बांटकर गया। आजकल जब भी चुनाव होते हैं तो चुनाव प्रचार की खबरें प्रमुखता से छपती हैं। उम्मीदवारों के संबध में सभी जरूरी जानकारी अखबारों से मिलती हैं। किसी उम्मीदवार के पास कितनी धन-दौलत है और उसकी शैक्षणिक योग्यता क्या है। किसके खिलाफ कितने आपराधिक मामले लंबित हैं। इसे देखने पर पता लगता है कि अर्जित जायदाद का शैक्षणिक योग्यता से कोई संबंध नहीं हैं। आठवीं, दसवीं और बारहवीं पास उम्मीदवारों के पास पचास, साठ और सत्तर करोड़ रुपए की चल-अचल संपत्ति है, जो शायद किसी अच्छी पोस्ट पर रिटायर्ड ईमानदार अधिकारी के पास भी नहीं होगी।

सामयिकी

पड़ोस की अस्थिरता और भारत की अर्थव्यवस्था

भारत के लिए पड़ोसी देशों की स्थिरता केवल कूटनीतिक या सुरक्षा का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह उसकी अर्थव्यवस्था और निवेश माहौल को भी प्रभावित करती है। हाल ही में नेपाल में बढ़ती राजनीतिक अस्थिरता और चीन का दबदबा भारत के लिए एक बड़ा खतरा बनकर सामने आया है। लगभग 1,850 किलोमीटर लंबी खुली सीमा और साझा सांस्कृतिक-आर्थिक संबंध भारत-नेपाल रिश्तों को बेहद संवेदनशील बनाते हैं। हर साल लाखों नेपाली नागरिक भारत में काम करते हैं और दोनों देशों के बीच सालाना 74,000 करोड़ से अधिक का व्यापार होता है, लेकिन जब नेपाल की राजनीति में अस्थिरता आती है, तो भारत का निर्यात, निवेश और सीमा सुरक्षा सीधे प्रभावित होती है।

वित्त वर्ष 2023-24 के आंकड़े बताते हैं कि भारत ने नेपाल को लगभग 74,000 करोड़ का निर्यात किया, जिसमें पेट्रोलियम उत्पाद, दवाइयां, स्टील और मशीनरी शामिल थे। वहीं, भारत ने नेपाल से कृषि उत्पाद और जड़ी-बूटियां आयात कीं। अगर नेपाल की अर्थव्यवस्था अस्थिर होती है, तो वहां की मांग घटेगी और भारत के छोटे व मध्यम उद्योगों पर असर पड़ेगा। इसके अलावा भारत ने नेपाल के हाइड्रोपावर सेक्टर में बड़े पैमाने पर निवेश किया है। लगभग 6,000 मेगावाट हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स भारत और नेपाल की साझेदारी से चल रहे हैं। राजनीतिक अनिश्चितता और चीन की दखलंदाजी इन प्रोजेक्ट्स को खतरे में डाल सकती है। भारत की चिंता केवल नेपाल तक सीमित नहीं है। पाकिस्तान के साथ लंबे समय से चले आ रहे तनाव के कारण भारत का रक्षा बजट हर साल बढ़ता जा रहा है। बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता और प्रवासन मुद्दे भारत की सामाजिक संरचना को प्रभावित कर रहे हैं। वहीं, मालदीव में चीन का बढ़ता प्रभाव भारत की हिंद महासागर क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। इन परिस्थितियों का असर भारत की अर्थव्यवस्था और निवेश माहौल पर भी देखा जा रहा है। विदेशी निवेशक अक्सर पूरे दक्षिण एशियाई क्षेत्र को एक ही नजरिए से देखते हैं। अगर नेपाल या श्रीलंका जैसे देशों में अस्थिरता बढ़ती है, तो भारत को भी "रिस्क जोन" के रूप में देखा जाता है।

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय सलाहकार

वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट बताती है कि 2024 में भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रवाह यूएस $71 बिलियन रहा, जो पिछले साल से 10 प्रतिशत कम है। इसका एक कारण क्षेत्रीय अस्थिरता और भू-राजनीतिक तनाव भी है। ऐसे हालात में भारत को बहुआयामी रणनीति अपनानी होगी। वर्तमान में नेपाल-भारत सीमा पर केवल 120 से अधिक चेक-पोस्ट सक्रिय हैं, जबकि निगरानी और तकनीकी सुधार की जरूरत है ताकि अवैध तस्करी और नकली करेंसी की समस्या से निपटा जा सके। क्षेत्रीय स्तर पर भारत को सार्क और बिम्सटेक जैसे मंचों को फिर से सक्रिय करना होगा। दक्षिण एशियाई क्षेत्र का कुल सकल घरेलू उत्पाद लगभग यूएस $ 4 ट्रिलियन है, जिसमें अकेले भारत का हिस्सा 80 प्रतिशत से अधिक है। भारत यदि इन मंचों को नेतृत्व प्रदान करता है, तो क्षेत्रीय स्थिरता और व्यापारिक एकीकरण संभव हो सकता है। साथ ही भारत को निवेशकों को यह संदेश देना होगा कि पड़ोस की अस्थिरता के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था स्थिर और सुरक्षित निवेश का केंद्र है। इसके लिए टैक्स सुधार, नीति स्थिरता और तेज न्यायिक प्रक्रियाओं को प्राथमिकता देनी होगी। नेपाल की अस्थिरता केवल नेपाल की समस्या नहीं है, बल्कि भारत के लिए भी एक आर्थिक और रणनीतिक चुनौती है। अगर भारत अपने पड़ोसियों के साथ मजबूत और स्थिर संबंध बनाए रखने में सफल होता है, तो वह अपनी सकल घरेलू उत्पाद, व्यापार और निवेश माहौल को सुरक्षित रख पाएगा। भारत को यह समझना होगा कि पड़ोस की स्थिरता ही उसकी आर्थिक मजबूती की नींव है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

कैंसर से जंग में विज्ञान की नई छलांग!

कैंसर आज दुनिया की सबसे गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों में गिना जाता है। यह बीमारी हर साल लाखों लोगों को प्रभावित करती है और लाखों की जान ले लेती है। यह रोग शरीर की कोशिकाओं के अनियंत्रित विकास और प्रसार से होता है, जो स्वस्थ ऊतकों को नष्ट कर देती हैं और शरीर के अन्य भागों में मेटास्टेसिस (फैलाव) का कारण बनती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, कैंसर वैश्विक मृत्यु दर का लगभग एक-छठा हिस्सा है। साल 2022 में दुनियाभर में लगभग 2 करोड़ नए मामले सामने आए और करीब 97 लाख लोगों की मौत हुई। अमेरिकन कैंसर सोसाइटी की 2025 रिपोर्ट के अनुसार, अकेले अमेरिका में 6.18 लाख लोग कैंसर के कारण अपनी जान खो सकते हैं।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर

ऐतिहासिक झलक

कैंसर का उल्लेख लगभग 2500 वर्ष पहले यूनानी चिकित्सक हिप्पोक्रेट्स ने "कार्सिनोमा" कहकर किया था। भारत में प्राचीन आयुर्वेदिक ग्रंथों में "अरबुद" और "ग्रंथि" जैसे शब्दों का प्रयोग मिलता है। 19 वीं शताब्दी में आधुनिक सर्जरी और माइक्रोस्कोपिक अध्ययन ने कैंसर को बेहतर ढंग से समझने का रास्ता खोला। 20 वीं शताब्दी में रेडिएशन, कीमोथेरेपी और बाद में इम्यूनोथेरेपी जैसी तकनीकों ने इलाज के नए रास्ते खोले और आज एमआरएनए वैक्सीन जैसी आधुनिक तकनीक इस इतिहास को एक नए अध्याय तक ले जाने का संकेत देती है।

वर्तमान उपचार और उनकी सीमाएं

आज कैंसर का इलाज मुख्य रूप से सर्जरी, कीमोथेरेपी, रेडिएशन, इम्यूनोथेरेपी, टार्गेटेड थेरेपी और हार्मोन थेरेपी पर आधारित है। सर्जरी में ट्यूमर को हटाया जाता है, जबकि कीमोथेरेपी दवाओं के जरिए कैंसर कोशिकाओं को मारती है। रेडिएशन उच्च ऊर्जा किरणों का उपयोग करता है। इम्यूनोथेरेपी शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को सक्रिय बनाती है। टार्गेटेड थेरेपी केवल कैंसर कोशिकाओं को निशाना बनाती है और हार्मोन थेरेपी हार्मोन-निर्भर कैंसर में काम आती है। इन सभी में सफलता की संभावना है, लेकिन इनसे जुड़े महंगे इलाज, दुष्प्रभाव और उपचार प्रतिरोध जैसी चुनौतियां भी हैं। यही वजह है कि वैज्ञानिक नई, अधिक सुरक्षित और असरदार विधियों की खोज में लगे हैं।

वैश्विक परिप्रेक्ष्य

वैश्विक स्तर पर अब तक 100 से अधिक कैंसर वैक्सीन क्लिनिकल ट्रायल्स चल रहे हैं, जिनका फोकस मुख्यतः फेफड़े, स्तन, प्रोस्टेट, मेलेनोमा, अग्नाशय और मस्तिष्क के कैंसर पर है। रूस की एंटरोमिक्स वैक्सीन इन प्रयासों में महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकती है, बशर्ते कि यह अगले चरणों के ट्रायल्स और अनुमोदन में भी सफल रहे।

कैंसर के प्रकार

कैंसर कई रूपों में सामने आता है। कार्सिनोमा सबसे आम है, जो त्वचा या अंगों को ढकने वाले ऊतक में शुरू होता है, जैसे स्तन, फेफड़े, प्रोस्टेट और कोलन कैंसर। सार्कोमा हड्डी और मांसपेशी जैसे संयोजी ऊतकों में विकसित होता है और अपेक्षाकृत दुर्लभ, लेकिन अत्यधिक आक्रामक होता है। ल्यूकेमिया रक्त कोशिकाओं का कैंसर है, जबकि लिंफोमा और मायलोमा प्रतिरक्षा प्रणाली को प्रभावित करते हैं। मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी का कैंसर सबसे जटिल माने जाते हैं। भारत में फेफड़े, स्तन, मुख और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर सबसे आम हैं।

एंटरोमिक्सः रूस से नई उम्मीद

सितंबर 2025 में रूस के वैज्ञानिकों ने घोषणा की कि उन्होंने एमआरएनए आधारित कैंसर वैक्सीन एंटरोमिक्स विकसित की है, जिसके प्रारंभिक ट्रायल में उल्लेखनीय सफलता दर्ज की गई। यह वैक्सीन रूसी स्वास्थ्य मंत्रालय की अंतिम अनुमोदन प्रक्रिया का इंतजार कर रही है। मीडिया खबरों के अनुसार एंटरोमिक्स चार गैर-हानिकारक वायरसों का उपयोग करती है, जो ट्यूमर को सीधे नष्ट करते हैं और प्रतिरक्षा प्रणाली को सक्रिय करते हैं। रूस के नेशनल मेडिकल रिसर्च रेडियोलॉजिकल सेंटर और एंगेलहार्ट इंस्टीट्यूट ऑफ मॉलिक्यूलर बायोलॉजी के सहयोग से किए गए प्रारंभिक परीक्षणों में वैक्सीन सुरक्षित पाई गई और कई मामलों में ट्यूमर का आकार 60–80 प्रतिशत तक कम हुआ। फेडरल मेडिकल एंड बायोलॉजिकल एजेंसी की प्रमुख वेरोनिका स्कवोर्त्सोवा ने कहा कि यह परिणाम शुरुआती हैं और व्यापक प्रभावकारिता के लिए बड़े पैमाने पर फेज टू और थ्री ट्रायल्स की आवश्यकता है।

एमआरएनए तकनीक और कार्यप्रणाली

खबरों के अनुसार एंटरोमिक्स पारंपरिक कैंसर उपचार से पूरी तरह अलग है। यह एमआरएनए तकनीक पर आधारित है, वही तकनीक जो कोविड-19 वैक्सीन में इस्तेमाल हुई थी। इसमें कमजोर या निष्क्रिय वायरस नहीं होता, बल्कि यह शरीर की कोशिकाओं को निर्देश देता है कि वे कैंसर विशिष्ट प्रोटीन (एंटिजेन) उत्पन्न करें। प्रतिरक्षा प्रणाली इन एंटिजेन को पहचानकर केवल कैंसर कोशिकाओं पर हमला करती है, जिससे स्वस्थ कोशिकाएं सुरक्षित रहती हैं।

वर्तमान में एंटरोमिक्स का प्रमुख फोकस कोलोरेक्टल कैंसर (बड़ी आंत का कैंसर) है, लेकिन शोधकर्ता ग्लियोब्लास्टोमा, मेलेनोमा और ऑकुलर मेलेनोमा जैसे आक्रामक कैंसरों पर भी इसका परीक्षण करने की योजना बना रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, यह वैक्सीन प्रत्येक रोगी की ट्यूमर प्रोफाइल के अनुरूप भी तैयार की जा सकती है।

आर्थिक प्रभाव

भारत जैसे विकासशील देशों में कैंसर केवल चिकित्सकीय समस्या नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और आर्थिक बोझ भी बन जाता है। एक कैंसर मरीज का इलाज अक्सर परिवार की पूरी बचत समाप्त कर देता है। कई परिवारों को संपत्ति बेचनी पड़ती है या कर्ज लेना पड़ता है। अक्सर यही आर्थिक संकट इलाज को अधूरा छोड़ने का कारण बनता है और मृत्यु दर को और बढ़ा देता है।

सामाजिक प्रभाव और भारत में संभावनाएं

यह वैक्सीन सामाजिक असमानताओं को कम करने में भी मदद कर सकती है। कैंसर गरीबों के लिए घातक है, क्योंकि इलाज महंगा है। भारत में, जहां कोलोरेक्टल और सर्वाइकल कैंसर आम हैं, यह वैक्सीन जीवन बचाने में सहायक हो सकती है। हालांकि पेटेंट और उत्पादन जैसी चुनौतियां भी हैं। कोविड-19 के दौरान एमआरएनए पेटेंट विवादों ने यह स्पष्ट किया कि इस क्षेत्र में बौद्धिक संपदा जटिल और विवादास्पद हो सकती है। फिर भी भारत-रूस की विशेष मैत्री इस संदर्भ में लाभप्रद हो सकती है। कोविड-19 के दौरान स्पूतनिक वी वैक्सीन का भारत में सफल उपयोग इसका प्रमाण है। एंटरोमिक्स वैक्सीन कैंसर के इलाज में नई क्रांति का संकेत है, परंतु यह सावधानी और बड़े पैमाने पर मूल्यांकन के बाद ही व्यापक उपयोग के लिए तैयार होगी। भारत में दुनिया का सबसे बड़ा वैक्सीन निर्माण उद्योग, मजबूत जेनेरिक दवा क्षेत्र और उन्नत बायोटेक अनुसंधान क्षमताएं मौजूद हैं। सीरम इंस्टीट्यूट, बायोकॉन, डॉ. रेड्डीज और भारत बायोटेक जैसी कंपनियों के पास उन्नत वैक्सीन का स्थानीय उत्पादन करने की क्षमता है। भारत की वैज्ञानिक और औद्योगिक क्षमता इस वैक्सीन को लोगों तक पहुंचाने में निर्णायक भूमिका निभा सकती है। यदि यह सफल रही, तो शायद कैंसर का नाम आने वाली पीढ़ियों के लिए भय का नाम नहीं रहेगा।

भारतीय परिप्रेक्ष्य

2023 में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के अनुसार, भारत में 14 लाख से अधिक लोग कैंसर से प्रभावित हुए। सरकार ने कैंसर की रोकथाम, समय पर पहचान और इलाज के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। 2025-26 के संघीय बजट में स्वास्थ्य मंत्रालय को कुल 99,858.56 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिसमें से 3,900.69 करोड़ रुपये स्वास्थ्य अनुसंधान के लिए हैं। इस बजट के तहत 200 डे केयर कैंसर सेंटर अगले तीन वर्षों में सभी जिला अस्पतालों में स्थापित किए जाएंगे। इसके अलावा 36 जीवन रक्षक दवाओं पर आयात शुल्क पूरी तरह हटाया गया है और छह दवाओं पर केवल 5 प्रतिशत शुल्क रहेगा।

कैंसर नियंत्रण के लिए एनपीसीडीसीएस कार्यक्रम के तहत ओरल, स्तन और सर्वाइकल कैंसर की स्क्रीनिंग और जागरूकता पर जोर दिया गया है। अब तक 770 जिला एनसीडी क्लिनिक, 372 जिला डे केयर सेंटर और 6,410 कम्युनिटी हेल्थ सेंटर एनसीडी क्लिनिक स्थापित किए जा चुके हैं। इसके अलावा 19 राज्य कैंसर संस्थान और 20 टर्शियरी कैंसर सेंटर पूरे देश में स्थापित किए गए हैं।

आयुष्मान भारत योजना ने आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के कैंसर इलाज में मदद की है। 2024 तक 90 प्रतिशत पंजीकृत मरीजों का इलाज इस योजना के तहत शुरू हो चुका है। वहीं, हेल्थ मिनिस्टर कैंसर पेशेंट फंड और नेशनल कैंसर ग्रिड गरीब और ग्रामीण मरीजों को समय पर और किफायती इलाज सुनिश्चित करते हैं। भारत ने अनुसंधान के क्षेत्र में भी बड़ी प्रगति की है। भारत में कैंसर के बारे में जानकारी इकट्ठा करने और नीतियां बनाने में नेशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम ने 1982 से अहम भूमिका निभाई है। वहीं, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ कैंसर प्रिवेंशन एंड रिसर्च कैंसर स्क्रीनिंग और अनुसंधान के लिए मार्गदर्शन देता है। अप्रैल 2024 में नेक्सकार 19, देश की पहली देशी कार-टी सेल थैरेपी, विकसित की गई। यह ब्लड कैंसर के इलाज में एक नई उम्मीद लेकर आई है। सितंबर 2024 में क्वाड कैंसर मूनशॉट पहल के तहत भारत ने अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान के साथ मिलकर सर्वाइकल कैंसर को खत्म करने की योजना शुरू की। जनवरी 2025 में एक्ट्रेक का विस्तार भी शुरू हुआ, ताकि उन्नत कैंसर इलाज और अनुसंधान को बढ़ावा दिया जा सके।

नए उत्पाद गैजेट

सैमसंग गैलेक्सी एस 25 एफई और टैब एस 11 सीरीज लॉन्च

- सैमसंग ने अपने लेटेस्ट गैलेक्सी इवेंट में दो बड़े प्रोडक्ट लॉन्च कर दिए हैं। पहला- सैमसंग गैलेक्सी एस 25 एफई स्मार्टफोन और दूसरा- नई सैमसंग गैलेक्सी टैब एस 11 सीरीज। कंपनी का फोकस प्रीमियम स्मार्टफोन खरीदारों और उन टैबलेट यूजर्स पर है, जो बेहतर प्रोडक्टिविटी और एआई फीचर्स चाहते हैं।

कीमत और उपलब्धता

- सैमसंग गैलेक्सी एस 25 एफई की शुरुआती कीमत करीब 57,300 है, जिसमें 8 जीबी + 128 जीबी वेरिएंट मिलेगा। 8 जीबी+ 256 जीबी वेरिएंट की कीमत करीब 62,570 रखी गई है। यह स्मार्टफोन आइसी ब्लू, जेट ब्लैक, नेवी और व्हाइट कलर ऑप्शन में उपलब्ध है। फोन की सेल अमेरिका में शुरू हो चुकी है और भारत में कीमत व उपलब्धता जल्द घोषित होने की उम्मीद है।

सैमसंग गैलेक्सी टैब एस 11

- **फीचर्स और स्पेसिफिकेशन**-दोनों टैबलेट्स एंड्रॉइड 16 आधारित वन यूआई 8 पर चलते हैं और इन्हें भी 7 साल तक के अपडेट्स मिलेंगे। गैलेक्सी टैब एस 11 में 11-इंच एमोलेड डिस्प्ले है, जबकि टैब एस 11 अल्ट्रा में 14 .6-इंच एमोलेड डिस्प्ले दिया गया है। दोनों में 120 एसजेड रिफ्रेश रेट और 1,600 निट्स पीक ब्राइटनेस है।
- इन टैबलेट्स में मीडियाटेक डाइमेंशन 9400 चिपसेट, 12 जीबी रैम और 512 जीबी तक स्टोरेज मिलता है। एआई फीचर्स जैसे नोट सहायता स्केच से छवि ड्राइंग एसिटेड शामिल हैं।
- कैमरा सेटअप में 13 एमपी+ 8 एमपी ड्यूल रियर कैमरा है, जबकि टैब एस 11 में 13 एमपी सिंगल कैमरा दिया गया है। दोनों में 12 एमपीफ्रंट कैमरा मौजूद है।
- डिजाइन के मामले में टैब एस 11 की मोटाई 5 .5 एमएम और वजन 469 ग्राम है, जबकि टैब एस 11 आल्ट्रा सिर्फ 5 .1 एमएम मोटा है और इसका वजन 692 ग्राम है। बैटरी क्षमता क्रमशः 8,400 एमएएच (टैब एस 11) और 11,600 एमएएच (अल्ट्रा) है। दोनों में 45 वॉट फास्ट चार्जिंग का सपोर्ट है।

अजूबे जैसी अमूल्य धरोहर सलखन जीवाश्म पार्क

धरती की उम्र का अनुमान 450 करोड़ साल के आसपास लगाया गया है, लेकिन इन 450 करोड़ सालों में जीवन की शुरुआत कब हुई, जीवाश्म इसी तरफ इशारा करते हैं। वैज्ञानिक मान्यता जीवन की शुरुआत धरती पर लगभग 400 करोड़ साल पहले होने की है, लेकिन कहां हुई, इसे लेकर अलग-अलग धारणाएं हैं। इनमें सर्वाधिक प्रबल धारणा कहती है कि जीवन की शुरुआत समुद्र की सतह पर हुई थी। पहले जीव जो धरती पर आए, उन्हें प्रोकैरेयोट कहा जाता है। इन जीवों में न्यूक्लियस यानी केंद्रक नहीं होता है और हमारी कोशिकाओं के मुकाबले बहुत सरल होते हैं। बैक्टीरिया की किस्म प्रोकैरेयोट ही होती है। इन्हीं बैक्टीरिया को मारने के लिए हमें एंटीबायोटिक दवाएं खानी पड़ती हैं। धरती पर जब जीवन का अविष्कार हुआ, तो दो तरह के प्रोकैरेयोट सामने आए। इनमें एक का नाम बैक्टीरिया और दूसरे का आर्किया है। धरती पर इनका वर्चस्व लगभग 200 करोड़ साल तक चला। इनमें साइनोबैक्टीरिया को लगभग 350 करोड़ वर्ष पुराना माना जाता है। इन जीवाश्म को पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया की आर्कियन चट्टानों में पाया गया था। सोनभद्र जिले के सलखन गांव के पास भी साइनोबैक्टीरिया पाए जाते हैं। यह दुर्लभ जीवाश्म नीले-हरे शैवाल द्वारा निर्मित हैं। इनकी उम्र 150 करोड़ साल के आसपास है। *– मनोज त्रिपाठी, वरिष्ठ पत्रकार*

सलखन में है दुनिया का सबसे बड़ा जीवाश्म पार्क

फॉसिल्स या जीवाश्म पार्क उन्हें कहते हैं, जहां खोदाई में मिले हजारों-लाखों साल पुराने अवशेषों को सहेज कर रखा जाता है। उत्तर प्रदेश में सलखन एक ऐसा ही महत्वपूर्ण जीवाश्म पार्क है। 25 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैला यह पार्क कैमूर वन्य जीव अभयारण्य के भीतर स्थित है। सोनभद्र जिले में यह जगह रॉबर्ट्सगंज से 17 किमी की दूरी पर है। कुदरत का नायाब तोहफा और दुनिया की अनमोल धरोहर सलखन फासिल्स पार्क पृथ्वी पर जीवन के शुरुआत की कहानी बयां करता है। यहां स्ट्रोमैटोलाइट्स को संरक्षित किया गया है, जो प्राचीन साइनोबैक्टीरिया (नीली-हरित शैवाल) द्वारा निर्मित दुर्लभ संरचनाएं हैं। सलखन जीवाश्म पार्क अमेरिका के येलो स्टोन नेशनल पार्क के फासिल्स से भी काफी पुराना है। सलखन में मिले 150 करोड़ वर्ष पुराने जीवाश्म, इसे दुनिया का सबसे बड़ा फासिल्स पार्क बनाते हैं। यहां पाए गए करोड़ों वर्ष पुराने शैवाल और स्ट्रोमैटोलाइट्स के जीवाश्म धरती पर जीवन के सबसे पुराने साक्ष्य हैं।

आकृतियों को ग्रामीण बताते थे पत्थर के फूल

सलखन जीवाश्म पार्क में लाम स्टोन स्तंभ और दुर्गम दृश्य हैं, जिनकी ऊपरी सतह पर अंकित गोल छल्ले जैसी आकृतियों वाली लगभग एक मीटर ऊंची रचनाएं 150 करोड़ साल से ज्यादा पुराने जीवन के प्रमाण हैं। सिएनोबैक्टीरिया की बनाई इन संरचनाओं को स्थानीय लोग दशकों से पत्थर के फूल कहते हैं। दो दशक पहले 50 देशों के भू-वैज्ञानिकों ने सलखन में भ्रमण करने के बाद इसे पूरी दुनिया का सबसे पुराना बहुमूल्य फासिल्स पार्क बताया था।

दुनिया में कहीं और नहीं, इतने खूबसूरत व स्पष्ट जीवाश्म

सलखन में पाए गए जीवाश्म धरती के प्रारंभिक जैवमंडल और महासागरीय पारिस्थितिकी तंत्र के विकास से संबंधित महत्वपूर्ण खोज प्रदान करते हैं। भू-वैज्ञानिकों को यहां के जीवाश्म ने पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति के बारे में महत्वपूर्ण सबूत प्रदान किए हैं। 1933 में इनकी खोज जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया ने की थी। कनाडा के प्रख्यात भू-वैज्ञानिक एचजे हाफमैन ने सलखन आने के बाद कहा था कि इससे खूबसूरत और स्पष्ट जीवाश्म दुनिया में कहीं और नहीं हैं। ऐसे में यह पार्क वैज्ञानिक अनुसंधान और पर्यटन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सोनभद्र में 150 करोड़ वर्ष पहले समुद्र की लहरें मारती थीं हिलोरें

धरती पर ऐसे तमाम रहस्य छिपे हैं, जिन्हें जानने की कोशिश में दुनियाभर के वैज्ञानिक लगातार शोध कर रहे हैं। मान्यता है कि लगभग 350 करोड़ वर्ष पूर्व पैदा हुए सायनोबैक्टीरिया संभवतः ऑक्सीजनिक प्रकाश संश्लेषण करने वाले प्रथम जीव थे, जिनके कारण लगभग 250 करोड़ वर्ष पूर्व ऑक्सीकरण की घटना घटित हुई। इसी ने पृथ्वी के वायुमंडल को ऑक्सीजन से समृद्ध किया। इसके बाद ही धरती पर जीवन संभव हो सका। प्रकाश संश्लेषण करने वाले ये सूक्ष्मजीव करीब 160 करोड़ वर्ष पुराने मेसोप्रोटेरोजोइक युग के हैं, इसी कारण इनके जीवाश्म 140 से 150 करोड़ वर्ष पुराने माने जाते हैं। सलखन में मिले जीवन के सृजन की शुरुआत के साक्षी जीवाश्मों ने इस तथ्य पर मुहर लगाई है कि 150 करोड़ वर्ष पूर्व यहां समुद्र की लहरें हिलोरें मारा करती थीं।

काम की बात

सितंबर का महीना चल रहा है और कुछ समय बाद सर्दियां दस्तक दे देंगी। सर्दियों में एसी का इस्तेमाल न के बराबर होता है। ठंड में इसकी जरूरत कुछ खास पड़ती नहीं, इसलिए लोग इसे सर्दियों के महीनों में बंद ही रखते हैं। ऐसे में यह लंबे समय तक बंद रहने की वजह से इनमें कुछ खराबियां आ सकती हैं, लेकिन एसी को लंबे समय तक बंद रखने से पहले हमें कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी होता है ताकि वह सालों तक सही से चलता रहे और बार-बार उसकी मेंटेनेंस पर पैसे न खर्च करना पड़े। आइए आपको बताते हैं क्या हैं वे जरूरी बातें।

एसी केयर टिप्स

एसी की साफ-सफाई कर लें

सर्दियों में जब एसी लंबे समय के लिए बंद रहता है, तो उसके फिल्टर पर धूल-मिट्टी जम जाती है। बाद में इसे साफ करना काफी सिर दर्द वाला काम हो सकता है। ये गंदगी एसी की कूलिंग पर भी असर डालती है। इसलिए बेहतर होगा कि फिल्टर को अच्छे से साफ करके ही एसी को कवर करें।

एसी में जमा पानी निकालना न भूलें

सर्दियों में जब एसी बंद करने का समय आए, तो पहले उसके अंदर जमा पानी निकाल देना सही रहता है। अगर पानी लंबे समय तक रह गया तो उसमें जंग लग सकती है और एसी के पार्ट्स खराब हो सकते हैं। ऊपर से गंदा पानी बैक्टीरिया को जन्म देती है, जिससे बीमारी होने का खतरा बढ़ जाता है।

एसी का प्लग निकाल दें

कई बार शॉर्ट सर्किट की वजह से घर के कई इलेक्ट्रॉनिक सामान डैमेज होने का डर रहता है। इसलिए एसी को कवर लगाने के बाद उसका प्लग निकालना जरूरी है। इससे एसी में बिजली नहीं जाएगी और यह पूरी तरह से सेफ रहेगा।

आउटडोर यूनिट भी ढक दें

सर्दियों में एसी की आउटडोर यूनिट को भी ढक देना काफी फायदेमंद होता है। इससे उस पर धूल-मिट्टी या कोई गंदगी नहीं जमती।

ठंड में महीने में एक-दो बार एसी को ऑन करें

एक्सपर्ट का कहना है कि सर्दियों के महीने में एक-दो बार एसी को थोड़ी देर के लिए ऑन कर देना चाहिए। इससे एसी की मशीन सही तरीके से चलती रहती है और गर्मी में अचानक खराब नहीं होती, लेकिन अगर आपने एसी की सर्विसिंग करवा कर उसे अच्छे से ढक दिया है, तो ये करना जरूरी नहीं।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	81,548.73	25,005.50
बढ़त	123.58	32.40
प्रतिशत में	0.15	0.13

सोना- 1,13,100 प्रति 10 ग्राम

चांदी- 1,24,800 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 12 सितंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

चीन पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश

नई दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई डीजीटीआर ने चीन, बहरीन, थाइलैंड से इलेक्ट्रिकल्स सहित विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग किए जाने वाले ग्लास फाइबर के आयात पर पांच साल के लिए डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है। व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने अंतिम जांच रिपोर्ट में निष्कर्ष निकाला है कि संबंधित उत्पाद को भारत में सामान्य मूल्य से कम कीमत पर निर्यात किया गया, जिससे डंपिंग हुई। अनुशंसित शुल्क 194 अमेरिकी डॉलर प्रति टन से लेकर 394 अमेरिकी डॉलर प्रति टन के बीच है। डीजीटीआर ने एक अधिसूचना में कहा कि प्राधिकरण चीन, बहरीन और थाइलैंड से उत्पाद के आयात पर पांच साल की अवधि के लिए डंपिंग-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करता है।

बिजली चोरी रोकने को टाटा की लोक अदालत

नई दिल्ली। विद्युत वितरण कंपनी टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रिब्यूशन लि. (टाटा पावर डीडीएल) बिजली चोरी और 'कनेक्शन' काटे जाने के मामलों के निटान को 13 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित करेगी। उत्तरी दिल्ली की 90 लाख आबादी को बिजली आपूर्ति करने वाली टाटा पावर डीडीएल ने गुरुवार को कहा, टाटा पावर डीडीएल, दिल्ली राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण (डीएसएलएसए) के सहयोग से शनिवार 13 सितंबर, 2025 को राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित करेगी। इसके जरिए बिजली चोरी और 'कनेक्शन' काटे जाने के मामलों का तत्काल निपटान किया जाएगा।

10 मिनट में सामान पहुंचाएगा अमेजन

नई दिल्ली। ऑनलाइन खरीद-बिक्री की सुविधा देने वाले मंच अमेजन ने गुरुवार को कहा कि उसने बेंगलुरु और दिल्ली में सफल शुरुआत के बाद अपनी 10 मिनट की डिलिवरी सेवा, अमेजन नाउ का विस्तार मुंबई के चुनिंदा हिस्सों में किया है। कंपनी ने कहा कि अमेजन ने तेज डिलिवरी के लिए इन तीनों शहरों में तेजी से सामान की आपूर्ति के लिए 100 से ज्यादा आपूर्ति केंद्र (माइक्रो-फुलफिलमेंट सेंटर) खोले हैं और साल के अंत तक सैकड़ों और खोलने की योजना है। अमेजन इंडिया के उपाध्यक्ष और क्षेत्रीय प्रबंधक समीर कुमार ने कहा, कि हमने इस साल की शुरुआत में बेंगलुरु में अमेजन नाउ पेश किया था।

टाटा कैपिटल का आईपीओ अक्टूबर में

नई दिल्ली। टाटा कैपिटल अक्टूबर के पहले पखवाड़े में अपना बहुप्रतीक्षित दो अरब डॉलर (17,000 करोड़ रुपये से अधिक) का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) ला सकती है। कंपनी को रिजर्व बैंक से शेयर बाजारों में सूचीबद्धता के लिए समयसीमा बढ़ाए जाने की मंजूरी मिली है। मामले से जुड़े सूत्रों ने यह जानकारी दी। इससे पहले, इस गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी को शेयर बाजारों में सूचीबद्धता के लिए 30 सितंबर तक का समय दिया गया था। कंपनी अपने पहले सार्वजनिक निर्गम से 18 अरब डॉलर के मूल्यांकन पर दो अरब अमेरिकी डॉलर जुटाने की उम्मीद कर रही है। यह अप्रैल में टाटा कैपिटल द्वारा दस्तावेज दाखिल किए जाने के समय बताए गए 11 अरब डॉलर के मूल्यांकन से ज्यादा है।

रियल एस्टेट को 80 अरब डॉलर का मिला निवेश

सिंगापुर। भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र ने पिछले 15 साल में 80 अरब डॉलर का संस्थागत निवेश हासिल किया है, जिसमें विदेशी निवेशकों का योगदान 57% है। क्रेडाई और कोलियर्स की संयुक्त रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रियल एस्टेट क्षेत्र की शीर्ष संस्था क्रेडाई और रियल एस्टेट सलाहकार कोलियर्स इंडिया ने गुरुवार को इंडियन रियल एस्टेट : फॉस्टरिंग इक्विटी एंड फ्यूलिंग इकॉनमिक ग्रोथ शीर्षक वाली रिपोर्ट जारी की। क्रेडाई (द कनफेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया) 'क्रेडाई नैटकॉन' आयोजित किया। क्रेडाई-कोलियर्स ने कहा कि घरेलू पूंजी की हिस्सेदारी भी बढ़ी है।

कोटेक हेल्थकेयर ने दस्तावेज कराए जमा

नई दिल्ली। दवा कंपनी कोटेक हेल्थकेयर लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से धन जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास शुरुआती दस्तावेज दाखिल किए हैं। बृहस्पतिवार को दाखिल दस्तावेजों के मसौदे (डीआरएचपी) के अनुसार, प्रस्तावित आईपीओ में 295 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसमें 60 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश भी (ओएफएस) शामिल है। ओएफएस के तहत प्रवर्तक हर्ष तिवारी और वंदना तिवारी 30-30 लाख इक्विटी शेयर बेचेंगे। कंपनी 226.25 करोड़ रुपये के नए निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग मौजूदा विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने और नए उत्पादों के निर्माण को सुगम बनाने के उद्देश्य से एक नई परियोजना स्थापित करने के लिए करेंगी।

आत्मनिर्भरता को उद्योग व सरकार का साथ काम करना जरूरी

सियाम के सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- देश विकसित भारत के दृष्टिकोण की ओर बढ़ रहा है

नई दिल्ली, एजेंसी

● सियाम के अध्यक्ष शैलेश चंद्रा ने प्रधानमंत्री के संदेश को पढ़ा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि देश 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण की ओर बढ़ रहा है और इसके लिए सरकार और वाहन उद्योग को संपूर्ण विनिर्माण मूल्य श्रृंखला में 'सच्ची आत्मनिर्भरता' हासिल करने के लिए मिलकर काम करने की जरूरत है।

सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के वार्षिक सम्मेलन में लिखित संबोधन में मोदी ने कहा कि जैसे-जैसे भारत हरित और स्मार्ट परिवहन में वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है, निवेश और सहयोग के अपार अवसर पैदा हो रहे हैं। सियाम के अध्यक्ष शैलेश चंद्रा ने प्रधानमंत्री के संदेश को पढ़ा। अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि अर्थव्यवस्था के एक प्रमुख चालक वाहन उद्योग ने परिवहन और जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार किया है और यह 'मेक इन इंडिया' पहल का अग्रदूत रहा है।

मोदी ने कहा कि जैसे-जैसे देश हरित और स्मार्ट परिवहन में वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहे हैं। जैसे-जैसे हम 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण की ओर बढ़ रहे हैं, सरकार और उद्योग के लिए यह ज़रूरी है कि वे संपूर्ण वाहन निर्माण मूल्य श्रृंखला में सच्ची आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए मिलकर काम करें। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था के एक प्रमुख चालक, वाहन उद्योग ने जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार किया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह मेक इन इंडिया पहल का अग्रदूत रहा है, जिसने भारतीय विनिर्माण में वैश्विक भरोसे को बढ़ाया है और भारत को वाहन क्षेत्र में उत्कृष्टता केंद्र के रूप में स्थापित किया है। भारत भविष्य के लिए तैयार परिवहन पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। आधुनिक प्रौद्योगिकी के विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे के साथ यह एकीकरण परिवहन के क्षेत्र में भारत की महत्वाकांक्षी विकास गाथा का आधार है। इस पर प्रकाश डालते हुए कि कैसे वाहन क्षेत्र भी हरित प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रिक वाहन और टिकाऊ विकल्पों पर ध्यान केंद्रित करते हुए स्थिरता को अपना रहा है, उन्होंने कहा कि ये प्रगति भारत के स्वच्छ परिवहन लक्ष्यों को मजबूत करती है। साथ ही डिजाइन, उत्पादन और तैनाती में अवसर पैदा करती हैं। स्टार्टअप इकाइयों का आगे बढ़ना, ऊर्जा भंडारण उत्साहजनक है।

प्रमाणन जमा करने वाले खरीदारों को विशेष छूट दी जाए : गडकरी

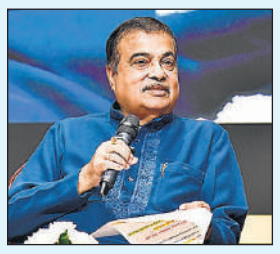

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने वाहन उद्योग जगत से कहा कि वे उन ग्राहकों को अतिरिक्त छूट देने पर विचार करें जो नई गाड़ी खरीदते समय अपने पुराने वाहन को कबाड़ में बदलने का प्रमाणपत्र जमा करते हैं। गडकरी ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से अनुरोध किया है कि जो लोग अपने पुराने वाहन को कबाड़ में बदलकर नई गाड़ी खरीदते हैं, उन्हें माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में राहत दी जाए। उन्होंने ई20 ईंधन (20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रित पेट्रोल) के खिलाफ जारी सोशल मीडिया प्रचार को राजनीतिक रूप से उनके खिलाफ बताया और कहा कि यह प्रचार एक पैसे लेकर (पेड कैंपेन) शुरू किया गया अभियान था, जो खास तौर पर एथनॉल के खिलाफ था और मेरा राजनीतिक विरोध करने के लिए किया गया। उन्होंने सियाम के वार्षिक सम्मेलन में कहा कि यह सोशल मीडिया अभियान एक सशुल्क अभियान था। यह एथनॉल के खिलाफ था और इसका उद्देश्य मुझे राजनीतिक रूप से निशाना बनाना था। कांग्रेस ने हाल ही में गडकरी के खिलाफ हितों के टकराव के आरोप लगाए हैं। उसका दावा है कि गडकरी एथनॉल उत्पादन के लिए आक्रामक रूप से पैरवी कर रहे थे, जबकि जबकि उनके दो पुत्र एथनॉल उत्पादन करने वाली कंपनियों में शामिल हैं और सरकार की नीति से लाभ उठा रहे हैं। वाहन स्क्रैप नीति पर, गडकरी ने कहा कि यह उद्योग और सरकार दोनों के लिए फायदेमंद है, क्योंकि इससे निजी क्षेत्र को स्क्रैप धातुओं की उपलब्धता में भी मदद मिल सकती है, जिन्हें आयात किया जाता है। मंत्री ने उद्योग जगत से पुराने वाहन को कबाड़ में बदलने का प्रमाणपत्र जमा करने के बाद नया वाहन खरीदने वालों को अच्छी छूट देने पर विचार करने को कहा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में, औसतन 16,830 पुराने वाहन हर महीने कबाड़ में बदले जा रहे हैं और निजी क्षेत्र ने 2,700 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

कटौती से वाहन क्षेत्र को मिलेगी नई रफ्तार : सियाम

वाहन विनिर्माताओं के प्रमुख संगठन सियाम ने कहा है कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में हालिया कटौती से भारतीय वाहन क्षेत्र में विकास को नई गति मिलेगी, वाहन अधिक किफायती बनेंगे और व्यक्तिगत परिवहन तक व्यापक पहुंच संभव होगी। संगठन के अध्यक्ष शैलेश चंद्रा ने सरकार के कुछ प्रक्रियात्मक मुद्दों में उचित संशोधन करने के कदम का स्वागत किया, जिससे कारोबार सुगमता को बढ़ावा देने में काफी मदद मिलेगी। चंद्रा ने कहा कि वाहनों पर जीएसटी दरों को कम करने के हालिया ऐतिहासिक फैसले के लिए हम भारत सरकार के बेहद आभारी है। इससे उपभोक्ताओं को फायदा होगा और वाहन क्षेत्र को नई गति मिलेगी।

विशेष उच्च ग्रेड के इस्पात के विकास पर विचार

इस्पात और भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि भारत का इस्पात उद्योग आयात पर निर्भरता कम करने को कुछ वाहन कलपुर्जों में इस्तेमाल होने वाले विशेष उच्च-श्रेणी के इस्पात के विकास पर विचार कर रहा है। भारत लंबे समय से उच्च-श्रेणी के इस्पात के लिए आयात पर निर्भर रहा है, जो वाहन कलपुर्जों के अलावा रक्षा और रणनीतिक क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण है। देशभर में बड़ी परियोजनाओं के कारण उच्च-श्रेणी के इस्पात की मांग बढ़ रही है। वाहनों के उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना के तहत कंपनियां पहले ही 29,576 करोड़ की पूंजी का निवेश कर चुकी हैं, जिसमें नई उत्पादन सुविधाएं और परिचालन प्रौद्योगिकी स्थापित करना शामिल है।

दोपहिया ग्राहकों के लिए कार खरीदने का अवसर

कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) को उम्मीद है कि वाहनों पर जीएसटी दरों में कटौती के बाद घरेलू यात्री वाहनों की बिक्री में वृद्धि 7% पर आ जाएगी। कंपनी के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी ने सम्मेलन के मौके पर कहा कि छोटी कार खंड, जिसमें कंपनी का दबदबा है, में वृद्धि की उम्मीद 10% है। उन्होंने कहा कि जीएसटी दर में कमी छोटी कारों को और किफायती बनाने में मदद करेंगे, जिससे दोपहिया वाहन चालकों को कार खरीदने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

व्यापार समझौते पर अमेरिका से वार्ता सकारात्मक माहौल में जारी : गोयल

पटना, एजेंसी

● केंद्रीय मंत्री बोले- बीटीए दोनों देश अब तक की प्रगति से संतुष्ट

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को लेकर बातचीत सकारात्मक माहौल में आगे बढ़ रही है और दोनों देश अब तक हुई प्रगति से संतुष्ट हैं।

गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस वर्ष फरवरी में दोनों देशों के व्यापार मंत्रियों को इस समझौते के पहले चरण को नवंबर 2025 तक पूरा करने के निर्देश दिए थे। उन्होंने कहा कि व्यापार समझौते को लेकर चर्चा मार्च से ही गंभीरता के साथ चल रही है। यह प्रगति कर रही है और दोनों देश इससे संतुष्ट हैं। गोयल ने बुधवार को कहा था कि भारत अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के लिए 'सक्रिय वार्ता' कर रहा है। इससे पहले ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट पर कहा था कि दोनों देशों के बीच बातचीत सफल नतीजे तक पहुंचने में 'कोई मुश्किल' नहीं होगी और वह जल्द ही मोदी से बातचीत करने को उत्सुक हैं। मोदी ने भी ट्रंप की टिप्पणी पर कहा था कि चल रही वार्ता दोनों देशों की साझेदारी की असीम संभावनाओं का मार्ग प्रशस्त करेगी। दोनों देशों के बीच मार्च से अब तक पांच दौर की बातचीत हो चुकी है, जबकि छठा दौर अमेरिकी टीम की यात्रा स्थगित होने के कारण टल गया।

ट्रंप प्रशासन की तरफ से भारत पर 50 प्रतिशत सीमा शुल्क लगा देने से हालात थोड़े असहज हो गए हैं। भारत ने इन शुल्कों को अनुचित और अन्यायपूर्ण बताया है। व्यापार समझौते का उद्देश्य वर्ष 2030 तक दोनों देशों के बीच वस्तुओं एवं सेवाओं के व्यापार को मौजूदा 191 अरब डॉलर से बढ़ाकर 500 अरब डॉलर तक पहुंचाना है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है।

50 लाख रूफटॉप सोलर के आंकड़े पर पहुंचेंगे : जोशी

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना

नई दिल्ली, एजेंसी

● केंद्रीय मंत्री ने योजनाओं को लेकर राज्यों की समीक्षा बैठक की

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत देश भर में 20 लाख से ज्यादा घरों में रूफटॉप सोलर प्रणाली (छत पर सौर बिजली परियोजना) लगाई जा चुकी हैं और इसमें 30 लाख की संख्या और जुड़ जाएगी। मंत्री ने योजना के तहत एक करोड़ लाभार्थियों के लिए रूफटॉप सोलर उपकरण लगाने के लक्ष्य का आधा हिस्सा हासिल करने के लिए कोई समयसीमा नहीं बताई।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली व प्रधानमंत्री-कुसुम योजनाओं की राज्यों की समीक्षा बैठक में जोशी ने कहा, अब 20 लाख घरों में रूफटॉप लगाए गए हैं और जल्द हम 30 लाख और जोड़ेंगे। हमारा लक्ष्य एक करोड़ घरों का है। उन्होंने उन लोगों के लिए एक उपयोगिता-आधारित मॉडल को मंजूरी दे दी है जिनके सिर पर छत नहीं है। उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों के रूफटॉप सोलर लगाने की योजना बनाई है। आंध्र प्रदेश ऐसा राज्य है। मुख्यमंत्री ने मुझसे मुलाकात की थी और मुझे प्रस्तुतीकरण दिया था।

एथनॉल उत्पादन बढ़ाएं, निर्यात पर ध्यान दें उत्पादक

केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी ने जैव ईंधन उत्पादकों से एथनॉल का उत्पादन बढ़ाने को कहा ताकि वैश्विक बाजारों में इसका निर्यात हो सके। जोशी ने भारत शुगर एंड बायो-एनर्जी कॉन्फ्रेंस 2025 में एथनॉल मिश्रण, ऊर्जा सुरक्षा और ग्रामीण समृद्धि के क्षेत्र में भारत की प्रगति को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि चीनी मिलों का संगठन सतत विकास को आगे बढ़ाने और भारत की पर्यावरण अनुकूल जैव-अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की भी जिम्मेदारी संभाल रहे जोशी ने कहा कि सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास के साथ, हम 2047 तक आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2014 में भारत में ईंधन में एथनॉल मिश्रण 1.5 प्रतिशत था और आज यह 20 प्रतिशत है। एथनॉल मिश्रित ईंधन की ओर बदलाव से ऊर्जा सुरक्षा, महत्वपूर्ण आर्थिक और पर्यावरणीय लाभ प्राप्त हुए हैं।

राज्यों से योजनाओं का लाभ उठाने को कहा

उन्होंने राज्यों से दोनों योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने के लिए सक्रिय रहने को कहा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत, हम देख चुके हैं कि आधे लाभार्थियों को शून्य बिजली बिल मिल रहे हैं। यह दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करते हुए नागरिकों को राहत प्रदान करने के मॉडल को दर्शाता है। मैं सभी राज्यों से ऐसे तरीकों को अपनाने और सक्रिय रूप से बढ़ाने का आग्रह करता हूं। कई योजनाओं, ग्रिड कनेक्टिविटी व लाइसेंस में अनुपालन संबंधी समस्याएं हैं और राज्यों को सक्रिय रहने की जरूरत है।

आईपीओ और एमपीएस की समयसीमा बढ़ाने पर सेबी करेगा विचार

मुंबई, एजेंसी

● सेबी का निदेशक मंडल होने वाली बैठक में कई सुधार प्रस्तावों पर करेगा चर्चा

बाजार नियामक सेबी का निदेशक मंडल शुक्रवार को अपनी बैठक में कई अहम सुधार प्रस्तावों पर विचार कर सकता है, जिनमें बड़ी कंपनियों के लिए आईपीओ की शर्तों में ढील और न्यूनतम सार्वजनिक हिस्सेदारी (एमपीएस) हासिल करने की समयसीमा बढ़ाने जैसे प्रस्ताव शामिल हैं।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय के कार्यकाल की यह तीसरी बोर्ड बैठक होगी। पांडेय ने इस साल एक मार्च को सेबी प्रमुख का पदभार संभाला था। सूत्रों ने कहा कि सेबी का निदेशक मंडल बड़ी कंपनियों को भारतीय बाजार में सूचीबद्ध होने के लिए प्रोत्साहित करने वाले प्रस्ताव पर अपनी मुहर भी लगा सकता है। प्रस्ताव है कि 50,000 करोड़ से लेकर एक लाख करोड़ रुपये के पूंजीकरण वाली कंपनियों के लिए न्यूनतम सार्वजनिक निर्गम (एमपीओ) 1,000 करोड़ और न्यूनतम 8% निर्गम-पश्चात पूंजी का प्रावधान रखा जाए। इन्हें न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता (एमपीएस) की 25% सीमा को मौजूदा तीन साल के बजाय पांच साल में हासिल करने की छूट दी जा सकती है।

वहीं, एक लाख करोड़ से पांच लाख करोड़ रुपये तक के पूंजीकरण वाली कंपनियों के लिए एमपीओ का आकार 6,250 करोड़ और न्यूनतम 2.75% निर्गम-पश्चात पूंजी होगी। इनके लिए एमपीएस की समयसीमा 10 साल तक बढ़ाई जा सकती है। पांच लाख करोड़ से ऊपर की कंपनियों के लिए एमपीओ 15,000 करोड़ और 1% निर्गम-पश्चात पूंजी रहेगी। ऐसा होने पर कंपनियां अपेक्षाकृत छोटे आईपीओ से शुरुआत कर सकेंगी और लंबी अवधि में क्रमिक रूप से सार्वजनिक हिस्सेदारी बढ़ा पाएंगी। इससे कंपनियों पर तत्काल बड़े पैमाने पर प्रवर्तक हिस्सेदारी घटाने का दबाव कम होगा।

विदेशी निवेशकों के लिए स्वागत-एफआई का प्रस्ताव

बैठक में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के अनुपालन को सरल बनाने, कुछ एआईएफ (वैकल्पिक निवेश कोष) में मान्यता प्राप्त निवेशकों के लिए नियम शिथिल करने, रेटिंग एजेंसियों की गतिविधियों का दायरा बढ़ाने और निवेश ट्रस्ट- रीट्स एवं इनविट्स को इक्विटी का दर्जा देने जैसे प्रस्तावों पर भी चर्चा हो सकती है। बैठक में कम जोखिम वाले विदेशी निवेशकों के लिए एकल खिड़की पहुंच व्यवस्था 'स्वागत-एफआई' का प्रस्ताव भी आ सकता है। यह ढांचा लागू होने पर सरकारी कोष, केंद्रीय बैंक, सरकारी संपत्ति कोष, बहुपक्षीय संस्थाएं, बीमा कंपनियां और पेंशन कोष जैसे निवेशकों को निवेश की आसान सुविधा मिलेगी और बार-बार दस्तावेज जमा करने की जरूरत कम होगी।

आईटीआर फाइलिंग : लापरवाही से बचें

इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) फाइलिंग का समय नजदीक आ चुका है और इस दौरान छोटी सी गलती भी बड़ी परेशानी का कारण बन सकती है। एनुअल इंफॉर्मेशन स्टेटमेंट (एआईएस) में दिया गया डेटा टैक्सपेयर्स के लिए बेहद अहम है। कई बार लोग ब्याज या डिविडेंड जैसी छोटी इनकम को नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन 5,000 रुपये का भी फर्क आने पर इनकम टैक्स डिपार्टमेंट नोटिस भेज सकता है। इसलिए आईटीआर फाइल करने से पहले फॉर्म 16, फॉर्म 26 एएस और एआईएस का बारीकी से मिलान करना बेहद जरूरी है। लापरवाही से नोटिस के साथ-साथ पेनल्टी का भी खतरा रहता है।

इन गलतियों से बचें

आयकर विभाग लगातार टैक्सपेयर्स की आय और उनके फाइनेंशियल ट्रांजेक्शंस पर नजर रखता है। इसके लिए एआईएस को आधार बनाया जाता है। एआईएस में बैंक, म्यूचुअल फंड, स्टॉक मार्केट और अन्य संस्थानों की ओर से दी जानकारी दर्ज रहती है। अगर आईटीआर में दी जानकारी और एआईएस में अंतर पाया जाता है, तो टैक्सपेयर को स्वत: नोटिस भेजा जाता है।

छोटी गलती से बड़ा नोटिस

कई बार लोग ब्याज से मिली छोटी रकम को डिक्लेयर करने की जरूरत नहीं समझते, जो खतरनाक साबित होता है। एक टैक्सपेयर को 5,000 रुपये की इंटरेस्ट इनकम छुपाने पर इनकम टैक्स डिपार्टमेंट का नोटिस मिला।

इसका दें ध्यान

- फॉर्म 16, 26एएस और एआईएस का मिलान करना जरूरी।
- बैंक इंटरेस्ट की जानकारी शिड्यूल ओएस (अदर सोर्स) में ग्रॉस अमाउंट के आधार पर दर्ज करें।
- डिविडेंड इनकम की जानकारी दें, किसी भी चार्जेज को घटाकर न दिखाएं।
- म्यूचुअल फंड या इक्विटी से हुए कैपिटल गैंस को अनिवार्य रूप से दर्ज करें।

वैश्विक बाजारों में तेजी से सेंसेक्स-निफ्टी मजबूत

मुंबई, एजेंसी

● सेंसक्स में लगातार चौथे दिन और निफ्टी में सातवें कारोबारी सत्र में रही तेजी

स्थानीय शेयर बाजार में गुरुवार को तेजी बनी रही और बीएसई सेंसेक्स 124 अंक के लाभ में रहा, जबकि एनएसई निफ्टी 25,000 अंक के पार पहुंच गया। अमेरिकी रिजर्व के नीतिगत दर में कटौती की उम्मीद के बीच वैश्विक बाजारों में तेजी के साथ घरेलू शेयर बाजार लाभ में रहे।

सेंसक्स में लगातार चौथे दिन तेजी रही और यह 123.58 अंक याकी बढ़त के साथ 81,548.73 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में लगातार सातवें कारोबारी सत्र में तेजी रही और यह 32.40 अंक बढ़कर तीन सप्ताह के उच्चतम स्तर 25,005.50 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में एनटीपीसी, एक्सिस बैंक, पावर ग्रिड, भारती एयरटेल, इटर्नल और सन फार्मा प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में इन्फोसिस, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट और हिंदुस्तान यूनिलीवर शामिल हैं।

मझोली कंपनियों से जुडे बीएसई मिडकैप सूचकांक में 0.14 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि स्मॉलकैप स्थिर रहा। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और चीन का शंघाई कम्पोजिट सकारात्मक दायरे में रहे, जबकि हांगकांग का हैंग सेंग नुकसान में रहा। यूरोप में दोपहर के कारोबार में तेजी का रुख था। अमेरिकी बाजार मिले-जुले रुख के साथ बंद हुए थे।

योजना | सरकार जल्द शुरू करेगी कार्बन कैप्चर, उपयोग और भंडारण मिशन, 50-100 प्रतिशत तक का दिया जाएगा प्रोत्साहन

कार्बन डाइऑक्साइड को पहले ही कैप्चर कर लेती है सीसीयूएस

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार जल्द ही कार्बन कैप्चर उपयोग और भंडारण मिशन शुरू करेगी। इसमें 50-100 प्रतिशत तक का प्रोत्साहन दिया जाएगा। कार्बन कैप्चर, उपयोग और भंडारण (सीसीयूएस) एक ऐसी प्रक्रिया है जो औद्योगिक स्रोतों और बिजली संयंत्रों से कार्बन डाइऑक्साइड को वायुमंडल में प्रवेश करने से पहले ही 'कैप्चर' कर लेती है।

'कैप्चर' की गई कार्बन डाइऑक्साइड को फिर रसायनों या ईंधन जैसे विभिन्न उत्पादों में उपयोग के लिए प्रयोग किया जाता है या समाप्त हो चुके तेल और गैस भंडारों जैसे भूमिगत भूवैज्ञानिक संरचनाओं में संग्रह किया जाता है।

नीति आयोग के सलाहकार (ऊर्जा) राजनाथ राम ने इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईसीसी) द्वारा आयोजित 17वें भारत कोयला शिखर सम्मेलन में कहा कि हम बहुत जल्द सीसीयूएस मिशन शुरू करने जा रहे हैं। इसके तहत कुछ प्रौद्योगिकी को 100 प्रतिशत सरकारी वित्तपोषण दिया जाएगा। ये प्रोत्साहन 50-100 प्रतिशत तक हो सकते हैं। ये प्रोत्साहन उद्योगों को कार्बन कैप्चर प्रौद्योगिकी को अपनाने और उन्हें कोयला-आधारित ऊर्जा प्रणालियों के साथ एकीकृत करने में मदद करेंगे।

उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था में वृद्धि के साथ, ऊर्जा की मांग भी बढ़ने की उम्मीद है। ऊर्जा की मांग में वृद्धि के लिए निश्चित रूप से ऊर्जा की आपूर्ति में वृद्धि की आवश्यकता होगी। हालांकि, कोयले को हमारी कुल प्राथमिक ऊर्जा आपूर्ति का एक महत्वपूर्ण घटक माना जाता है, फिर भी इस प्रणाली में बड़ी मात्रा में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित की जा रही है।

बिजली क्षेत्र को कार्बन मुक्त करने में सीसीयूएस की महत्वपूर्ण भूमिका

नीति आयोग के सलाहकार ने बताया कि लेकिन इससे जुड़ी चुनौतियां भी हैं, अगर आप वास्तव में नवीकरणीय ऊर्जा को प्रणाली में एकीकृत करना चाहते हैं, तो इसमें अन्य लागत भी शामिल हैं। आपको इसके साथ-साथ भंडारण भी करना होगा, जो महंगा हो सकता है। इससे पहले, नीति आयोग ने कहा था कि देश की 70 प्रतिशत से अधिक बिजली की जरूरतों को पूरा करने के लिए कोयले पर निर्भरता को देखते हुए, बिजली क्षेत्र को कार्बन मुक्त करने में सीसीयूएस की महत्वपूर्ण भूमिका है। भले ही भारत ग्रिड को पर्याप्त रूप से हरित बनाने और 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा की 500 गीगावाट स्थापित क्षमता के लक्ष्य को पूरा करने में सक्षम हो, फिर भी सौर और पवन ऊर्जा का भरोसेमंद नहीं होना (मौसम के हिसाब से उत्पादन को लेकर) और गैर-प्रेषण प्रकृति को देखते हुए, जीवाश्म ईंधन (मुख्य रूप से कोयला) या अन्य प्रेषण योग्य स्रोतों से बिजली की मूल मांग को पूरा करने की आवश्यकता होगी। भारत का प्रति व्यक्ति कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन 1.9 टन प्रति वर्ष है, जो वैश्विक औसत के 40 प्रतिशत से कम और चीन का एक-चौथाई है। उन क्षेत्रों के कार्बन मुक्त करने के लिए एक स्थायी समाधान की आवश्यकता है जो उत्सर्जन में 70 प्रतिशत का योगदान करते हैं। सीसीयूएस की इसमें एक महत्वपूर्ण और निर्णायक भूमिका है।

काठमांडू में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान नारेबाजी करते प्रदर्शनकारी। दाएं : सरकार विरोधी प्रदर्शनों के मद्देनजर कर्फ्यू बढ़ाए जाने के बीच मुश्तैद सशस्त्र पुलिस बल के जवान।

नेपाल में निषेधाज्ञा बढ़ाई, आवाजाही में ढील

हिंसा को रोकने के लिए सड़कों पर सेना की गश्त जारी, धीरे-धीरे सामान्य हो रहीं स्थितियां

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल सेना ने गुरुवार को काठमांडू घाटी के तीन जिलों में निषेधाज्ञा बढ़ा दी है तथा कुछ निश्चित समयावधि के लिए लोगों की आवाजाही की अनुमति दे दी है। इससे हिंसक प्रदर्शनों के बाद इस हिमालयी राष्ट्र में धीरे-धीरे स्थिति सामान्य हो रही है। इन हिंसक प्रदर्शनों के कारण केपी शर्मा ओली को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा।

सेना सड़कों पर पहरा दे रही है, लेकिन देश के बाकी हिस्सों में स्थिति शांतिपूर्ण बनी हुई है। केवल काठमांडू के दक्षिण-पूर्व में एक जेल से भागने के दौरान नेपाली सेना की गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई और एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। नेपाल सेना की ओर से जारी एक नोटिस में कहा गया है कि काठमांडू घाटी के तीन जिलों काठमांडू, ललितपुर और भक्तपुर में सुबह छह बजे से कर्फ्यू हटा लिया गया है। सेना द्वारा जारी नोटिस में कहा गया है कि आम जनता को आवश्यक कार्यों के लिए कुछ घंटों की आवाजाही की अनुमति देने के बाद प्रतिबंधात्मक आदेश सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक लागू रहेंगे।

इसमें कहा गया है कि शाम पांच बजे से सात बजे तक ढील के बाद शुक्रवार शाम सात बजे से सुबह छह बजे तक रात्रि कर्फ्यू लागू रहेगा। कर्फ्यू हटते ही लोग जरूरी सामान खरीदने के लिए बाजारों, दुकानों और किराने की दुकानों की ओर दौड़ पड़े। सड़कों पर इक्का-दुक्का वाहन ही दिखे। कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए सेना ने बुधवार शाम पांच बजे से कर्फ्यू लगा दिया था और नेपाली सैनिकों ने बुधवार को शांति बहाल करने और विरोध-प्रदर्शन की आड़ में संभावित हिंसा को रोकने के लिए सड़कों पर गश्त की। देशभर में आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाओं के बाद मंगलवार रात से सुरक्षा अभियानों की कमान संभालने वाली सेना ने चेतावनी दी कि किसी भी तरह के विरोध-प्रदर्शन, तोड़फोड़, आगजनी या व्यक्तियों एवं संपत्ति पर हमले को आपराधिक कृत्य माना जाएगा और उससे उचित तरीके से निपटा जाएगा।

काठमांडू स्थित त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (टीआईए) पर हिंसक विरोध प्रदर्शनों के कारण परिचालन बंद होने के 24 घंटे बाद बुधवार शाम से सेवाएं फिर से शुरू हो गईं। इस बीच, स्थानीय मीडिया में आयी खबरों के अनुसार गुरुवार सुबह रामेछाप जिला जेल से बड़े पैमाने पर कैदियों को भागने से रोकने के लिए सेना द्वारा की गई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई और 12 से अधिक कैदी घायल हो गए।

प्रतिबंध के बीच आवाजाही में ढील दिए जाने के बाद सड़कों पर निकले लोग। एजेंसी

जेल में झड़प के दौरान तीन कैदियों की मौत, अब तक 15,000 कैदी फरार

काठमांडू। नेपाल में सरकार विरोधी हिंसक प्रदर्शनों के बीच गुरुवार को एक जेल में सुरक्षा बलों के साथ झड़प के दौरान तीन कैदियों की मौत हो गई, जबकि अब तक दो दर्जन से अधिक जेलों से 15,000 से अधिक कैदी फरार हो चुके हैं। अधिकारियों ने बताया कि ताजा घटनाक्रम के साथ, मंगलवार से भड़की हिंसा के दौरान सुरक्षा बलों के साथ हुई झड़पों में मरने वाले कैदियों की संख्या बढ़कर आठ हो गई है। प्रदर्शनकारियों द्वारा जेलों पर हमले करने और अराजकता के चलते देशभर में कानून-व्यवस्था की स्थिति गंभीर बनी हुई है। अधिकारी स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त बल तैनात कर रहे हैं। हिंसक प्रदर्शन के कारण केपी शर्मा ओली को मंगलवार को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा, जिसके बाद नेपाल सेना ने गंभीर कानून व्यवस्था की स्थिति के कारण विभिन्न प्रांतों में प्रतिबंध लगा दिए। पुलिस सूत्र ने बताया कि गुरुवार सुबह मधेस प्रांत के रामेछाप जिला जेल में कैदियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच हिंसक झड़प में तीन कैदियों की मौत हो गई और 13 अन्य घायल हो गए। सूत्र ने बताया कि झड़प तब शुरू हुई जब कैदियों ने गैस सिलेंडर में विस्फोट करके जेल से बाहर निकलने की कोशिश की।

सशस्त्र सीमा बल ने नेपाल में जेल तोड़कर भागे 60 संदिग्ध कैदियों को पकड़ा

नई दिल्ली। भारत-नेपाल सीमा की सुरक्षा करने वाले सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर विभिन्न स्थानों से लगभग 60 लोगों को पकड़ा है। इनमें से ज्यादातर नेपाली हैं, जिन पर अपने देश में अशांति के दौरान जेल तोड़कर भागने का संदेह है। एसएसबी के जवानों ने पिछले दो दिनों में उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल की सीमा चौकियों से इन्हें पकड़ा है। उन्होंने बताया कि इन्हें संबंधित राज्य पुलिस बलों को सौंप दिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि पकड़े गए लोगों में से दो या तीन ने भारतीय मूल का होने का दावा किया है और इसकी पुष्टि की जा रही है।

जेन जी नेताओं की अंतरिम सरकार गठन के लिए सेना मुख्यालय में राष्ट्रपति पौडेल से बातचीत

काठमांडू। नेपाल में प्रदर्शनकारी जेन जी समूह के प्रतिनिधि गुरुवार को नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और सेना प्रमुख अशोक राज सिगडेल के साथ भद्रकाली स्थित सेना मुख्यालय में अंतरिम सरकार के नेता का नाम तय करने के लिए बातचीत कर रहे हैं। सेना के एक प्रवक्ता ने पुष्टि की कि विभिन्न हितधारकों के साथ बातचीत जारी है। हालांकि, उन्होंने किसी का नाम नहीं बताया। सेना के प्रवक्ता ने कहा,हम विभिन्न हितधारकों के साथ कई दौर की बातचीत कर रहे हैं। बैठक के दौरान सेना मुख्यालय के बाहर बड़ी संख्या में युवा बेसब्री से फैसला सुनने का इंतजार करते दिखे।

ट्रंप के करीबी सहयोगी कार्यकर्ता चार्ली किर्क की गोली मारकर हत्या

ओरेम (अमेरिका), एजेंसी

अमेरिका में उताह के एक कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी सहयोगी और रूढ़िवादी कार्यकर्ता चार्ली किर्क की गोली मारकर हत्या कर दी गई। किर्क अपने गैर-लाभकारी राजनीतिक संगठन 'टर्निंग पॉइंट यूएसए' द्वारा 'उताह वैली विश्वविद्यालय' के 'सोरेंसन सेंटर' प्रांगण में आयोजित एक बहस में बोल रहे थे।

गोलीबारी से ठीक पहले, किर्क एक दर्शक द्वारा भीड़ पर गोलीबारी करने और हिंसा के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। तभी हमलावर ने कुछ दूरी से परिसर की एक छत से गोली चलाई। अधिकारियों का कहना है कि हमलावर चीख-पुकार और छात्रों में मची भगदड़ के बीच फरार हो गया। संघीय, राज्य और स्थानीय अधिकारी गुरुवार तड़के तक अज्ञात हमलावर की तलाश में जुटे रहे। उताह के जनसुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को दो लोगों को हिरासत में लिया गया था, लेकिन किसी की भी गोलीबारी से कोई संलिप्तता नहीं पाई गई और उन्हें रिहा कर दिया गया। अधिकारियों को अभी तक इस हत्या के मकसद का पता नहीं चल पाया है लेकिन इस घटना ने अमेरिका में बढ़ती राजनीतिक हिंसा को लेकर चिंता को फिर से बढ़ा दिया है। ट्रंप ने किर्क की मृत्यु की खबर सोशल मीडिया पर साझा की, उन्हें महान व्यक्ति बताया।

- गैर-लाभकारी राजनीतिक संगठन द्वारा आयोजित एक बहस में पहुंचे थे किर्क

हत्यारे का अब तक सुराग नहीं, अत्याधुनिक राइफल बरामद

ओरेम। पुलिस चार्ली किर्क के हत्यारे की पहचान करने में जुटी है, जो गोली चलाने के बाद छत से कूदकर भाग गया था। । जांच एजेंसी एफबीआई ने बताया कि जिस इलाके से किर्क पर हमले का संदिग्ध भागा था, वहां से एक अत्याधुनिक राइफल बरामद की गई है। अधिकारियों ने बताया कि हमलावर कॉलेज जाने वाले छात्रों की उम्र का प्रतीत होता है। उन्होंने बताया कि हमलावर चीख-पुकार और छात्रों में मची भगदड़ के बीच फरार हो गया।

भारत-अमेरिका संबंधों को दर्शाती है गोरो की नियुक्ति : क्वात्रा

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने कहा कि भारत में अमेरिका के नामित राजदूत सर्जियो गोर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से एक हैं और दिल्ली में सेवा देने के लिए उनके नामांकन को द्विपक्षीय संबंधों के महत्व और प्राथमिकता के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

क्वात्रा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मैं स्वागत करता हूं कि राष्ट्रपति ट्रंप अपने सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से एक सर्जियो गोर को भारत में अगले अमेरिकी राजदूत के रूप में सेवा देने के लिए भेज रहे हैं। क्वात्रा ने कहा कि इस कदम को भारत-अमेरिका संबंधों के महत्व और प्राथमिकता के संकेत के रूप में देखा जा रहा है, तथा यह दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने और मित्रता को गहरा करने की प्रतिबद्धता है।

गोर गुरुवार को वाशिंगटन डीसी में सीनेट की विदेश संबंध समिति के समक्ष 'भारत में अमेरिका के असाधारण एवं पूर्णाधिकारी राजदूत' बनने के लिए पेश होंगे, जहां राजदूत के रूप में उनके नाम पर मुहर लगाने संबंधी सुनवाई होगी।

नेतन्याहू ने बंधकों की रिहाई की उम्मीद खत्म की: कतर

दोहा, एजेंसी

- प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल थानी ने साक्षात्कार में कही बात

कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल थानी ने कहा है कि इजराइल द्वारा दोहा में हमास नेताओं को निशाना बनाकर किए गए हमले से इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ग़ाज़ा में बंधक बनाए गए लोगों की रिहाई की हर उम्मीद खत्म कर दी है। शेख मोहम्मद ने यह तीखा बयान संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपनी उपस्थिति से पूर्व दिया।

यह इजराइली हमले को लेकर खाड़ी देशों, विशेष रूप से अरब देशों के भीतर गहराते असंतोष को दर्शाता है। इस हमले में कम से कम छह लोगों की मौत हुई थी। सीएनएन को बुधवार देर रात दिए गए एक साक्षात्कार में शेख मोहम्मद ने कहा, हमले के दिन सुबह मैं एक बंधक के परिवार से मिला था। वे लोग संघर्षविराम और मध्यस्थता पर पूरी तरह निर्भर थे। उनके पास कोई और आशा नहीं थी। लेकिन मुझे लगता है कि नेतन्याहू ने जो किया, उससे उन बंधकों की रिहाई की हर उम्मीद समाप्त हो गई है। कतर और मिस्र, ग़ाज़ा में संघर्ष विराम की मध्यस्थता के प्रमुख प्रयासों में शामिल रहे हैं। अमेरिका के आग्रह पर कतर ने वर्षों से दोहा में हमास के राजनीतिक नेतृत्व को आश्रय दिया है, ताकि इजराइल और हमास के बीच बातचीत की संभावनाएं बनी रहें।

इजराइल को रोकने के लिए मुस्लिम देश हों एकजुट

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने गुरुवार को कतर के अमीर से मुलाकात की और दोहा में इजराइल की ओर से रिहायशी इलाकों को निशाना बनाकर किए गए हालिया हमलों की निंदा करते हुए खाड़ी देश के साथ एकजुटता जताई। शरीफ ने मुस्लिम देशों से इजराइली आक्रामकता के खिलाफ एकजुट होने का आग्रह भी किया। आधिकारिक बयान के मुताबिक, एक दिवसीय यात्रा पर दोहा पहुंचे शरीफ ने कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी के साथ बहुत गर्मजोशी भरी और सौहार्दपूर्ण बैठक की।

लैरी ने सबसे अमीर आदमी का खिताब खोया, मस्क नंबर वन

नई दिल्ली। कम्प्यूटर क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ओरेकल के सह संस्थापक लैरी एलिसन कुछ ही देर के लिए सही पर दुनिया के सबसे अमीर शख्स बन गए। उन्होंने नंबर वन की पोजीशन पर काबिज एलन मस्क को दूसरे नंबर पर धकेल दिया।

ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार, बुधवार सुबह एलिसन की संपत्ति बढ़कर 393 अरब डॉलर हो गई, जबकि मस्क 385 अरब डॉलर पर आ गए। यह उछाल ओरेकल के शेयरों के 40% से ज्यादा बढ़ने के बाद आया। यह एलिसन की संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा है। यह स्थिति ज्यादा देर तक नहीं रह सकी और शेयर की कीमत दिन के अंत तक कुछ कम हो गई, जिससे मस्क शीर्ष पर आ गए।

पहलगाम हमले के आरोपियों के पॉलीग्राफ और नार्को परीक्षण की एनआईए की याचिका खारिज

जम्मू, एजेंसी

जम्मू की एक विशेष अदालत ने पहलगाम आतंकी हमले के सिलसिले में गिरफ्तार दो लोगों के 'पॉलीग्राफ टेस्ट' और 'नार्को एनालिसिस' परीक्षण के लिए एनआईए की याचिका को खारिज कर दिया है और कहा है कि वैज्ञानिक तकनीक खुद के खिलाफ साक्ष्य देने से बचने के अधिकार का हनन करती हैं।

एनआईए ने अदालत को सूचित किया था कि आरोपियों ने अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए दोनों परीक्षणों के लिए अपनी सहमति दे दी है। केंद्रीय एजेंसी ने 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के पांच दिन बाद मामले की जांच अपने हाथ में ली थी। इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। हालांकि, आरोपी बशीर अहमद जोतद और परवेज अहमद ने एनआईए के दावे का खंडन किया। उन्हें आतंकवादियों को पनाह देने के आरोप में 26 जून को गिरफ्तार किया गया था। अदालत ने छह पृष्ठ के आदेश में कहा, आज दोनों आरोपियों को पेश किया गया... दोनों आरोपियों ने खुली अदालत में कहा है कि वे पॉलीग्राफ या नार्को एनालिसिस परीक्षण कराने के इच्छुक नहीं हैं। एनआईए के मुख्य जांच अधिकारी ने अदालत से दोनों का 'पॉलीग्राफ टेस्ट' और 'नार्को एनालिसिस' कराने की अनुमति मांगी है।

- जम्मू की एक विशेष अदालत ने कहा- वैज्ञानिक तकनीक खुद के खिलाफ साक्ष्य देने से बचने के अधिकार का हनन करती हैं

कर्नाटक हाईकोर्ट और मानवाधिकार आयोग का दिया हवाला

अदालत ने कहा कि किसी व्यक्ति पर उसकी इच्छा के विरुद्ध नार्को-एनालिसिस, पॉलिग्राफ टेस्ट जैसी वैज्ञानिक तकनीकें लागू करना संविधान में दिए गए खुद के खिलाफ साक्ष्य देने से बचने के अधिकार का उल्लंघन होगा। आदेश में अदालत ने 'पॉलिग्राफ टेस्ट', नार्को-एनालिसिस, और ब्रेन इलेक्ट्रिकल एक्टिवेशन प्रोफाइल पर कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के दिशानिर्देशों का भी हवाला दिया।

सिंगापुर में भारतीय मूल के आव्रजन अधिकारी को जेल

सिंगापुर। सिंगापुर में भारतीय मूल के एक आव्रजन अधिकारी को लोगों को यात्रा पास दिलाने में मदद के बदले में यौन शोषण के जुर्म में बृहस्पतिवार को 22 महीने की जेल की सजा सुनाई गई। आव्रजन एवं जांच प्राधिकरण (आईसीए) के निरीक्षक कन्नन मोरिस राजगोपाल जयराम ने अल्पकालिक यात्रा पास आवेदनों को मंजूरी में मदद के बदले यौन कृत्यों के रूप में भ्रष्ट आचरण के तीन आरोपों को कबूल किया। 'चैनल न्यूज एशिया' की खबर के अनुसार, कन्नन (55) को सज़ा सुनाते समय तीन अन्य समान आरोपों पर विचार किया गया। अदालती दस्तावेज़ों में 2022 और 2023 की घटनाओं का विवरण दिया गया है। इनमें 25 से 30 वर्ष की आयु के भारतीय नागरिक भी शामिल हैं-जो पढ़ाई के लिए सिंगापुर आए थे।

9/11 आतंकी हमलों की 24वीं बरसी पर दी श्रद्धांजलि

श्रद्धांजलि सभा में शामिल होने के लिए जाते राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी पत्नी।

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- हमलों में मारे गए लोगों की याद में श्रद्धांजलि सभाएं आयोजित

अमेरिकी लोग 11 सितंबर 2001 को हुए भीषण आतंकी हमलों की 24वीं बरसी मना रहे हैं और इन हमलों में मारे गए लोगों की याद में श्रद्धांजलि सभाएं आयोजित की जा रही हैं। आतंकवाद के इस भीषण कृत्य में लगभग 3,000 लोग मारे गए थे।

इन लोगों के परिजन गुरुवार को न्यूयॉर्क, पेंटागन और पेंसिलवेनिया के शैंक्सविले में आयोजित स्मृति समारोह में गणमान्य व्यक्तियों और राजनीतिक नेताओं के साथ शामिल होंगे। राष्ट्रपति ट्रंप और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

मेक्सिको में गैस टैंकर में विस्फोट से 3 की मौत, 70 घायल

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको सिटी के एक प्रमुख राजमार्ग पर गैस टैंकर में हुए भीषण विस्फोट के कारण तीन लोगों की मौत हो गई और 70 अन्य घायल हो गए। मेक्सिको सिटी की मेयर ने बुधवार देर रात यह जानकारी दी। यह विस्फोट मेक्सिको की राजधानी से प्यूब्ला शहर की ओर जाने वाले एक अहम राजमार्ग पर हुआ।

सरकार का कहना है कि अगली सूचना तक के लिए इस सड़क को बंद कर दिया गया है। मेयर क्लारा ब्रुगाडा विस्फोट के तुरंत बाद दमकलकर्मियों और चिकित्सकों सहित बचाव दल के साथ मौके पर पहुंची। उन्होंने राजमार्ग के पुल के नीचे हुए विस्फोट को आपात स्थिति बताया जिसमें 18 वाहन जलकर खाक हो गए। उन्होंने बताया कि घायल हुए 70 लोगों में से 19 की हालत गंभीर है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 12 सितंबर, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आश्विन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, पंचमी 09 .58 तक तत्पश्चात षष्ठी।

आज का पंचांग

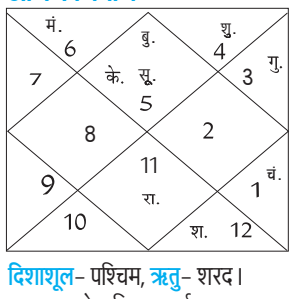

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- शरद। चन्द्रबल- मेष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुंभ।

ताराबल-अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।

नक्षत्र-भरणी 11 .58 तक तत्पश्चात कृत्तिका।

मेष — आज व्यापार में साझेदारी करना लाभकारी होगा। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। जीवनसाथी की सलाह पर गौर अवश्य करें। कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन जबर्दस्त रहेगा। आप आराम के मूड में रहेंगे।

वृष — आज पुराने किए गए खर्चे आपके बजट को बिगाड़ सकता है। अति शीघ्रता में काम बिगड़ने के आसार बन रहे हैं। नई परियोजनाओं में निवेश करने से बचें। घुटनों में दर्द से पीड़ित लोगों को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए।

मिथुन — आज व्यापार में उन्नति के अवसर मिलेंगे। बच्चों के साथ गंभीर विषयों पर चर्चा कर सकते हैं। रिश्तेदारों से मिलाप हो सकता है। घर में आपका सम्मान और वर्चस्व बढ़ेगा। उच्च शिक्षा में अच्छे परिणाम मिलेंगे। घर में धार्मिक कार्यक्रमों का आनंद लेंगे।

कर्क — आज व्यापारी अपने अधीनस्थ कर्मचारियों पर ज्यादा निर्भर न रहें। अन्य दिनों की तुलना में आप अपने काम को लेकर ज्यादा ऊर्जावान और गतिशील रहेंगे। आप गृहकार्यों में काफी व्यस्त रहेंगे। गृहस्थ जीवन में आपसी सामंजस्य बढ़ेगा।

सिंह — आज उधार दिया हुआ धन वापस मिलने की संभावना बन रही है। भावुक होकर कोई बड़ा निर्णय न लें। विद्यार्थी नए कोर्स को जॉइन करने की योजना बना सकते हैं। रचनात्मक कार्यों में आप काफी रुचि लेने वाले हैं।

कन्या — आज छोटी-छोटी बातों को गंभीरता से न लें। वरना लोग आपसे नाराज हो सकते हैं। आर्थिक मामलों में बाधा आएगी। दांपत्य जीवन में परेशानियां खड़ी हो सकती है। परिवार के सदस्यों के बीच सामंजस्य कम रहेगा। अहंकार की भावना का त्याग करें।

तुला — आज घर की साज-सज्जा के लिए आप मूल्यवान वस्तुओं की खरीदी कर सकते हैं। विरोधियों के बीच आपकी प्रशंसा होगी। बच्चों की समस्याओं को सुलझाने में सफल रहेंगे। प्रेम विवाह के लिए परिवार की अनुमति मिल सकती है।

वृश्चिक — आज रुके हुए कार्यों को निपटाने के लिए दिन उत्तम है। सभी कार्यों को बारीकी से अंजाम देंगे। शत्रुओं को कमजोर समझने की भूल न करें। अपने लक्ष्यों को लेकर योजना बना सकते हैं। व्यापार में आपको कुछ सुधार करना पड़ेगा।

धनु — आज दुश्मन आपसे दूरियां बनाकर रखने का प्रयास करेंगे। किसी धार्मिक आयोजन में सम्मिलित हो सकते हैं। परिवार की जिम्मेदारियों को निष्ठापूर्वक निभाएंगे। किसी नकारात्मक बात से मन व्यथित हो सकता है। आपकी उदारता का लोग गलत लाभ उठा सकते हैं।

मकर — आज आपकी रचनात्मकता और कार्यकुशलता में कुछ कमी आ सकती है। घर में किसी बात को लेकर झगड़ा हो सकता है। अपने करियर को लेकर काफी उत्साहित रहेंगे। मन में कुछ हिचकिचाहट की भावना रहेगी।

कुंभ — आज व्यवसाय में बेहतरीन परिणाम मिलेंगे। इससे आपके आत्मविश्वास और पराक्रम में वृद्धि होगी। सभी कार्य निर्विघ्न रूप से पूर्ण होंगे। पड़ोसियों के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। आप जो भी योजना बनाएंगे वो सफल होगी।

मीन — आज अपनी दिनचर्या को संतुलित रखें। वैवाहिक जीवन को पर्याप्त समय अवश्य दें। दूसरों के मामलों में अपनी राय न दें। वाणी पर संयम रखें। काम के दबाव के कारण लापरवाही हो सकती है। महिलाओं को स्वास्थ्य समस्या होने की संभावना है।

सुडोकू-97

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		9				6		
5					9		1	
7		8		4				2
		3	6		8		4	
		7				8		
	2		5		3			
4				1				8
	3		2				5	
		6				9		

सुडोकू - 96 का हल

9	1	4	6	2	8	5	7	3
3	2	6	9	7	5	4	8	1
8	7	5	1	3	4	9	2	6
6	9	7	8	4	1	2	3	5
4	8	2	5	6	3	7	1	9
1	5	3	2	9	7	6	4	8
7	6	8	3	5	2	1	9	4
5	4	1	7	8	9	3	6	2
2	3	9	4	1	6	8	5	7

मुझे लगता है कि जब तक भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध बेहतर नहीं हो जाते तब तक क्रिकेट और व्यापार भी नहीं होने चाहिए। वह व्यक्तिगत रूप से पाकिस्तान के साथ क्रिकेट और व्यापार का समर्थन नहीं करते हैं।

- हरभजन सिंह

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

लखनऊ, शुक्रवार, 12 सितंबर 2025

हाईलाइट

मैच से पहले पाकिस्तान से संबंधों में सुधार हो

मुंबई : पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि क्रिकेट के मैदान पर आमने-सामने होने से पहले भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्तों में सुधार जरूरी है। पारंपरिक प्रतिद्वंदी भारत व पाकिस्तान ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार दुबई में आमने-सामने होंगे। हरभजन ने यहां सोसाइटी मैगजीन के एक कार्यक्रम के दौरान कहा भारत और पाकिस्तान मैच हमेशा सुर्खियों में रहता है पर ऑपरेशन सिंदूर के बाद सभी ने कहा कि क्रिकेट और व्यापार नहीं होना चाहिए। हम विश्व चैंपियनशिप खेल रहे थे, हमने पाकिस्तान के खिलाफ वो मैच नहीं खेला।

मुक्केबाज पूजा रानी ने पदक पक्का किया

लिवरपूल : भारत की अनुभवी मुक्केबाज पूजा रानी ने पोलैंड की एमिलिया कोटेरस्का को हराकर महिलाओं के 80 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया और इस तरह से विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपना पहला पदक पक्का किया। पहले दौर में बाई हासिल करने वाली 34 वर्षीय पूजा ने अपने अनुभव के दम पर बुधवार देर रात क्वार्टर फाइनल में किशोरी कोटेरस्का को 3-2 से हराया। 80 किग्रा भार वर्ग ओलंपिक में शामिल नहीं है और विश्व चैंपियनशिप में इस वजन वर्ग में 12 मुक्केबाज भाग ले रहे हैं। इस तरह से विश्व चैंपियनशिप में भारत के तीन पदक पक्के हो गए हैं। पूजा से पहले दो बार की एशियाई चैंपियन जैस्मीन लेम्बोरिया (57 किग्रा) और नुपुर शेरॉन (80 किग्रा से अधिक) ने सेमीफाइनल में पहुंचकर पदक पक्के किए थे।

यू मुंबा ने पटना पाइरेट्स को हराया

विशाखापत्तनम : यू मुंबा ने प्रो कबड्डी लीग में रोमांचक मुकाबले में पटना पाइरेट्स को 40-39 से हराया। पटना पाइरेट्स के अयान लोहचब पीकेएल के इतिहास में लगातार 20 अंक बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने। लेकिन अंतिम क्षण में हुई गलती के कारण मैच प्रतिद्वंद्वी टीम के पक्ष में चला गया, जिससे उन्हें काफी निराशा हुई। यू मुंबा के लिए आमिरमोहम्मद जफरदानिश ने सुपर 10 लगाया। पहले हाफ तक मुंबई की टीम ने पटना पाइरेट्स के खिलाफ 23-15 से बढ़त बनाई हुई थी।

शिवम दुबे।

महत्वपूर्ण ऑलराउंडर बनने के लिए प्रतिबद्ध हैं शिवम

दुबई, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इंपैक्ट प्लेयर नियम के कारण शिवम दुबे की गेंदबाजी में भूमिका सीमित हो गई थी लेकिन वह भारतीय टीम के लिए अदद ऑलराउंडर बनना चाहते हैं। जिसमें उन्हें मुख्य कोच गौतम गंभीर का समर्थन और गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल का मार्गदर्शन मिल रहा है।

संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ एशिया कप के पहले मैच में दो ओवर में चार रन देकर तीन विकेट लेने वाले दुबे ने एक तेज गेंदबाज के रूप ने अपने खेल में सुधार के संबंध में मोर्कल की भूमिका के बारे में बात की। दुबे ने भारत की नौ विकेट से जीत के बाद संवाददाताओं से कहा जब से मैं इंग्लैंड श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में वापस आया हूं, तब से मोर्ने मेरे साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने मुझे कुछ विशेष सलाह दी है और मैंने उन पर अमल किया है। इस विस्फोटक बल्लेबाज ने कहा उन्होंने मुझे ऑफ स्टंप से थोड़ा बाहर की लाइन पर गेंदबाजी करने को कहा। उन्होंने धीमी गेंद करने को लेकर भी मेरे साथ काम किया और मेरे रन-अप में भी थोड़ा बदलाव किया।

मुख्य कोच और कप्तान ने मुझे बताया था कि मेरी गेंदबाजी की भूमिका अहम होगी। आईपीएल के बाद दुबे को अपने ऑलराउंड खेल और फिटनेस पर काम करने के लिए दो महीने का समय मिला। दुबे का आईपीएल में उनकी फ्रैंचाइज़ी चेन्नई सुपर किंग्स पावर-हिटर के रूप में ज्यादा इस्तेमाल करती है।

दुबे ने कहा पिछले दो महीनों में, मैंने अपनी फिटनेस पर काफी काम किया है। जहां तक मेरी बल्लेबाज़ी का सवाल है तो मुझे पता है कि बीच के ओवरों में मुझे (एक पावर-हिटर के तौर पर) अपनी भूमिका निभानी है। उन्होंने कहा मैं जानता हूं कि पिछले कुछ वर्षों में गेंदबाजों ने मुझे शॉर्ट पिच गेंदों से निशाना बनाया है और मैंने अपने शॉट्स की रेंज बढ़ाने पर काम किया है। इस ऑलराउंडर ने कहा जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ेगा, विकेट धीमा होता जाएगा और मैं जानता हूं कि तब मेरी धीमी गेंदें प्रभावी होंगी।

पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से पहले ध्यान केंद्रित रखें : कपिल

- विश्व कप विजेता कप्तान कपिल देव ने रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले एशिया कप के मुकाबले से पहले भारतीय खिलाड़ियों से अपने प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित रखने और बाहरी कारकों से विचलित नहीं होने को कहा। इस साल की शुरुआत में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों के मारे जाने पर भारत द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार भारत और पाकिस्तान दुबई में आमने-सामने होंगे। कपिल ने यहां संवाददाताओं से कहा भारतीय खिलाड़ियों को केवल खेल पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उनके पास एक अच्छी टीम है और उन्हें जीतना चाहिए।

03 विकेट लिए थे सिर्फ चार रन देकर

बांग्लादेश ने हांगकांग को हराया

एशिया कप टी-20 : कप्तान लिटन दास ने खेली आक्रामक अर्धशतकीय पारी

अबुधाबी, एजेंसी

लिटन दास ने कप्तानी पारी खेलते हुए आक्रामक अर्धशतक लगाया जिसकी मदद से बांग्लादेश ने एशिया कप के अपने पहले मैच में बृहस्पतिवार को हांगकांग को सात विकेट से हरा दिया।

बांग्लादेश के गेंदबाजों ने अनुशासित प्रदर्शन करते हुए हांगकांग को सात विकेट पर 143 रन पर रोक दिया था। इसके बाद दास ने 39 गेंद में 59 रन बनाकर टीम को 14 गेंद बाकी रहते जीत दिलाई। हांगकांग की यह टूर्नामेंट में लगातार दूसरी हार है जिसे पहले मैच में अफगानिस्तान ने 94 रन से हराया था।

बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज परवेज हुसैन इमोन ने 14 गेंद में 19 रन बनाये। बीच के ओवरों में रन मुश्किल से बने और पावरप्ले के बाद एक समय तो 33 गेंद में कोई चौका छक्का नहीं लगा था। दास ने मोर्चे से अगुवाई करते हुए यासिम मुर्तजा को छक्का लगाया और फिर दो चौके लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। मुर्तजा के फेंके 15वें ओवर में 16 रन बने। तौहीद हृदय 36 गेंद में 35 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने दास के साथ 95 रन की साझेदारी की। दास 59 रन बनाकर अतीक इकबाल की गेंद पर बोल्ड हो गए लेकिन तौहीद ने टीम को विजयी रन तक पहुंचाया।

इससे पहले बांग्लादेश के गेंदबाजों ने अनुशासित प्रदर्शन करते हुए हांगकांग को सात विकेट पर 143 रन पर रोक दिया। नये कप्तान लिटन के साथ उतरी बांग्लादेश ने पहले गेंदबाजी करते हुए पावरप्ले में ही दबाव बना दिया था। स्पिनर मेहदी हसन ने पहला ओवर डाला लेकिन तेज गेंदबाज तसकीन अहमद और तंजीम हसन साकिब ने हांगकांग के शीर्षक्रम को सबसे ज्यादा परेशान किया। नयी गेंद से सीम और स्विंग दोनों मिल रही थी जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया। तसकीन ने अंशुमान रथ (चार) को अपने पहले ओवर में विकेट के पीछे लपकवाया जबकि तंजीम ने बाबर हयात (14) को आउट किया। इससे पहले हयात ने उन्हें स्ट्रेट छक्का जड़ा था। पावरप्ले में हांगकांग का स्कोर दो विकेट पर 34 रन था। सलामी बल्लेबाज जीशान अली (30 रन) ने कुछ अच्छे स्ट्रोक्स लगाए जिसमें एक्स्ट्रा कवर पर जड़ा छक्का शामिल है।

बांग्लादेश के कप्तान लिटन दास अर्धशतक लगाने के बाद जश्न मनाते हुए। एजेंसी

भारत से मुकाबले से पहले अपनी तैयारी पुख्ता करेगा पाकिस्तान

दुबई : पाकिस्तान की टीम एशिया कप टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में भारत के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले शुक्रवार को ग्रुप ए के अपने पहले मैच में कमजोर ओमान के खिलाफ अपनी तैयारी को पुख्ता अंजाम देने की कोशिश करेगी। पाकिस्तान ने एशिया कप से पहले त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में अफगानिस्तान को 75 रन से हराया था जिससे निश्चित तौर पर उनका मनोबल बढ़ा होगा। इस मैच में स्पिनर मोहम्मद नवाज ने हैट्रिक बनाई थी और वह फिर से पाकिस्तान के लिए तुरुप का इक्का होंगे। संयुक्त अरब अमीरात की धीमी पिचों के कारण पाकिस्तान को टीम में स्पिनरों को शामिल करना पड़ा। उसकी यह रणनीति त्रिकोणीय सीरीज के दौरान कारगर साबित हुई और एशिया कप में भी यह रणनीति महत्वपूर्ण साबित होगी। पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा ने कहा था हम इस तरह से तैयारी करना चाहते थे जिससे एशिया कप के लिए मदद मिले और हमने ऐसा किया।

महिला एशिया कप में भारत की पहली हार

हांगझोउ, एजेंसी

- चीन ने 4-1 से हराया, भारत की तरफ से एकमात्र गोल मुमताज खान ने किया

भारतीय महिला हॉकी टीम को एशिया कप में पहली पराजय का सामना करना पड़ा जब सुपर 4 चरण के मैच में बृहस्पतिवार को मेजबान चीन ने उसे 4-1 से हराया। भारत के लिए एकमात्र गोल मुमताज खान ने 39वें मिनट में किया जबकि चीन के लिये झोउ मेइरोंग (चौथा और 56वां मिनट), चेन यांग (31वां) और तान जिंझुयांग (49वां) ने गोल दागे।

भारतीय टीम पूल चरण में अपराजेय रही थी। उसने थाईलैंड और सिंगापुर को हराया जबकि जापान से ड्रॉ खेला। सुपर 4 चरण के पहले मैच में उसने कोरिया को 4-2 से हराया था। सुपर 4 की शीर्ष दो टीमें 14 सितंबर को फाइनल खेलेंगी। एशिया कप के विजेता को 2026 महिला विश्व कप में सीधे प्रवेश मिलेगा जो बेल्जियम और नीदरलैंड में होना है।

भारतीय टीम मौकों को भुनाने में नाकाम रही और तीन में से एक भी पेनल्टी कॉर्नर पर गोल नहीं कर सकी। पहले क्वार्टर में दोनों टीमों ने हमले बोलकर मौके बनाए। चीन ने बढ़त बनाने में सफलता अर्जित की जब चौथे मिनट में मेइरोंग ने रिबाउंड पर गोल दाग दिया। भारत को अब शुक्रवार को जापान से खेलना है जिसे जीतकर टीम फाइनल में प्रवेश सुनिश्चित करना चाहेगी।

दक्षिणेश्वर और नागल पर रहेगा दारोमदार

डेविस कप

बील (स्विट्जरलैंड), एजेंसी

भारत की डेविस कप टीम के खिलाड़ी स्विट्जरलैंड के बील में मुकाबले से पहले फोटो सेशन कराते हुए। एजेंसी

भारत ने शुक्रवार से यहां मेजबान स्विट्जरलैंड के खिलाफ शुरू हो रहे डेविस कप विश्व ग्रुप एक के इंडोर मुकाबले के लिए युवा दक्षिणेश्वर सुरेश और वापसी कर रहे सुमित नागल को मैदान में उतारा है। भारत की नजरें इस मुकाबले में जीत हासिल करके डेविस कप क्वालीफायर में जगह बनाने पर टिकी हैं।

भारत के गैर खिलाड़ी कप्तान रोहित राजपाल को अमेरिका में रहने वाले दक्षिणेश्वर को टीम में शामिल करने के लिए उनके कोच को मनाना पड़ा था और मदुरै में जन्मा यह 6 फुट 5 इंच लंबा खिलाड़ी अभ्यास सत्र के दौरान उनकी उम्मीदों पर खरा उतरा।

इंडोर कोर्ट पर फ्लैट हिटिंग और बड़ी सर्विस महत्वपूर्ण होती है और दक्षिणेश्वर ने दोनों ही चीजें सही साबित कीं, जिससे गैर खिलाड़ी कप्तान को आसानी से यकीन हो गया कि वह दूसरे एकल के लिए अधिक उपयुक्त होंगे। दुनिया के 626वें नंबर के खिलाड़ी दक्षिणेश्वर दुनिया के 155वें नंबर के खिलाड़ी जेरोम किम के खिलाफ मुकाबले की शुरुआत करेंगे। राजपाल ने कहा हम प्रदर्शन के आधार पर निर्णय ले रहे हैं। इसमें मनमर्जी जैसी कोई बात नहीं है। दक्षिणेश्वर की सर्विस बहुत अच्छी है और यह इनडोर कोर्ट में बहुत बड़ा हथियार है। वीज़ा संबंधी कुछ समस्याएं थीं, इसलिए मैंने यूएस कॉलेज में दक्षिणेश्वर के कोचों से अनुरोध किया था कि वे उसे इनडोर कोर्ट पर तैयार करें।

रोनाल्डो का खेल देखकर प्रेरणा लेते हैं अभिषेक

नई दिल्ली : एशिया कप हॉकी में भारत की खिताबी जीत के सूत्रधार रहे अभिषेक नैन के लिए क्रिस्टियानो रोनाल्डो प्रेरणास्रोत रहे हैं। जिन्हें देखकर ही उन्होंने काफी कुछ सीखा। अभिषेक ने टूर्नामेंट में छह गोल किए और कई गोलों में सूत्रधार रहे।

उन्होंने सोनीपत में अपने घर से भाषा को दिए इंटरव्यू में कहा पेरिस ओलंपिक 2024 कांस्य पदक और हांगझोउ एशियाई खेल 2022 में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम के सदस्य रहे अभिषेक ने बताया कि उनके खेल पर पुर्तगाल के फुटबॉलर रोनाल्डो का काफी प्रभाव है।

आयुष शेट्टी ने बड़ा उलटफेर करते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया

हांगकांग, एजेंसी

- हांगकांग ओपन में लक्ष्य सेन और सात्विक-चिराग भी पहुंचे क्वार्टर फाइनल में

भारत के उदीयमान खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने गुरुवार को यहां हांगकांग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में बड़ा उलटफेर करते हुए 2023 के विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता जापान के कोडाई नाराओका को तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में हराकर पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

जून में यूएस ओपन सुपर 300 का खिताब जीतने वाले कर्नाटक के 20 वर्षीय खिलाड़ी ने अपनी आक्रामक शैली और बेहतरीन कोर्ट कवरेज का प्रदर्शन करते हुए जापानी शटलर को 72 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 21-19, 12-21, 21-14 से हराया। क्वार्टर फाइनल में आयुष का सामना हमवतन खिलाड़ी लक्ष्य सेन से होगा। इससे पहले लक्ष्य छह महीने में पहली बार किसी शीर्ष बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर प्रतियोगिता के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में पहुंचे जबकि सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने भी इस 500,000 डॉलर इनामी टूर्नामेंट के पुरुष युगल के अंतिम आठ में जगह बनाई। विश्व चैंपियनशिप के पूर्व कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने हमवतन एचएस प्रणय को 15-21, 21-18, 21-10 से हराया।

दक्षिण क्षेत्र 149 रनों पर सिमटा

दलीप ट्रॉफी फाइनल

बेंगलुरु, एजेंसी

मध्य क्षेत्र के गेंदबाज कुमार कार्तिकेय (दाएं) दक्षिण क्षेत्र के बल्लेबाज गुरजपनीत सिंह का विकेट लेने के बाद जश्न मनाते हुए। एजेंसी

- मध्य क्षेत्र के स्पिनर सारांश जैन और कुमार कार्तिकेय ने की धारदार गेंदबाजी

मध्य क्षेत्र ने स्पिनर सारांश जैन (49 रन देकर पांच विकेट) और कुमार कार्तिकेय (53 रन देकर चार विकेट) की बदौलत बृहस्पतिवार को दलीप ट्रॉफी फाइनल के पहले दिन दक्षिण क्षेत्र के बल्लेबाजी क्रम को झकझोरते हुए उसे पहली पारी में 63 ओवर महज 149 रन पर समेट दिया। जैन और कार्तिकेय ने मिलकर 45 ओवर डाले। स्टंप तक मध्य क्षेत्र ने बिना विकेट गंवाए 50 रन बना लिए थे जिससे वह पहली पारी के हिसाब से 99 रन से पीछे थी। दानिश मालेवार 28 और अक्षय वाडकर 20 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे।

जैन ने लगातार 24 ओवर गेंदबाजी की। कार्तिकेय ने कलाई की स्पिन की तुलना में पारंपरिक स्पिन गेंदबाजी की और ये दोनों गेंदबाज मध्य क्षेत्र की मजबूत स्थिति के मुख्य सूत्रधार रहे। दक्षिण की टीम की मुश्किलों की शुरुआत 16वें ओवर से हुई, जब सलामी बल्लेबाज मोहित काले (06) कार्तिकेय की गेंद पर लापरवाही से स्वीप खेलने की कोशिश में बोल्ड हो गए। इसके बाद दक्षिण की टीम ने लंच से पहले तीन और विकेट गंवा दिए जिससे 33 ओवर में उसका स्कोर चार विकेट पर 64 रन हो गया। इस सत्र में सबसे ज्यादा नुकसान तन्मय अग्रवाल (76 गेंद में 31 रन) के रन आउट होने से हुआ जो अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे पर वह रिकी भुई टकराकर रन आउट हो गए।

सचिन बीसीसीआई अध्यक्ष पद की दौड़ में नहीं

नई दिल्ली : दिग्गज बल्लेबाज और पूर्व भारतीय कप्तान सचिन तेंदुलकर ने इन अटकलों को खारिज कर दिया कि वह भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का अगला अध्यक्ष बनने की दौड़ में हैं। उनकी प्रबंधन फर्म ने ऐसी सभी बातों को निराधार बताया।

तेंदुलकर की प्रबंधन फर्म ने उनकी ओर से बयान जारी कर इन अटकलों पर विराम लगा दिया है कि वह रोजर बिन्नी के संभावित उत्तराधिकारी हो सकते हैं। कंपनी की ओर से जारी बयान में कहा गया हमारे संज्ञान में आया है कि सचिन तेंदुलकर के नाम पर बीसीसीआई के अध्यक्ष पद के लिए विचार किए जाने या नामांकित किए जाने के बारे में कुछ अफवाहें फैल रही हैं। हम स्पष्ट रूप से कहना चाहते हैं कि ऐसा कुछ भी नहीं हुआ है।

भूले-बिसरे दिन | पाकिस्तान के क्रिकेट हीरो से लेकर बॉलीवुड स्टार तक बनकर खूब कमाया नाम

मोहसिन खान ने मैच और बॉलीवुड को याद किया

दुबई, एजेंसी

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मोहसिन खान जब पीछे मुड़कर अपने करियर देखते हैं तो उन्हें क्रिकेट के मैदान और मुंबई के फिल्म स्टूडियो की याद आती है। मोहसिन ने जहां क्रिकेट के मैदान में अपनी पीढ़ी के सबसे जबरदस्त तेज गेंदबाजों का सामना किया तो वहीं उन्होंने हिंदी सिनेमा के कुछ सबसे बड़े सितारों के साथ एक दर्जन फिल्मों में भी काम किया।

पाकिस्तान के लिए 48 टेस्ट और 75 एकदिवसीय मैच खेलने वाले मोहसिन ने पुरानी यादों को ताजा करते हुए पीटीआई से कहा भारत के खिलाफ स्वदेश और विदेश दोनों जगह खेलना मजेदार हुआ करता था। जिमी (मोहिंदर अमरनाथ) मेरे करीबी दोस्त बन गए। हमारे जमाने में आक्रामकता तो थी, लेकिन बदतमीजी नहीं थी।

मोहसिन खान। एजेंसी

मोहसिन ने 1979 में जब पहली बार भारत का दौरा किया तो सिर्फ क्रिकेट के ही दरवाजे नहीं खुले। फिल्म निर्माताओं ने तुरंत उनसे संपर्क किया और श्रृंखला के बाद छोटे कार्यक्रमों के लिए रुकने का आग्रह किया। मोहसिन ने कहा 1979 में जब मैं पहली बार भारत आया तो मुझे बॉलीवुड से प्रस्ताव मिलने लगे। लोग कहते थे कि बस 20 दिन रुक जाओ, हम तुम्हारा हिस्सा पूरा कर देंगे। लेकिन तब मेरा ध्यान क्रिकेट पर था। क्रिकेट को प्राथमिकता देने का फैसला जल्द ही सही साबित हुआ। मोहसिन ने 1982 तक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में एक कैलेंडर वर्ष में एक हजार रन बनाने वाले पहले पाकिस्तानी क्रिकेटर के रूप में रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया। यह बहुत खास था, विशेषकर लॉर्ड्स में दोहरा शतक लगाने वाला पहला पाकिस्तानी बल्लेबाज बनना। दो साल बाद 1984 में डेनिस लिली के खिलाफ उन्हीं की धरती पर एडीलेड और मेलबर्न में लगातार शतक जड़े। मोहसिन ने कहा अपने समय के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज के खिलाफ ऐसा करना संतोषजनक था।

बटवारा फिल्म रही जीवन की बेहद खास

मोहसिन ने कहा, दरअसल जब मुझे बटवारा (फिल्म) का प्रस्ताव मिला तो मैं रीना के साथ मुंबई होते हुए लंदन जा रहा था। उन्होंने कहा धरम जी बहुत प्यारे थे और विनोद मेरे दोस्त थे। एक दृश्य ऐसा था जिसमें गहरी भावनात्मक तीव्रता की आवश्यकता थी और (जेपी) दत्ता ने अपने क्रिकेटर-अभिनेता को इसे समझाने का एक दिलचस्प तरीका ढूंढ निकाला। मोहसिन ने कहा उन्होंने मुझे कहा मोहसिन, फर्ज करो तुमने सौ मारा, फिर भी पाकिस्तान भारत से हारा। कैसा महसूस होगा आपको? उन्होंने इसे इस तरह समझाया। इस फिल्म के लिए मोहसिन को सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता के लिए फिल्मफेयर नामांकन मिला।